Tibet Action Institute
བོད་དོན་ལས་འགུལ་བསྒྲིག་གནས་ཁང་།

“जब वे हमारे बच्चों को उठाने आए”

चीन के औपनिवेशिक आवासीय विद्यालय और तिब्बत का भविष्य

यह कार्य क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-नॉन-कमर्शियल-शेयर अलाइक 4.0 इंटरनेशनल लाइसेंस के अंतर्गत लाइसेंस प्राप्त है।

कॉपीराइट 2025 तिब्बत एक्शन इंस्टीट्यूट

हिन्दी अनुवादक :

भारत तिब्बत समन्वय केन्द्र
ए-10, द्वितीय तल,
लाजपत नगर-3, नई दिल्ली – 110024
फोन: 011-29830578
टैलीफैक्स: 011-29840968
ई-मेल: coordinator@indiatibet.net
वेबसाइट: https://indiatibet.net

तिब्बत एक्शन इंस्टीट्यूट का उद्देश्य तिब्बत मुक्ति साधना के अहिंसक कार्रवाई को आगे बढ़ाने मे डिजिटल संचार की शक्ति के उपयोग को शामिल करना है। हम तिब्बतियों को तिब्बत में मानवाधिकार और स्वतंत्रता प्राप्त करने के संघर्ष में उपकरणों और ज्ञान से लैस करने के लिए दूरदर्शी रणनीतियों और अभिनव प्रशिक्षण, शिक्षा और प्रौद्योगिकी कार्यक्रमों को विकसित करने और इन्हें लागू करने के लिए विशेषज्ञ प्रचारकों, रणनीतिकारों और प्रौद्योगिकीविदों को एक साथ लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

अधिक जानकारी के लिए कृपया देखें: https://tibetaction.net

मुद्रक: वी एन प्रिन्ट-ओ-पैक, नई दिल्ली – 110020
ई-मेल: vnprints@gmail.com

“जब वे हमारे बच्चों को उठाने आए”

चीन के औपनिवेशिक आवासीय विद्यालय और तिब्बत का भविष्य

मई 2025

विषय-सूची

सारांश और मुख्य निष्कर्ष 1
परिचय 2
तिब्बत क्या है और तिब्बती कौन है? 7
बच्चों को सांस्कृतिक प्रभावों से दूर रखना 9
स्कूल से पहले की उम्र में छात्रावास में 16
बोर्डिंग स्कूलों में दुर्व्यवहार और लापरवाही 21
माता-पिता के पास कोई और चारा नहीं' कर दें 26
बीजिंग का जबरन आत्मसात करने का अभियान 28
मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक नुकसान 32
औपनिवेशिक विचारधारा से लेकर नस्लवादी नीतियों तक 35
निष्कर्ष: विकल्प और प्रतिरोध 37
सिफारिशें 39

सारांश और मुख्य निष्कर्ष

तिब्बत आज अपना अस्तित्व बचाए रखने के लिए संघर्ष कर रहा है। दशकों के औपनिवेशिक दमन के बावजूद, तिब्बतियों ने अपनी अलग पहचान बनाए रखी है। चीनी सरकार तिब्बत पर अपना कब्जा बरकरार रखने में तिब्बतियों की अलग पहचान बनाए रखने की प्रवृत्ति को खतरा मानती है और अब तिब्बत को अपने नस्ल में विलय कर लेने की व्यूह रचना में तिब्बती बच्चों को साधन के रूप में इस्तेमाल कर रही है। चीनी दमनकारी नीतियों के तहत छात्रों के जीवन के हर पहलू को निशाना बनाया जा रहा है। इनमें से सबसे विनाशकारी बीजिंग का औपनिवेशिक आवासीय विद्यालय और प्रीस्कूलों (औपचारिक रूप से शिक्षा शुरू होने के पहले के विद्यालय या नर्सरी) का विशाल नेटवर्क है। तिब्बत एक्शन इंस्टीट्यूट ने चार साल पहले पहली बार इस प्रणाली को उजागर किया था। इसके बाद प्रस्तुत रिपोर्ट में इसके विनाशकारी प्रभाव के नए साक्ष्य पेश किए जा रहे है। आवासीय विद्यालय प्रणाली न केवल बच्चों की व्यक्तिगत भलाई को खतरे में डालती है, बल्कि यह तिब्बती भाषा, संस्कृति और एक अलग नस्लीय समुदाय के रूप में तिब्बतियों के भविष्य को भी खतरे में डालती है। तिब्बत एक्शन इंस्टीट्यूट, संयुक्त राष्ट्र और दुनिया की तमाम सरकारों से आग्रह करता है कि वे तिब्बत में आवासीय विद्यालयों और प्रीस्कूलों की प्रणाली को समाप्त करने के लिए चीनी सरकार से आह्वान करें।

यह रिपोर्ट तिब्बत के अंदर रहने वाले और हाल ही में तिब्बत से पलायन कर निर्वासन में आए तिब्बतियों के दुर्लभ प्रत्यक्ष अनुभवों पर आधारित है। इस रिपोर्ट में पाया गया है कि:

- चीनी सरकार द्वारा संचालित आवासीय स्कूलों में बच्चे उपेक्षा और दुर्व्यवहार के अत्यधिक शिकार होते हैं;

- ग्रामीण क्षेत्रों में औपचारिक शिक्षा शुरू होने से पहले चार वर्ष की आयु से ही आवासीय स्कूलों में दाखिला शुरू हो सकता है;

- छात्रों को तिब्बती भाषा की कक्षाओं में दाखिला लेने या धार्मिक गतिविधियों में शामिल होने से, यहां तक कि स्कूल की छुट्टियों के दौरान भी प्रतिबंधित किया जाता है;

- तिब्बती बच्चे अपनी मातृभाषा भूल रहे हैं क्योंकि तिब्बती-माध्यम की स्कूली शिक्षा और भाषा की कक्षाएं बंद हैं;

- बच्चों को उनके परिवार से अलग रखने और आवासीय विद्यालयों में उनकी पहचान को जान-बूझकर नया रूप देने से बच्चों का भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक रूप से नुकसान हो रहा है, जिसमें लगाव और अलगाव का आघात (ट्रामा) शामिल है;

- औपनिवेशिक आवासीय विद्यालय प्रणाली चीन के अपने कानून और अंतर्राष्ट्रीय कानून दोनों का उल्लंघन करती है। यह संयुक्त राष्ट्र के विभिन्न निकायों द्वारा दशकों से चीनी सरकार को बताए जा रहे सर्वोत्तम आचरण के सबक के विपरीत है; और

- तिब्बतियों द्वारा अपनी संस्कृति के विकास के लिए विकसित की गई शैक्षणिक संस्थान चलाने के लिए की गई पहल को चीनी सरकार द्वारा कठोरता से दबा दिया गया है, लेकिन परंपरागत तिब्बती शिक्षा प्रणाली को शुरू करने की इच्छा और विशेषज्ञता अभी भी तिब्बतियों में मौजूद है।

परिचय

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने जून 2024 में शिनिंग स्थित एक आवासीय तिब्बती मिड्ल-स्कूल में बच्चों का निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान वे हमेशा मुस्कुराते और छात्रों का अभिवादन करते रहे। बच्चे गोलक (तिब्बती: མགོ་ལོག། चीनी: गुओलुओ) से आए थे, जो वहां से लगभग 300 मील दूर है। उधर, मीडिया में इस बात को लेकर वाहवाही होने लगी कि राष्ट्रपति ने ग्रामीण तिब्बती क्षेत्र के एक गरीब स्कूल की कमी को दूर करने में मदद की है।[1]

लेकिन केवल दो हफ्ते बाद ही चीनी अधिकारियों ने गोलक में एक प्रसिद्ध तिब्बती स्कूल को बंद करने के लिए मजबूर कर दिया। यह वही इलाका है जहां के छात्र शिनिंग के आवासीय विद्यालय में पढ़ते हैं। प्रिफेक्चर के एक ग्रामीण हिस्से में स्थित इस प्रसिद्ध तिब्बती स्कूल ने दशकों से हज़ारों तिब्बती छात्रों को शिक्षा प्रदान की थीद्व जिसमें समकालीन पाठ्यक्रम और पारंपरिक तिब्बती विषयों के साथ-साथ तिब्बती, चीनी और अंग्रेजी भाषा की उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान की जाती थी द्।[2]

> तिब्बतियों ने अपनी संस्कृति, धर्म, भाषा और राष्ट्रीय एकता को दृढ़तापूर्वक बनाए रखा है। चीनी सरकार उनकी इस दृढ़ता और अलग पहचान को तिब्बत पर अपना आधिपत्य बनाए रखने में खतरा मानती है।

शी का विद्यालय का निरीक्षण और उसके तुरंत बाद तिब्बत के प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों में से एक का बंद होना तिब्बत में चल रहे तिब्बतियों के अस्तित्व के संघर्ष को दर्शाता है। तिब्बतियों ने 70 वर्षों से अधिक समय से चीनी कब्जे के दौरान अत्यधिक दमन के बावजूद, अपनी संस्कृति, धर्म, भाषा और राष्ट्रीय एकता को दृढ़ता से बनाए रखा है। चीनी सरकार इस दृढता और अलग पहचान को तिब्बत पर अपना आधिपत्य कायम रखने में बड़े खतरे के रूप में देखती है। चीनी सरकार ने अपने दमनकारी निगरानी, दमन और कठोर सजाओं के माध्यम से इसे मिटाने का प्रयास किया लेकिन विफल रही। इसके बाद वह अब तिब्बती बच्चों को अपने नस्ल में विलय करने के माध्यम से ऐसा करने की कोशिश कर रही है। इसमें चीन की साफ रणनीति है: आत्मसात करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे आवासीय विद्यालयों के माध्यम से तिब्बती पहचान को खत्म कर देना।

यह रिपोर्ट तिब्बत में रह रहे तिब्बतियों और हाल में ही वहां से पलायन कर निर्वासन में आ गए तिब्बतियों के मुंह से सीधे प्राप्त सूचनाओं के आधार पर चीन के औपनिवेशिक आवासीय स्कूलों[3] के बारे में नई और अद्यतन जानकारी प्रदान करती है। यह तिब्बत एक्शन इंस्टीट्यूट की दिसंबर 2021 की रिपोर्ट[4] के बाद निरंतरता में जारी है। इससे पता चला है कि तिब्बत की शिक्षा प्रणाली मुख्य रूप से आवासीय हो गई है, जिसमें लगभग 6-18 वर्ष की आयु के लगभग आठ से नौ लाख[5] तिब्बती बच्चे चीनी सरकार द्वारा संचालित आवासीय विद्यालयों में रह रहे हैं। तिब्बती शैक्षणिक समाजशास्त्री द्वारा क्षेत्र में घूमने के बाद लगाए गए अनुमानों के आधार पर तैयार इस रिपोर्ट से यह भी पता चलता है कि चार से छह वर्ष की आयु के कम से कम एक लाख बच्चे आवासीय प्रीस्कूल में भी हैं।[6]

तिब्बत एक्शन इंस्टीट्यूट को यह भी पता चला है कि तिब्बती बच्चों की पहचान और उनकी आस्था को बदलने की अपनी कार्यवाही को पुख्ता करने के लिए चीनी सरकार ने बच्चों की उनकी मातृभाषा तिब्बती और संस्कृति से संपर्क को काटने के अपने प्रयासों को और सुगठित किया है। अब छात्रों को स्कूल की छुट्टियों के दौरान तिब्बती भाषा की कक्षाओं में जाने से प्रतिबंधित किया जाता है और माता-पिता को अपने बच्चों को धार्मिक गतिविधियों में शामिल करने से मना किया जाता है। कई ग्रामीण इलाकों में तो चार से छह वर्ष की आयु के बच्चे आवासीय प्रीस्कूल में ही रहते हैं।

शोध ने तिब्बती आवासीय विद्यालयों में लापरवाही और दुर्व्यवहार के कई मामलों का भी खुलासा किया है। उदाहरण के लिए, एक वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि एक शिक्षक एक बच्चे को बर्बर तरीके से

1 *Bastille Post Global*, "Xi Visits Model High School on Inspection in Northwest China's Qinghai," June 19, 2024, available at: https://www.bastillepost.com/global/article/3926006-xi-visits-model-high-school-on-inspection-in-northwest-chinas-qinghai (accessed July 2, 2024), Internet Archive: https://web.archive.org/web/20250503055115/ https://www.bastillepost.com/global/article/3926006-xi-visits-model-high-school-on-inspection-in-northwest-chinas-qinghai.

2 An announcement by the school's founder in April 2025 indicated that government permission had been granted for the campus to reopen sometime in the future as a technical training school, offering courses such as mobile phone literacy.

3 We are using the term "colonial boarding schools" to describe what is commonly referred to in Tibetan as བཅའ་སྡོད་སློབ་གྲྭ། (chardoe) or གཏན་སློབ། (tenlop) and in Chinese as寄宿制学校 (jisuzhi xuexiao).

4 Tibet Action Institute, "Separated from Their Families, Hidden from the World: China's Vast System of Colonial Boarding Schools Inside Tibet," 2021, available at: https://tibetaction.net/colonial-boarding-school-report/

5 See discussion of grade school boarding numbers in "Separated from Their Families, Hidden from the World," p. 23. Over the past three years, Chinese authorities have continued to expand preschool and grade school boarding and forcibly transfer more monks and nuns under 18 to state boarding schools. Accordingly, we believe that the higher end of the range is more accurate.

6 Tibet Action Institute, "Eyewitness: China Operating Mandatory Boarding Preschools Across Tibet," May 24, 2022, available at: https://tibetaction.net/eyewitness-confirms-mandatory-boarding-preschools-operating-across-tibet/.

पीट रहा है, इसमें वह बच्चे को कुर्सी से भी मारता है। इस पिटाई को जाहिर तौर पर एक सुरक्षा गार्ड ने कैद कर लिया था। हालांकि बाद में इस वीडियो को इंटरनेट से हटा दिया गया।
तिब्बत में एक सरकारी बोर्डिंग स्कूल की कक्षा में 2021 में कैमरा दिखा: तिब्बती प्रांत खाम (ཁམས།) के चामडो नंबर 1 प्राथमिक विद्यालय में सार्वजनिक आक्रोश के बाद की गई सरकारी जांच में पाया गया कि छात्र के माथे पर तीन इंच लंबा घाव था।[7] यह प्रांत अब चीनी तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र (टीएआर) का हिस्सा है।

हमारे शोध के दौरान प्राप्त प्रत्यक्ष विवरण हमारी पिछली रिपोर्ट के निष्कर्षों की ही पुष्टि करते हैं। अपने माता-पिता से अलग और चीनी भाषा में पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रम के अधीन, चीनी इतिहास, संस्कृति और पहचान पर केंद्रित और राजनीतिक विचारधारा की घुट्टी पिलाए हुए तिब्बती बच्चे अपनी भाषा, तिब्बती पहचान की भावना को भूल रहे हैं और भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक झटके झेल रहे हैं। स्कूल एकीकरण की नीति और तिब्बती संचालित स्कूलों के जबरन बंद होने के कारण, तिब्बत में अधिकांश माता-पिता के पास अपने बच्चों को आवासीय विद्यालयों में भेजने के अलावा कोई चारा नहीं है। हाल ही में तिब्बत से भागकर आए एक तिब्बती व्यक्ति ने इस स्थिति को इस तरह से समझाया:

> ...कुछ लोग अपने बच्चों को आवासीय विद्यालयों में नहीं भेजना चाहते, लेकिन उनके पास कोई दूसरा विकल्प नहीं है। माता-पिता नहीं चाहते कि उनके बच्चे अनपढ़ रहें, इसलिए इसी उम्मीद में वे अपने बच्चों को स्कूल भेजते हैं। लेकिन जब ये बच्चे घर लौटते हैं, तो वे अपने परिवार के सदस्यों से तिब्बती भाषा में बात नहीं कर पाते। वे केवल चीनी भाषा में संवाद करते हैं और घर पर बहुत मुश्किलें आती हैं। सरकार का लक्ष्य इन तिब्बती बच्चों की तिब्बती पहचान मिटाकर उन्हें चीनी बना देना है।[8]

‘माता-पिता नहीं चाहते कि उनके बच्चे अनपढ़ रहें, इसलिए वे अपने बच्चों को स्कूल भेजते हैं। लेकिन जब ये बच्चे घर लौटते हैं, तो वे अपने परिवार के सदस्यों से तिब्बती भाषा में बात नहीं कर पाते।’

शी जिनपिंग ने पिछले दशक से पूरे चीन में राजनीति से प्रेरित और अपना प्रचार करनेवाली शिक्षा की नीति चलाई है। लेकिन 1949-50 से कब्जा कर लिए गए तिब्बत में उनकी शिक्षा नीति तिब्बती बच्चों की पहचान और विश्वदृष्टि को बदलने के औपनिवेशिक मानसिकता को पूरा करती है। चीन में 2001 से स्कूल एकीकरण की नीति लागू की गई और तिब्बत में इसे कुछ साल बाद लागू किया गया, जिसके तहत हजारों स्थानीय स्कूलों को बंद कर दिया गया। हालांकि, 2012 में व्यापक जन-विरोध के दबाव में चीन में स्कूल एकीकरण की नीति को पलट दिया गया, जबकि तिब्बत और अन्य गैर-चीनी क्षेत्रों में इसे बनाए रखा गया।[9]

आज चीनी सरकार के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए तिब्बती बच्चों के जीवन को विकृत किया जा रहा है। औपनिवेशिक आवासीय विद्यालय प्रणाली चीनी और अंतरराष्ट्रीय कानून का घोर उल्लंघन है। यह उन उच्च नैतिकता के भी विपरीत है जो संयुक्त राष्ट्र के नस्लीय भेदभाव उन्मूलन समिति, बाल अधिकार समिति, विशेष प्रक्रियाएं और मानवाधिकार उच्चायुक्त के कार्यालय जैसे निकायों द्वारा दशकों से चीनी सरकार को निर्देशित की जाती रही हैं।

दुनिया भर के नीति-निर्माताओं, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और पत्रकारों ने चीनी सरकार द्वारा आवासीय विद्यालयों में बच्चों को जबरन भर्ती कर तिब्बती पहचान को मिटाने के सुनियोजित प्रयास पर नजर रखी है और बड़े पैमाने पर किए जा रहे मानवाधिकारों के कपटपूर्ण उल्लंघनों के बारे में चिंता जताकर जवाब दिया है। जवाब में चीनी सरकार ने एक हमलावर प्रचार अभियान शुरू किया है जो औपनिवेशिक आवासीय विद्यालय प्रणाली की आलोचनाओं को राजनीति से प्रेरित बताकर जोरदार तरीके से उसका खंडन करता है। इसमें निर्वासित तिब्बतियों को बदनाम करने और उन्हें कमतर आंकने के प्रयास शामिल हैं, जिन्होंने इन स्कूलों की कमियों के बारे में सार्वजनिक रूप से आवाज उठाई है। चीनी अधिकारी इन आवासीय विद्यालयों को एक ऐसे उदार साधन के रूप में वर्णित करते हैं, जो दूरदराज के उन इलाकों में रहने वाली आबादी तक मुफ्त, उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा पहुंचाता है, जहां अधिकारियों के अनुसार स्थानीय स्तर पर शिक्षा प्राप्त करना संभव या व्यावहारिक नहीं है।

7 *The New York Times*, “How China is Erasing Tibetan Culture, One Child at a Time,” January 9, 2025, available at: https://www.nytimes.com/interactive/2025/01/09/world/asia/tibet-china-boarding-schools.html (accessed January 22, 2025).
8 Interview 6.
9 Tibet Action Institute, “Separated from Their Families, Hidden from the World,” 8.

इस रिपोर्ट में दिए गए साक्ष्य स्कूलों के बारे में चीनी सरकार के दावों का खंडन करते हैं। यह तिब्बत में औपनिवेशिक आवासीय विद्यालय प्रणाली और अन्य शिक्षा नीतियों की कठोर वास्तविकताओं को दर्शाते हैं, जैसे:

- ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों की आवासीय विद्यालय में चार वर्ष की आयु में ही भर्ती कर लिया जाता है;
- इन स्कूलों में बच्चे अत्यधिक उपेक्षा और दुर्व्यवहार के शिकार होते हैं;
- इस तरह बड़ी संख्या में तिब्बती बच्चे अपने परिवारों के बजाय चीनी सरकार के प्रभाव में बड़े होते हैं;
- माता-पिता के पास अपने बच्चों को सरकारी आवासीय विद्यालय में भेजने के अलावा कोई चारा नहीं होता है;
- ये आवासीय विद्यालय तिब्बती परिवारों, तिब्बती पहचान और तिब्बती समाज के मूल ढांचे को खंडित कर रहे हैं
- यह प्रणाली चीनी सरकार की औपनिवेशिक रणनीति का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य तिब्बतियों के दिमाग को बदलना और उन्हें नए सिरे से चीनी राष्ट्रीयता के प्रति निष्ठावान बनाना है, ताकि तिब्बती समूह की पहचान और उनकी सामूहिक रूप से एकजुट होकर विरोध करने की क्षमता के आधार को ही समाप्त किया जा सके; तथा
- तिब्बती लोग अत्यधिक दमन के दौरान भी यथासंभव प्रतिरोध कर रहे हैं।

यह रिपोर्ट चीन सरकार की अपने और अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन करनेवाले तरीकों की समीक्षा करती है और फिर इस्तेमाल की गई शोध पद्धति पर चर्चा करती है। यह समझाती है कि तिब्बत कहां और क्या है, तिब्बती बच्चों को उनकी भाषा और संस्कृति से वंचित करनेवाली नीतियों की जांच करती है और आवासीय प्रीस्कूल में रहने वाले ग्रामीण क्षेत्रों के चार से छह वर्ष की आयु के बच्चों के बारे में जानकारी प्रदान करती है। फिर पूरे आवासीय विद्यालय प्रणाली के भीतर उपेक्षा और दुर्व्यवहार के नए सबूत पेश करती हैं। रिपोर्ट बताती है कि किस तरह से माता-पिता अपने बच्चों को औपनिवेशिक आवासीय विद्यालयों में भर्ती करने को लेकर मजबूर होते हैं और अल्पकालिक और दीर्घकालिक दोनों तौर पर औपनिवेशिक आवासीय विद्यालयों के विनाशकारी प्रभावों को देखते हैं। अंत में, यह वर्तमान शिक्षा प्रणाली के विकल्पों पर चर्चा करती है, तिब्बतियों द्वारा औपनिवेशिक आवासीय विद्यालयों से संबंधित नीतियों के विरोध के तरीकों पर चर्चा करती है और चीनी सरकार, तिब्बतियों के अधिकारों के बारे में चिंतित सरकारों और संयुक्त राष्ट्र निकायों से तत्काल हस्तक्षेप करने की सिफारिशें करती हैं।

चीनी संविधान के अनुसार, सभी राष्ट्रीयताओं को अपनी भाषाओं और लिपियों का उपयोग करने, उन्हें विकसित करने तथा अपनी लोक-पद्धतियों और रीति-रिवाजों को संरक्षित करने या विकसित करने की स्वतंत्रता है।'

चीन द्वारा अपने और अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन

तिब्बत में चीनी सरकार के औपनिवेशिक आवासीय विद्यालय, तिब्बती भाषा के उपयोग पर प्रतिबंध, आक्रामक सांस्कृतिक संहार और आवासीय विद्यालयों में तिब्बती बच्चों द्वारा झेले जाने वाले शारीरिक और मनोवैज्ञानिक दुर्व्यवहार अंतरराष्ट्रीय कानून के साथ ही चीन के अपने कानून का भी उल्लंघन हैं।

चीनी कानून स्पष्ट रूप से तिब्बती भाषा के अधिकारों की, विशेष रूप से शिक्षा के क्षेत्र में सुरक्षा की गारंटी देता है। चीन के संविधान में कहा गया है कि "सभी राष्ट्रीयताओं को अपनी भाषा और अपनी लिपि का उपयोग करने और उन्हें विकसित करने तथा अपनी लोक-पद्धतियों और रीति-रिवाजों को संरक्षित या सुधारने की स्वतंत्रता है।[10] 1984 के "क्षेत्रीय राष्ट्रीयता स्वायत्तता कानून" (अनुच्छेद 37) में कहा गया है कि 'ज्यादातर नस्लीय रूप से अल्पसंख्यक छात्रों को भर्ती करने वाले स्कूलों (कक्षाओं) और अन्य शैक्षिक संगठनों को, जब भी संभव हो, अपनी भाषा की पाठ्यपुस्तकों अपनी भाषा ओं का शिक्षा के माध्यम के रूप

10 The National People's Congress of the People's Republic of China, "Constitution of the People's Republic of China, Article 4," available at: https://english.www.gov.cn/archive/lawsregulations/201911/20/content_WS5ed8856ec6d0b3f0e9499913.html (accessed May 6, 2025), Internet Archive: https://web.archive.org/web/20250503230519/https://english.www.gov.cn/archive/lawsregulations/201911/20/content_WS5ed8856ec6d0b3f0e9499913.html.

में[11] (जोर दिया गया) उपयोग करना चाहिए।

कानून निर्देश देता है कि अल्पसंख्यक स्कूलों को देर से प्राथमिक या माध्यमिक विद्यालय में चीनी भाषा की पढ़ाई शुरू करनी चाहिए और यह निर्देश नहीं देता है कि किंडरगार्टन में चीनी भाषा पढ़ाई जाए[12] और न ही यह कि प्राथमिक या माध्यमिक शिक्षा के दौरान किसी भी समय चीनी भाषा शिक्षा का माध्यम हो। कानून के अनुच्छेद 37 को 2001 में संशोधित किया गया था, ताकि यह प्रावधान किया जा सके कि अल्पसंख्यक स्कूलों को प्राथमिक विद्यालय के "जूनियर या सीनियर ग्रेड"में चीनी भाषा पढ़ाना शुरू करना चाहिए।[13] इसके अलावा, चीन के "नाबालिगों के संरक्षण पर कानून" (अनुच्छेद 27) में यह प्रावधान है कि "शिक्षण और प्रशासनिक कर्मचारियों को स्कूलों और किंडरगार्टन में नाबालिगों की व्यक्तिगत गरिमा का सम्मान करना चाहिए और उन्हें शारीरिक दंड या गुप्त शारीरिक दंड नहीं देना चाहिए, या ऐसे अन्य कार्य नहीं करने चाहिए जो नाबालिगों की व्यक्तिगत गरिमा का अपमान करते हों।[14]

तिब्बती बच्चों के लिए आवासीय विद्यालय प्रणाली तिब्बतियों को बहुसंख्यक हान संस्कृति में बड़े पैमाने पर विलय करने के कार्यक्रम के रूप में प्रतीत होती है, जो अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार मानकों के विपरीत है।

संयुक्त राष्ट्र के विशेष प्रतिवेदकों और विभिन्न संयुक्त राष्ट्र (यूएन) निकायों ने अब कई ऐसे तरीकों की ओर इशारा किया है। इनमें तिब्बत में चीनी सरकार की आवासीय विद्यालय प्रणाली और इसकी आक्रामक सांस्कृतिक संहार की नीति, शिक्षा के माध्यम के तौर पर तिब्बती भाषा को हटाना, बच्चों को जबरन परिवार से अलग करना और निजी स्कूलों को बंद करना शामिल है। ये ऐसे कृत्य हैं, जो खुद चीन द्वारा विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संधियों में शामिल होकर दायित्व लेने के बाद भी इनके उल्लंघन का कच्चा चिट्ठा खोलते हैं। संयुक्त राष्ट्र के विशेष प्रतिवेदक, सांस्कृतिक अधिकारों के क्षेत्र में विशेष प्रतिवेदक, शिक्षा के अधिकार पर विशेष प्रतिवेदक और धर्म या विश्वास की स्वतंत्रता पर विशेष प्रतिवेदक ने[15] अल्पसंख्यक मुद्दों पर चीन की सरकार को भेजे अपने नवंबर 2022 के संचार में बताया कि तिब्बती बच्चों के प्रति चीन की नीतियां मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा;[16] बाल अधिकारों पर सम्मेलन (सीआरसी) के अनुच्छेद 5, 28, 29 और 30; आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकारों पर अंतर्राष्ट्रीय वाचा (आईसीईएससीआर) के अनुच्छेद 13 और 15; नस्लीय भेदभाव के सभी रूपों के उन्मूलन पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (सीईआरडी) के अनुच्छेद 5; नागरिक और राजनीतिक अधिकारों पर अंतरराष्ट्रीय वाचा के अनुच्छेद 18;[17] धर्म या विश्वास के आधार पर असहिष्णुता और भेदभाव के सभी रूपों के उन्मूलन पर संयुक्त राष्ट्र घोषणा के अनुच्छेद 2, 4 और 5 और शिक्षा में भेदभाव के खिलाफ यूनेस्को कन्वेंशन के अनुच्छेद 5 के साथ ही विभिन्न अन्य प्रासंगिक मानवाधिकार दस्तावेजों, सिफारिशें और पुस्तिकाओं में उल्लिखित कानूनों को प्रभावित करती हैं। विशेष प्रतिवेदकों ने कहा कि 'तिब्बती बच्चों के लिए आवासीय विद्यालय प्रणाली तिब्बतियों को बहुसंख्यक हान संस्कृति में आत्मसात करने के लिए बड़े पैमाने पर कार्यक्रम के रूप में कार्य करती प्रतीत होती है, जो अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार मानकों के विपरीत है।[18]

मार्च 2023 में, आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र समिति ने विशेष प्रतिवेदकों की चिंता को दोहराया कि औपनिवेशिक आवासीय विद्यालय आईसीईएससीआर के तहत चीन के दायित्वों का उल्लंघन करते हैं,[19] इसी के साथ उन्होंने चीनी सरकार से 'तिब्बती बच्चों पर लगाए गए जबरन आवासीय (बोर्डिंग) स्कूल प्रणाली को तुरंत समाप्त करने का आग्रह किया।'[20] मई 2023 में, आर्थिक,

11 The National People's Congress of the People's Republic of China, "Law of the People's Republic of China on Regional National Autonomy, Article 37," 1984, available at: http://www.china.org.cn/english/government/207138.htm (accessed January 14, 2025), Internet Archive: https://web.archive.org/web/20250506141826/http://www.china.org.cn/english/government/207138.htm.
12 "Kindergarten" and "preschool" are used interchangeably throughout this report
13 Standing Committee of the National People's Congress, "Law of the People's Republic of China on Regional Ethnic Autonomy" (2001 Amendment), Article 37, available at: http://en.npc.gov.cn.cdurl.cn/2024-01/10/c_954912.htm (accessed January 14, 2025), Internet Archive: https://web.archive.org/web/20250514232721/http://en.npc.gov.cn.cdurl.cn/2024-01/10/c_954912.htm.
14 Standing Committee of the National People's Congress, "The Law of the People's Republic of China on the Protection of Minors," adopted 1991, last revised 2020, Article 27, available at: https://www.chinalawtranslate.com/en/protection-of-minors-2020/#_Toc53832361 (accessed May 11, 2025).
15 Mandates of the Special Rapporteur on minority issues; the Special Rapporteur in the field of cultural rights; the Special Rapporteur on the right to education; and the Special Rapporteur on freedom of religion or belief, "Communication to the Government of China," November 11, 2022, available at: https://spcommreports.ohchr.org/TMResultsBase/DownLoadPublicCommunicationFile?gId=27444 (accessed January 14, 2025).
16 Article 1, which the Special Rapporteurs noted provides that "all human beings are born free and equal in dignity and rights" should be "[u] nderstood within the context of minority rights, [to mean] that States should refrain from practices which discriminate against minority groups on their territory."
17 The Special Rapporteurs noted that Article 18 of "the ICCPR stresses 'Everyone shall have the right to freedom of thought, conscience and religion. This right shall include freedom [...] either individually or in community with others and in public or private, to manifest his religion or belief in worship, observance, practice and teaching[,]' [states] that 'no one shall be subject to coercion which would impair his freedom to have or to adopt a religion or belief of his choice[,]' [and] 'provides that the liberty of parents and legal guardians to ensure the religious and moral education of their children in conformity with their own convictions.'"
18 Special Rapporteurs, "Communication to the Government of China."
19 United Nations General Assembly, "International Covenant on Economic, Social and Cultural Rights," December 16, 1966, available at: https://www.ohchr.org/en/instrumentsmechanisms/instruments/international-covenant-economic-social-and-cultural-rights (accessed January 15, 2025).
20 Committee on Economic, Social and Cultural Rights, "Concluding Observations," March 6, 2023, available at: https://tbinternet.ohchr.org/_layouts/15/treatybodyexternal/Download.aspx?symbolno=E/C.12/CHN/CO/3&Lang=en (accessed January 15, 2025)

सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र समिति ने विशेष प्रतिवेदकों की चिंता को दोहराया कि औपनिवेशिक बोर्डिंग स्कूल आईसीईएससीआर के तहत चीन के दायित्वों का उल्लंघन करते हैं, चीनी सरकार से 'तिब्बती बच्चों पर लगाए गए जबरन आवासीय (बोर्डिंग) स्कूल प्रणाली को तुरंत समाप्त करने का आग्रह किया। साथ ही महिलाओं के खिलाफ भेदभाव के उन्मूलन संबंधी समिति (सीईडीएडब्ल्यू) ने भी अपनी चिंता व्यक्त की कि औपनिवेशिक आवासीय प्रणाली अनुबंध के अनुच्छेद 36.[21] के विरुद्ध है। इसने भी चीन से आग्रह किया कि वह 'तिब्बती लड़कियों पर थोपी गई जबरन आवासीय (बोर्डिंग) स्कूल प्रणाली को समाप्त करे और निजी तिब्बती स्कूलों की स्थापना और उन्हें सब्सिडी देने को मान्यता प्रदान करे।'[22]

शोध की विधि

इस रिपोर्ट को तैयार करने के लिए जो शोध अपेक्षित था, वह तिब्बतियों के समक्ष उपस्थित गंभीर जोखिमों के कारण नहीं हो पाया था। ये घटनाएं चीनी सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हैं या उनकी आलोचना करते हैं। तिब्बत में रहने वालों को कारावास या अन्य कठोर दंड की आशंका हमेशा सिर पर मंडराती रहती है। निर्वासित लोगों को तिब्बत में अभी भी रह रहे परिवारों पर चीनी सरकार द्वारा अंतरराष्ट्रीय दमन और गंभीर धमकियों का सामना करना पड़ता है। चीनी सरकार द्वारा नियंत्रित इंटरनेट की अत्यधिक निगरानी का मतलब है कि ऑनलाइन कही गई कोई भी बात देखी जाती है, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का उपयोग करके आसानी से खोजी जा सकती है और उसे साक्ष्य मानकर व्यक्ति को दंडित किया जा सकता है। ऑनलाइन संचार को सेंसरशिप द्वारा और भी सीमित कर दिया जाता है। इससे इस बात की निगरानी होने लगती है कि तिब्बती कौन सी खबर देख रहे हैं। फिर आसानी से नियंत्रण किया जाता है कि तिब्बती कौन सी खबर देख सकते हैं और किससे बात कर सकते हैं।

इसके अलावा, चीनी सरकार स्वतंत्र शोधकर्ताओं या पत्रकारों को इस रिपोर्ट में चर्चा किए गए मुद्दों की स्थिति की जांच करने के लिए तिब्बत में स्वतंत्र रूप से यात्रा करने से रोकती है। दुर्लभ अवसरों पर जब कोई शोधकर्ता या पत्रकार तिब्बत में तिब्बतियों से बात करने में सक्षम होता है, तो कोई भी गंभीर प्रतिशोध के डर के बिना इन मुद्दों के बारे में खुलकर संवाद नहीं कर सकता है।[23]

इसलिए इस रिपोर्ट के लिए जो शोध किया गया है, वह तिब्बतियों द्वारा दुर्लभ अवसर पाकर दिए गए औचक साक्षात्कारों पर आधारित है। इसमे ऐसे तिब्बतियों से सीधी बातचीत हैं जो अभी भी तिब्बत में हैं या जो हाल ही में निर्वासन में आ गए हैं। इसमें 2023 और 2024 के बीच निर्वासन में भारत आ गए तिब्बतियों के साथ किए गए पंद्रह गहन साक्षात्कार, तिब्बत में तिब्बतियों द्वारा ऑनलाइन प्रकाशित बयान और जनवरी 2022 से अप्रैल 2025 तक तिब्बत में तिब्बतियों द्वारा की गई लगभग 75 निजी या सार्वजनिक टिप्पणियां शामिल हैं, जिन्हें निर्वासित तिब्बतियों द्वारा लिखा गया था। हमने इस रिपोर्ट के लिए कई अकादमिक स्त्रोतों, मीडिया लेखों और चीनी सरकार के आधिकारिक बयानों को भी इसमें संकलित किया है।

तिब्बतियों के ऊपर मंडराने वाले संकट के कारण, अधिकांश साक्षात्कारकर्ताओं और सभी ऑनलाइन टिप्पणीकारों के नाम और पहचान संबंधी जानकारी हटा दी गई है। तिब्बत के अंदर तिब्बतियों द्वारा ऑनलाइन टिप्पणियों और पोस्टों को संक्षिप्त किया गया है।

21 Article 36 provides that women and girls have the right to education. Committee on the Elimination of Discrimination against Women, "Convention on the Elimination of All Forms of Discrimination against Women – General recommendation No. 36 (2017) on the right of girls and women to education," November 27, 2017, available at: https://documents.un.org/doc/undoc/gen/n17/398/03/pdf/n1739803.pdf (accessed January 15, 2025).
22 Committee on the Elimination of Discrimination against Women, "Concluding Observations," May 31, 2023, available at: https://tbinternet.ohchr.org/_layouts/15/treatybodyexternal/Download.aspx?symbolno=CEDAW/C/CHN/CO/9&Lang=en (accessed January 15, 2025).
23 The Chinese government periodically selects foreign media outlets to go on propaganda tours to Tibet. Journalists follow a set schedule and are accompanied by government minders. No Tibetan can speak freely without fear of severe repercussions. Occasionally, journalists manage to enter Tibetan areas outside the Tibet Autonomous Region independently, such as David Rennie from The Economist in 2024 [see The Economist, "Why China Takes Young Tibetans from Their Families," June 13, 2024, available at: https://www.economist.com/china/2024/06/13/why-china-takes-young-tibetans-from-their-families (accessed October 17, 2024)]

तिब्बत क्या है और तिब्बती कौन है?

चीनी सरकार दशकों से तिब्बत और तिब्बतियों के अस्तित्व को मिटाने और ओझल करने का प्रयास कर रही है। ऐतिहासिक रूप से तिब्बत के तीन पारंपरिक प्रांत हैं- अमदो (ཨ་མདོ།), खाम (ཁམས།), और यू-सांग (དབུས་གཙང་།)। 1960 के दशक में चीन की कम्युनिस्ट सरकार ने तिब्बत को नए प्रशासनिक इकाइयों में विभाजित कर दिया प्राचीन तिब्बत को विघटित कर तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र और तिब्बती स्वायत्त प्रिफेक्चर गठित कर दिया। इसके बाद भी बच रहे कुछ तिब्बती काउंटियों को किंघई, गांसु, सिचुआन और युन्नान प्रांतों में शामिल कर दिया गया।

तिब्बत का ऐतिहासिक मानचित्र

केंद्रीय तिब्बती प्रशासन द्वारा जारी मानचित्र पर आधारित तिब्बत के तीन ऐतिहासिक प्रांत।

चीनी सरकार तिब्बत की सीमाओं के पुनर्निर्धारण को जायज ठहराने के तर्क के रूप में दावा करती है कि तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र (टीएआर)– जो मोटे तौर पर यू-सांग है, असल में उतना ही तिब्बत है। हालांकि, यह दावा तिब्बती स्वायत्त प्रिफेक्चर और काउंटियों के उसके अपने ही मानचित्र से झूठा साबित हो जाता है, जो कि वर्तमान किंघई प्रांत का अधिकांश भाग, सिचुआन का एक महत्वपूर्ण भाग और युन्नान और गांसु के छोटे हिस्से के तौर पर अस्तित्व में हैं (अगले पृष्ठ पर मानचित्र देखें)। तिब्बतियों की लगभग आधी आबादी टीएआर के बाहर रहती है और 2008 के राष्ट्रव्यापी तिब्बती जनक्रांति के बाद से तिब्बत पर चीनी सरकार की प्रमुख नीति बैठकों में केवल टीएआर ही नहीं, बल्कि सभी तिब्बती क्षेत्रों को शामिल किया जाता है।[24] हालांकि, बीजिंग सार्वजनिक तौर पर प्रचार में यह दिखावा करता है कि इस क्षेत्र का एक छोटा सा हिस्सा ही तिब्बत है।

24 International Campaign for Tibet, "Tibet's Importance Seen at Major Meeting Promising More Repression," September 1, 2020, available at: https://savetibet.org/tibetsimportance-seen-at-major-meeting-promising-more-repression (accessed September 22, 2024)

चीनी सरकार द्वारा प्रिफेक्चरों और काउंटियों में विभाजित तिब्बत का मानचित्र

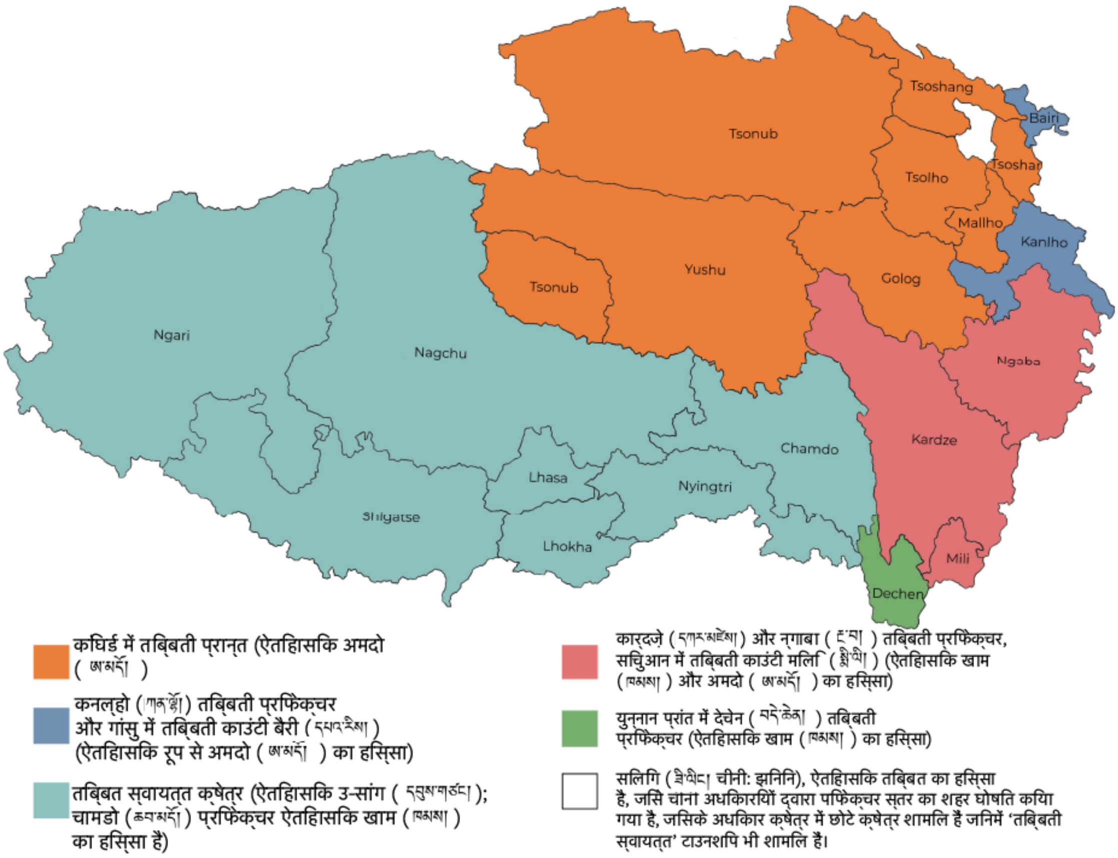

चीनी सरकार अपने नागरिकों और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को यह समझाने के लिए जोर-शोर से प्रचार करती है कि तिब्बत हमेशा से चीन का हिस्सा रहा है। हाल के वर्षों में इसने तिब्बत के लिए अपने दावों को जायज ठहराने के लिए 'तिब्बत' को चीनी नाम 'जिजांग' से संबोधित करने की कोशिश की है, जिसमें टीएआर को 'जिज़ांग स्वायत्त क्षेत्र' के रूप में दिखलाया जाना भी शामिल है। चीनी सरकार इस उपयोग को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसारित करने का प्रयास कर रही है क्योंकि इससे तिब्बत की एक अद्वितीय और अलग इकाई के रूप में वैश्विक समझ बनाने की कोशिश करती है।[25]

ये प्रयास जानबूझकर इस प्रश्न को उलझा देते हैं कि तिब्बत क्या है, तिब्बत के लिए चीनी सरकार की नीतियां कहां लागू की जा रही हैं और उनसे कौन प्रभावित हो रहा है। उदाहरण के लिए, फरवरी 2023 में आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र समिति द्वारा चीन की समीक्षा में आवासीय विद्यालयों में तिब्बती बच्चों की भारी संख्या के बारे में सवालों के जवाब देते समय एक चीनी सरकारी अधिकारी ने कहा कि तिब्बत (अर्थात टीएआर) में आधे छात्र आवासीय विद्यालयों में रह रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि 'जहां तक आवासीय विद्यालयों या प्रीस्कूल में दस लाख बच्चों के पढ़ने का सवाल है, मुझे नहीं पता कि यह आंकड़ा कहां से आया है। लेकिन मेरे पास एक और आंकड़ा है। 2020 में तिब्बती (टीएआर) की आबादी 36.4 लाख थी। इनमें अल्पसंख्यक समूहों या तिब्बतियों की संख्या 32 लाख थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस हिसाब से बोर्डिंग स्कूल में दस लाख तिब्बती बच्चे नहीं हो सकते हैं। ऐसा कहते समय चीनी अधिकारी ने टीएआर के बाहर से आए अन्य सभी तिब्बतियों के यहां रहने के तथ्य से ही इनकार कर दिया।[26]

आलोचना से बचने के लिए तिब्बती आबादी के आधे हिस्से को दूर भगाने के ऐसे प्रयासों के बावजूद, इस रिपोर्ट और हमारी 2021 की रिपोर्ट दोनों के लिए एकत्र किए गए साक्ष्य से पता चलता है कि औपनिवेशिक आवासीय व्यवस्था अमदो (ཨ་མདོ།), खाम (ཁམས།), और यू-सांग (དབུས་གཙང་།) को लेकर पूरे तिब्बत में तिब्बतियों पर लागू होती है।

25 International Campaign for Tibet, "China's External Propaganda on Tibet: Erasing Tibet to 'Tell a Good Chinese Story,'" January 11, 2024, available at: https://savetibet.org/chinas-external-propaganda-on-tibet (accessed September 22, 2024).
26 United Nations Committee on Economic, Social and Cultural Rights, 7th Meeting, 73rd Session, February 16, 2023, available at: https://webtv.un.org/en/asset/k1v/k1vrez9w0u, at 2:49:32 (accessed September 2, 2024).

बच्चों को सांस्कृतिक प्रभावों से दूर रखना

स्थानीय और तिब्बती-संचालित स्कूली शिक्षा को खत्म किया जा रहा है

चीनी राज्य परिषद ने 2015 में 'नस्लीय शिक्षा के विकास में तेजी लाने का निर्णय' लिया। इसमें इस लक्ष्य पर जोर दिया गया कि 'सभी नस्लीय अल्पसंख्यक समुदाय के छात्र एक स्कूल में पढ़ेंगे, एक स्कूल में रहेंगे और एक स्कूल में बड़े होंगे।[27] इससे अन्य बातों के अलावा, 'देश की दीर्घकालिक स्थिरता' को साकार किया जा सकेगा।[28] इस नीति के तहत तिब्बत में स्थानीय ग्रामीण स्कूलों को बंद कर दिया गया और तिब्बतियों द्वारा संचालित स्कूलों को धीरे-धीरे बंद किया जा रहा है। इस तरह से अब वहां आवासीय विद्यालयों के अलावा कोई विकल्प नहीं रह गया है। इसके अतिरिक्त, तिब्बती शिक्षा और संस्कृति का आधार माने जाने वाले युवा भिक्षुओं और भिक्षुणियों को सरकारी आवासीय विद्यालयों में दाखिला लेने के लिए मजबूर किया जा रहा है। अब तक ये भिक्षु और भिक्षुणियां पारंपरिक रूप से मठों और भिक्षुणी विहार में अध्ययन करते रहे हैं। सरकारी आवासीय स्कूलों में बच्चों को उनकी संस्कृति, पहचान और ज्ञान के सामान्य अध्ययन से काट दिया जाता है, जो उनके घरों और समुदायों में होता है। यह सरकार की उन कार्रवाइयों से और भी बढ़ गया है, जिसमें बच्चों को तिब्बती भाषा की अतिरिक्त कक्षाओं में अध्ययन करने या स्कूल के बाहर भी लंबी छुट्टी के दौरान धार्मिक गतिविधियों में शामिल होने से मना किया गया है।

पिछले 15 वर्षों में चीनी अधिकारियों ने तिब्बत में सैकड़ों और कहें तो हजारों तक स्थानीय स्कूलों को बंद कर दिया है, जबकि आवासीय विद्यालयों का निर्माण और विस्तार किया गया है।[29] यह 'स्कूल एकीकरण' सन् 2000 के बाद से पूरे चीन में शुरू हुआ था, लेकिन भारी जन असंतोष के कारण इसे चीन में रोक दिया गया था। हालांकि, यह नीति गैर-चीनी क्षेत्रों में पूरी ताकत से जारी रही और अधिक से अधिक स्कूलों को बंद कर दिया गया।[30]

जुलाई 2021 में चीनी अधिकारियों द्वारा जबरन बंद किए गए गोलोक (མགོ་ལོག) में तिब्बती द्वारा संचालित निजी स्कूल सेंगड्रुक तक्त्से मिडिल स्कूल के छात्र। स्रोत: द जोरू फाउंडेशन।

27 Human Rights Watch, "China's 'Bilingual Education' Policy in Tibet," 2020, available at: https://www.hrw.org/sites/default/files/report_pdf/tibet0320_web_0.pdf (accessed November 21, 2024).
28 State Council, "Decision of the State Council on Accelerating the Development of Ethnic Education," National Document [2015] 46, issued August 11, 2015, available at: https://www.gov.cn/zhengce/content/2015-08/17/content_10097.htm, (accessed January 23, 2025), Internet Archive: https://web.archive.org/web/20250506142922/https://www.gov.cn/zhengce/content/2015-08/17/content_10097.htm.
29 Tibet Action Institute, "Separated from Their Families, Hidden from the World," 8-10.
30 Human Rights Watch, "China's 'Bilingual Education' Policy in Tibet," 77.

गोलोक (མགོ་ལོག) में स्थित जिग्मे ग्यालत्सेन के प्रसिद्ध गंगजोंग शेरिग नोरबू लोबलिंग स्कूल के समापन समारोह में व्याकुल तिब्बती छात्र। स्रोत: तिब्बती मानवाधिकार और लोकतंत्र केंद्र द्वारा सोशल मीडिया पर प्रकाशित एक वीडियो से ली गई तस्वीर।

सरकारी आवासीय विद्यालयों के एकाधिकार को स्थापित करने की दिशा में बढ़ते हुए चीन सरकार ने तिब्बती पठार में तिब्बतियों द्वारा संचालित निजी स्कूलों को भी बंद करने के लिए मजबूर किया है।[31] ये स्कूल सरकारी स्कूलों के महत्वपूर्ण विकल्प हुआ करते थे, जहां तिब्बती ज्ञान, संस्कृति, परंपराओं और इतिहास पर आधारित पाठ्यक्रम का अध्ययन कराया जाता था। यह अध्ययन तिब्बती भाषा के माध्यम से कराया जाता था। उल्लेखनीय है कि तिब्बती स्कूलों को तेजी से बंद किया गया है, जबकि चीनी सरकार स्कूली सुविधाओं की कमी को सरकारी आवासीय विद्यालय प्रणाली से पूरा कर रही है।

सभी माता-पिता चाहते हैं कि उनके बच्चे शिक्षित हों और चीन में नौ साल की प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा (जिसे 'अनिवार्य शिक्षा' कहा जाता है) की आवश्यकता है। लेकिन चूंकि स्थानीय और तिब्बती स्कूलों को सरकार ने जान-बूझकर बंद कर दिया है, इसलिए अधिकांश परिवारों के लिए एकमात्र विकल्प सरकारी आवासीय विद्यालय ही बचे हैं। एक व्यक्ति ने समझाते हुए बताया कि इसका मतलब है कि माता-पिता को अपने बच्चों को उनके बचपन का ज़्यादातर हिस्सा सरकारी संस्थानों में बिताने के लिए भेजना होगा।

> उस व्यक्ति ने बताया कि अनिवार्य शिक्षा की नीति के तहत सभी बच्चों को अपनी नौ साल की शिक्षा पूरी करनी होगी। टाउनशिप (मेरे क्षेत्र में) में कोई स्कूल नहीं है, इसलिए माता-पिता को अपने बच्चों को काउंटी के आवासीय विद्यालय में भेजना पड़ता है।[32]

उस व्यक्ति ने बताया कि युवा भिक्षुओं और भिक्षुणियों को मठों और भिक्षुणी विहारों से निकालकर सरकारी आवासीय विद्यालयों में भेजने के लिए अन्य बातों के अलावा अनिवार्य शिक्षा कानून का भी इस्तेमाल किया गया है।

> अनिवार्य शिक्षा नीतियों के तहत युवा बच्चे अब भिक्षु नहीं बन सकते। पहले, अधिकांश परिवार अपने कम से कम एक बच्चे को भिक्षु या भिक्षुणी बनने के लिए भेजते थे, लेकिन अब वे ऐसा नहीं कर सकते। युवा बच्चों को (सरकारी) स्कूलों

31 See International Campaign for Tibet, "China Renews Attacks on Remaining Tibetan-language Schools," November 30, 2021, available at: https://savetibet.org/china-renewsattacks-on-remaining-tibetan-language-schools/#7 (accessed January 21, 2025), Tibetan Centre for Human Rights and Democracy, "China Orders Tibetan Private Schools to be Closed and Students Enrolled in Chinese Medium Schools in Sershul County," April 22, 2022, available at: https://tchrd.org/china-orders-tibetan-private-schools-tobe-closed-and-students-enrolled-in-chinese-medium-schools-in-sershul-county/ (accessed January 21, 2025), "China Shuts Down Highly Reputed Tibetan Private School Signalling Intensification of its Forced Cultural Assimilation Policy," July 19, 2024, available at: https://tchrd.org/china-shuts-down-highly-reputed-tibetan-private-schoolsignalling-intensification-of-its-forced-cultural-assimilation-policy/ (accessed January 21, 2025), Tibetan Centre for Human Rights and Democracy & Asian Dignity Initiative, "Thematic Report 2022; Sucked our Marrow: Tibetan Language and Education Rights under Xi Jinping," available at: https://tchrd.org/wp-content/uploads/2022/05/TibetanLanguage-and-Education-Rights-Under-Xi-Jinping_TCHRD-Thematic-Report.pdf (accessed May 12, 2025), Radio Free Asia, "China Closes Two Tibetan Monastery Schools, Sends Novices to State Boarding Schools," July 3, 2024, available at: https://www.rfa.org/english/news/tibet/china-closes-two-monastery-schools-novices-state-boardingschools-07032024142557.html (accessed January 21, 2025), Free Tibet, "Tibetan School Closures," available at: https://freetibet.org/take-action/join-a-campaign/linguicide/tibetan-school-closures/ (accessed January 21, 2025), and Radio Free Asia, "Exclusive: Five Teenage Tibetan Monks Attempt to Take Own Lives," available at: https://www.rfa.org/english/news/tibet/teenage-monks-attempt-take-own-lives-09092024153622.html (accessed October 22, 2024).
32 Interview 3.

> में जाने के लिए मजबूर किया जाता है। माता-पिता को धमकाया जाता है, पीटा जाता है और बच्चों को स्कूल न भेजने के लिए मुकदमा चलाया जाता है। यदि माता-पिता बूढ़े हैं, तो परिवार के अन्य सदस्यों को धमकाया जाता है।[33]

दूसरे क्षेत्र के एक माता-पिता ने बताया कि कैसे उनका बच्चा हमेशा से भिक्षु बनना चाहता था और किशोरावस्था में उन्होंने उसे मठ में भेज दिया। हालांकि, उसके बाद स्थानीय अधिकारियों ने कई बार परिवार से संपर्क किया और माता-पिता को चेतावनी दी कि वे अब अपने बेटे को मठ में नहीं भेज सकते। इसके बजाय उसे सरकारी आवासीय विद्यालय में जाना होगा। माता-पिता चिंतित थे कि वह वहां तिब्बती भाषा नहीं सीख पाएगा, लेकिन अधिकारियों ने धमकी दी कि यदि माता-पिता अपने बेटे को मठ में भेजते रहे तो विभिन्न सरकारी सब्सिडी के साथ-साथ सरकार द्वारा जारी पहचान दस्तावेजों को भी उनसे वापस ले लिया जाएगा।[34]

मठ के स्कूलों को भी अधिकारियों ने बंद कर दिया है। इसके बाद उन्होंने फिर माता-पिता को अपने बच्चों को सरकारी आवासीय विद्यालयों में दाखिला दिलाने के लिए मजबूर किया है। उदाहरण के लिए, मई से अक्तूबर 2024 तक, चीनी अधिकारियों ने पूर्वी तिब्बत के न्गाबा क्षेत्र (तिब्बती: རྔ་བ། चीनी: आबा) के प्रमुख मठों में कम से कम तीन स्कूलों को बंद करने के लिए मजबूर किया। मुगे, कीर्ति और तकत्संग कीर्ति मठों के 6 से 18 वर्ष की आयु के कम से कम 1,500 छात्रों को संबंधित मठों छोड़ने के लिए मजबूर किया गया और ज्यादातर मामलों में उन्हें सरकारी आवासीय प्राथमिक, मध्य और व्यावसायिक विद्यालयों में दाखिला लेना पड़ा।[35]

अधिकारियों ने धमकी दी कि यदि माता-पिता अपने बेटे को मठ में भेजते रहे, तो विभिन्न सरकारी सहायता के साथ-साथ सरकार द्वारा जारी पहचान दस्तावेजों तक को उनसे ले लिया जाएगा।

एक अन्य समुदाय में हालांकि मठ का स्कूल अभी भी चल रहा है, लेकिन युवा भिक्षुओं को इसमें पढ़ने की अनुमति नहीं है। एक तिब्बती ने बताया कि इससे किस तरह त्रासदी हुई:

> युवा भिक्षुओं के संबंध में (सुरक्षा कारणों से स्थान का नाम हटा दिया गया) हमारे मठ में एक स्कूल है, जहां छात्रों को मानक (राष्ट्रीय) पाठ्यक्रम पढ़ाया जाता है, जिसमें गणित और विज्ञान जैसे विषय शामिल हैं। हालांकि, 12 या 13 वर्ष से कम आयु के भिक्षुओं को जिला आवासीय विद्यालयों में जाने के लिए मजबूर किया जाता है। दुखद रूप से, हमारे मठ के दो युवा भिक्षुओं ने इनमें से एक स्कूल में जबरन ले जाए जाने के बाद आत्महत्या कर ली।[36]

इस तरह के विनाशकारी घटनाओं के अलावा, युवा भिक्षुओं और भिक्षुणियों को राज्य द्वारा संचालित आवासीय विद्यालयों में जाने के लिए मजबूर करने औरतिब्बतियों द्वारा संचालित अन्य शैक्षणिक संस्थानों को बंद करने से बच्चों के माता-पिता के पास अपने बच्चों को तिब्बती भाषा के माध्यम से शिक्षा प्रदान करने की सभी संभावनाएं समाप्त हो जाती हैं।

भाषा कक्षाओं और धार्मिक गतिविधियों पर प्रतिबंध

ऊपर वर्णित नीतियों का मतलब है कि तिब्बती बच्चे अपने परिवारों के बजाय बड़े पैमाने पर चीनी सरकार के प्रभाव में बड़े होते हैं। हालांकि, सरकार ने अपना प्रभाव क्षेत्र का और विस्तार करते हुए छुट्टियों के दौरान छात्रों के तिब्बती भाषा की कक्षाओं में पढ़ने या स्कूल के बाहर धार्मिक गतिविधियों में शामिल होने पर प्रतिबंध लगा दिया है। स्कूल की छुट्टियों के दौरान कभी-कभी दो या तीन महीने तक तिब्बती भाषा की पढ़ाई पहले बहुत ही आम हुआ करती थी। यह माता-पिता के लिए चीनी सरकार के पाठ्यक्रम द्वारा छोड़े गए समय का सदुपयोग करने का यह एक अच्छा तरीका था। इसमें उनके बच्चों को तिब्बती भाषा कौशल विकसित करने में सक्षम बनाना शामिल है। हालांकि, पिछले कई वर्षों में तिब्बतियों के लिए स्कूल की छुट्टियों के दौरान बच्चों के लिए पूरक कक्षाएं आयोजित करने का चलन ही लगभग समाप्त कर दिया गया है।

---

33 Interview 5
34 Online Commenter 65
35 *Radio Free Asia*, "China Closes Two Tibetan Monastery Schools, Sends Novices to State Boarding Schools," and Radio Free Asia, "Exclusive: Five Teenage Tibetan Monks Attempt to Take Own Lives."
36 Online Commenter 93.

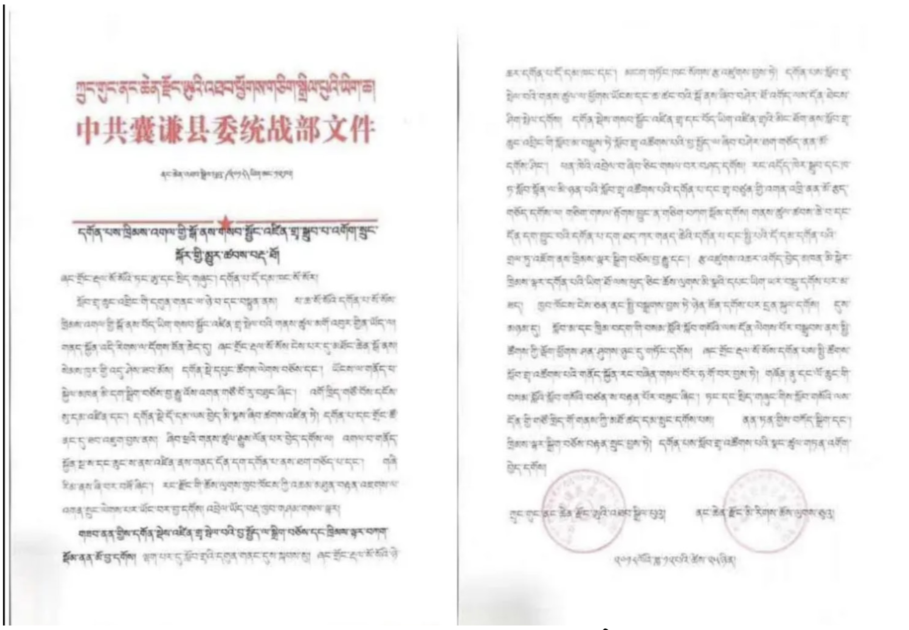
中共囊谦县委统战部文件

ह्यूमन राइट्स वॉच द्वारा दिसंबर 2018 में नांगचेन (तिब्बती: ནང་ཆེན། चीनी: नांगकियान) काउंटी द्वारा एक नोटिस को प्रकाशित किया गया। इसका शीर्षक था 'मठों में अवैध अध्ययन कक्षाओं को रोकने के बारे में तत्काल नोटिस।'[37]

प्रशिक्षकों को बीच-बीच में जेल में डाल दिया जाता है[38] और शिक्षकों और अभिभावकों को ऐसे पत्रों पर हस्ताक्षर करने के लिए मजबूर करने की घटनाएं भी सामने आई हैं, जिनमें कहा गया है कि बच्चे छुट्टियों की कक्षाओं या मठ के स्कूल में नहीं जाएंगे।[39] इस तरह, चीनी सरकार माता-पिता को तिब्बती भाषा या सांस्कृतिक अध्ययन की ऐसी शिक्षा दिलवाने से रोकना चाहती है, जिसे औपनिवेशिक आवासीय विद्यालयों में बच्चों को नहीं सिखाया जाता है। इस तरह तिब्बती भाषा के प्रसार के कई सारे रास्ते यूं ही बंद हो जाते हैं।

अधिकारियों ने यह सुनिश्चित करने के लिए घर-घर जाकर देखा कि कोई भी बच्चा तिब्बती भाषा नहीं सीख रहा है या बौद्ध धार्मिक गतिविधियों में भाग तो नहीं ले रहा है।

माता-पिता को यह भी चेतावनी दी गई है कि वे अपने बच्चों को सामान्य रूप से धर्म से दूर रखें। रेडियो फ्री एशिया (आरएफए) की रिपोर्ट है कि कैसे स्कूल की छुट्टियों के दौरान भाषा, धर्म और अन्य शिक्षा देने वाले मठों और व्यक्तियों दोनों पर कई वर्षों के प्रतिबंधों के बाद, चीनी शिक्षा विभाग ने जनवरी 2024 में एक व्यापक नोटिस प्रसारित किया। नोटिस में कहा गया है कि तिब्बती बच्चे केवल सरकार द्वारा अधिकृत व्यक्तियों और संगठनों द्वारा और सरकार द्वारा अनुमोदित विषयों पर सिखाई जाने वाली पूरक कक्षाओं और कार्यशालाओं में भाग ले सकते हैं। कथित तौर पर उसी नोटिस में स्थानीय अधिकारियों को पूरक कक्षाओं पर अपने प्रतिबंधों को और अधिक बढ़ाने का आदेश दिया गया था, साथ ही धार्मिक गतिविधियों में भाग लेने वाले बच्चों पर प्रतिबंध को भी दोहराया गया था।[40]

इसके बाद इस प्रतिबंध को कठोर उपायों के माध्यम से लागू किया गया, जिसमें अधिकारियों ने दिन और रात के विभिन्न समयों में आवासीय क्षेत्रों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में घर-घर जाकर यह सुनिश्चित किया कि कोई भी बच्चा तिब्बती भाषा तो नहीं सीख रहा है या बौद्ध धार्मिक गतिविधियों में तो भाग नहीं ले रहा है। ये चरम उपाय पूरे तिब्बत में किए गए, जिनमें ल्हासा (ལྷ་ས།) (टीएआर) और युशुल प्रिफेक्चर (तिब्बती: ཡུལ་ཤུལ། चीनी: युशु) और किंगहाई में लाब्रांग मठ शामिल हैं।[41]

तिब्बतियों ने बच्चों की कक्षाओं में जाने से प्रतिबंधित करने के उपायों को लेकर चिंता व्यक्त की है और बताया है कि कैसे धीरे-धीरे तिब्बती शिक्षा के सभी विकल्प बंद किए जा रहे हैं।

तिब्बती व्याकरण, इतिहास या संस्कृति का अध्ययन करने के लिए हमें स्कूल की छुट्टियों के दौरान

37 Human Rights Watch, "China: Tibetan Children Banned from Classes: Authorities Declare Informal Sessions in Monasteries 'Dangerous,'" January 30, 2019, available at https://www.hrw.org/news/2019/01/30/china-tibetan-children-banned-classes (accessed January 12, 2025).
38 For example, see Free Tibet, "University Student Arrested after Teaching Tibetan," February 21, 2022, available at: https://freetibet.org/latest/student-arrested-teachingtibetan/ (accessed February 24, 2025).
39 Interview 3, Online Commenter 36.
40 *Radio Free Asia*, "Authorities Enforce Ban on Tibetan Students Taking Outside Classes," January 9, 2024, https://www.rfa.org/english/news/tibet/outsideclasses-01092024140335.html, (accessed January 23, 2025).
41 *Radio Free Asia*, "Authorities Enforce Ban on Tibetan Students Taking Outside Classes."

अपने स्थानीय मठों द्वारा आयोजित कक्षाओं में जाना पड़ता है। लेकिन पिछले पांच-छह सालों से मठों द्वारा आयोजित तिब्बती भाषा और सांस्कृतिक कक्षाएं बंद कर दी गई हैं।[42]

मठ के स्कूल को तिब्बती भाषा सीखने और अध्ययन करने के लिए एक जगह के रूप में देखा जाता था और कई माता-पिता अपने बच्चों को स्कूल की छुट्टियों के दौरान मठ के स्कूल में भेजते थे। लेकिन अब वहां (छात्रों की) संख्या कम हो गई है। अब सबसे अच्छी उम्मीद माता-पिता हैं। माता-पिता अपने बच्चों को तिब्बती भाषा सिखा सकते हैं क्योंकि अब कोई दूसरा रास्ता नहीं है।[43]

अब सबसे अच्छी उम्मीद माता-पिता हैं। माता-पिता ही अपने बच्चों को तिब्बती भाषा सिखा सकते हैं क्योंकि अब कोई दूसरा रास्ता नहीं है।
- हाल ही में तिब्बत से भागे एक तिब्बती

एक व्यक्ति ने बताया कि आधिकारिक पढ़ाई के बाद भाषा कक्षाओं में जाने से रोकने के अलावा, चीनी अधिकारी तिब्बती बच्चों का उनके बौद्ध धर्म से जुड़ाव तोड़ने के लिए एक गहन अभियान चला रहे हैं, जो तिब्बती संस्कृति और पहचान का एक मुख्य हिस्सा है।

आजकल, छात्रों को किसी भी धार्मिक गतिविधि में शामिल होने की अनुमति नहीं है और उन्हें मठों और मंदिरों में नहीं जाने दिया जाता है। हम तिब्बती लोग किसी भी शुभ बौद्ध दिवस के अवसर पर मठों और मंदिरों में जाते हैं, लेकिन छात्रों को ऐसा करने से मना किया जाता है। अगर कोई छात्र मठों और मंदिरों में जाता हुआ पाया जाता है, तो उसे कड़ी सज़ा हो सकती है।[44]

एक पूर्व छात्र ने बताया कि उसके आवासीय विद्यालय में यह कैसे लागू किया जाता था:

कुछ सप्ताहांतों पर, उदाहरण के लिए बड़े धार्मिक त्योहारों या 10 मार्च (तिब्बती राष्ट्रीय जनक्रांति दिवस) या बड़े तिब्बती धार्मिक अवसरों जैसे संवेदनशील समय के दौरान छात्रों को घर जाने की अनुमति नहीं होती है। स्कूल हमेशा सप्ताहांत में कक्षाएं लगाते हैं, क्योंकि वे नहीं चाहते कि बच्चे पारिवारिक समारोहों या धार्मिक छुट्टियों में भाग लें। इस तरह, वे बच्चों को इन बड़े पारिवारिक समारोहों में संस्कृति सीखने से रोकते हैं। और फिर जब कोई चीनी सांस्कृतिक अवकाश होता है, तो वे छुट्टी देते हैं, लेकिन आपको उस दिन की छुट्टी (स्कूल जाकर) सप्ताहांत में पूरी करनी होती है।[45]

यह दृष्टिकोण तिब्बती बच्चों और उनके माता-पिता के बीच की खाई को और चौड़ा करता है, क्योंकि माता-पिता को अपने बच्चों को अपनी धार्मिक परंपराएं और मूल्य बोध कराने से रोकता है। जो माता-पिता ऐसा करने की कोशिश करते हैं, उन्हें अपने बच्चों के सर्वोत्तम हितों और भलाई को कमतर आंकने वाला माना जाता है।

नाबालिगों को धर्म में विश्वास न करने की शिक्षा देना स्कूलों और माता-पिता दोनों का दायित्व है।
- युशुल सिटी एथनिक मिडिल स्कूल से पत्र

युशुल (ཡུལ་ཤུལ།) में, माता-पिता को सितंबर 2023 में युशुल सिटी सेकेंड एथनिक मिडिल स्कूल से एक पत्र मिला, जिसमें उन्हें समझाया गया कि 'नाबालिगों को धर्म में विश्वास न करने की शिक्षा देना स्कूलों और माता-पिता दोनों का दायित्व है... कोई भी संगठन या व्यक्ति छात्रों को धर्म में विश्वास करने के लिए राजी या प्रेरित नहीं करेगा, अकेले ऐसी किसी भी गतिविधि में शामिल न हो जिससे स्कूलों में आस्तिक लोगों की उपस्थिति हो।'[46] पत्र में धर्म के बारे में चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के दृष्टिकोण को स्पष्ट किया गया है:

'नाबालिगों को धर्म में विश्वास करने से रोकना बच्चों के स्वस्थ रूप से बड़े होने और बेहतर भविष्य प्राप्त करने की गारंटी है... नाबालिग धर्म और यहां तक कि अवैध धार्मिक गतिविधियों के प्रति बहुत संवेदनशील होते हैं। चरमपंथी विचारों का प्रभाव उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य और भविष्य को प्रभावित करता है।

धार्मिक और गैर-धार्मिक दोनों तरह के माता-पिता को अपने बच्चों को धार्मिक गतिविधियों के स्थानों में प्रवेश न करने, धार्मिक गतिविधियों में भाग न लेने, धार्मिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों और ग्रीष्मकालीन शिविरों में भाग न लेने के लिए शिक्षित करना चाहिए।

पत्र का समापन स्पष्ट रूप से गैर-धार्मिकता को चीन की स्थिरता से जोड़ते हुए किया गया है, जिसमें

42 Interview 6.
43 Interview 5.
44 Interview 1.
45 Interview 11.
46 Lopsang Gurung, Bitter Winter, "Tibetan Parents Told They Should 'Educate Minors Not to Believe in Religion,'" August 11, 2023, https://bitterwinter.org/tibetan-parents-toldthey-should-educate-minors-not-to-believe-in-religion/, (accessed December 10, 2024).

अभिभावकों से 'स्कूल में धार्मिक घुसपैठ का विरोध करने और उसे रोकने के लिए महान दीवार बनाने, स्कूल की सद्भावना और स्थिरता बनाए रखने और मातृभूमि की दीर्घकालिक स्थिरता में अपना उचित योगदान देने में मदद करने' की अपील की गई है।[47]

घर के पास आवासीय विद्यालय

तिब्बती बच्चों को अक्सर आवासीय विद्यालयों में तब भी रहना पड़ता है, जब उनका घर उस विद्यालय के पास होते हैं। यह दर्शाता है कि आवासीय विद्यालयों का उद्देश्य शिक्षा तक पहुंच को सक्षम बनाने के बारे में कम और बच्चों को उस वातावरण से दूर रखने के बारे में अधिक है, जिसमें तिब्बती भाषा, संस्कृति और परंपराएं घुली-मिली होती हैं।

तिब्बत की दुर्लभ यात्रा करने में सक्षम हो गए 'द इकोनॉमिस्ट' के एक पत्रकार ने पाया कि चीनी अधिकारी तो बार-बार कह रहे हैं कि आवासीय विद्यालय दूरदराज बसे तिब्बती किसानों और खानाबदोश समुदाय के बच्चों को 'स्कूल जाने के लिए लंबी और कठिन यात्रा' से बचाने के लिए स्थापित किए गए हैं। लेकिन उन्होंने अपने दौरे में शामिल क्षेत्रों में पाया कि स्थानीय छात्र भी इन आवासीय विद्यालयों में रह रहे थे। उल्लेखनीय रूप से, स्थानीय लोगों के लिए आवासीय की यह अनिवार्यता केवल तिब्बती बच्चों पर लागू की गई थी। (चीनी मुस्लिम) बच्चों पर नहीं। पत्रकार को बताया गया कि 'तिब्बती विद्यार्थियों के लिए नियम अलग हैं।'[48]

स्थानीय बच्चों के आवासीय विद्यालय में रहने की अनिवार्यता केवल तिब्बती बच्चों पर ही लागू होती है। पत्रकार को बताया गया कि 'तिब्बती विद्यार्थियों के लिए नियम अलग हैं।'

एक तिब्बती परिवार ने बताया कि ल्हासा (ལྷ་ས།) में कक्षा पांच से सात तक के बच्चे घर पर रहते थे और दिन में स्कूल जाते थे। लेकिन तीन साल पहले जारी एक नए नियम के तहत छात्रों के लिए 'एजुकेशन सिटी' में रहना अनिवार्य कर दिया गया, जो ल्हासा से चार मील दूर एक विशाल आवासीय विद्यालय परिसर है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हो रही आलोचनाओं के बाद हाल ही में इस नियम में परिवर्तन किया गया और अब बच्चे रात को घर जा सकते हैं। हालांकि, यह व्यावहारिक नहीं है। चूंकि विद्यालय में उपस्थिति अभी भी सुबह 8:00 बजे से रात 9:30 बजे तक आवश्यक है, इसलिए बच्चों को घर लाना अव्यावहारिक होता है। ऐसे में माता-पिता में से कोई भी बच्चे को घर लाने के बारे में नहीं सोचता है क्योंकि इससे बच्चों को पर्याप्त नींद नहीं मिलेगी। इसलिए व्यवहार में, बच्चे अभी भी घर से 20 मिनट की दूरी पर आवासीय परिसरों में रह रहे हैं।[49]

'शिक्षा नगरी' ल्हासा का हवाई जहाज से दिखाई दे रहा दृश्य, जिसमें बड़ी संख्या में छात्रावास दिखाई दे रहे हैं। स्रोत: सरकारी मीडिया आउटलेट ईसीएनएस द्वारा मई 2023 में जारी एक वीडियो से ली गई तस्वीर।[50]

एक अन्य व्यक्ति ने बताया कि कैसे उनके क्षेत्र में स्थानीय प्रीस्कूल बंद किए जा रहे हैं और बच्चों को एक केंद्रीय प्रीस्कूल में रहने के लिए बाध्य किया गया, भले ही वे पास में रहते हों:

47 Lopsang Gurung, "Tibetan Parents Told They Should 'Educate Minors Not to Believe in Religion.'"
48 The Economist, "Why China Takes Young Tibetans From Their Families."
49 Interview 11.
50 *ECNS*, "Daily Life of Students in Tibet Boarding School," May 15, 2023, available at https://www.ecns.cn/video/2023-05-15/detail-ihcpmkqz3537887.shtml (accessed August 30, 2024), Internet Archive: https://web.archive.org/web/20230515112235/https://www.ecns.cn/video/2023-05-15/detail-ihcpmkqz3537887.shtml.

> पिछले कुछ वर्षों में (सुरक्षा कारणों से स्थान का नाम हटा दिया गया) कम से कम नौ गांव के प्रीस्कूल बंद कर दिए गए और माता-पिता को अपने बच्चों को आवासीय विद्यालयों में भेजने के लिए कहा गया। भले ही आवासीय विद्यालय पास में हो, लेकिन माता-पिता को यह विकल्प चुनने को नहीं दिया गया कि उनके बच्चे आवासीय विद्यालय में रहें या घर से आएं-जाएं। लोगों को लगता है कि अधिकारियों को प्रीस्कूल आवासीय छात्रावासों में बच्चों का कोटा पूरा करना होता है।[51]

वहां के स्थलीय स्थिति से परिचित चीनी विशेषज्ञों द्वारा 2023 में लिखा गया एक शोध पत्र इस बात का और सबूत देता है कि तिब्बती बच्चों को घर के बजाय आवासीय विद्यालयों में रखने का सरकारी दबाव असल में शिक्षा प्रदान करने के लिए नहीं, बल्कि राजनीतिक कारणों से डाला जा रहा है। अध्ययन से पता चलता है कि टीएआर में तिब्बती प्राथमिक विद्यालय के अधिकांश बच्चे अपेक्षाकृत कम समय में प्रतिदिन स्कूल जा सकते हैं: स्थानीय परिवहन मानकों के आधार पर 69% आबादी प्राथमिक विद्यालय से 30 मिनट से भी कम दूरी पर रहती है और 87% एक घंटे के आवागमन से कम की दूरी पर रहती है। लेखक इस बात पर जोर देते हैं कि वर्तमान में छात्रों को अपने प्रशासनिक क्षेत्र में ही स्कूल जाने के लिए बाध्य किया जाता है और अन्य बातों के अलावा, यह भी सुझाव देते हैं कि उन्हें अपने निकटतम विद्यालय में जाने की अनुमति दी जाए[52] और स्कूल बसें उपलब्ध कराई जाएं।[53]

भले ही बच्चों का घर आवासीय विद्यालय के पास में हो, लेकिन माता-पिता को यह विकल्प नहीं दिया गया कि उनके बच्चे इन विद्यालयों में रहें या नहीं।
तिब्बत में रह रहे तिब्बती '

लेखक बताते हैं कि युवा छात्र आवासीय विद्यालय में खुद की देखभाल करने में सक्षम नहीं होते हैं और उन्हें अपने परिवारों के भावनात्मक समर्थन की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि 'दुर्लभ शैक्षणिक सेवाओं वाले क्षेत्रों की पहचान करना और (टीएआर) में प्राथमिक विद्यालयों को पुनर्गठित कर छात्रों के अनुकूल बनाने के लिए सुझाव प्रदान करना बहुत व्यावहारिक महत्व का है।'[54] हालांकि, बच्चों को घर पर रहते हुए मौजूदा स्कूलों में जाने को व्यावहारिक बनाने की दिशा में नीतिगत बदलाव करने के बजाय चीनी सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए बड़े पैमाने पर संसाधन खर्च कर रही है कि तिब्बती बच्चे आवासीय विद्यालयों में रहें और केवल चीनी कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा स्वीकृत विचारों और रीति-रिवाजों के संपर्क में रहें।

---

51 Online Commenter 63.
52 Cheng, Yang, et al. "Access and Cost of Primary Educational Services in Plateau Areas: A Case Study in Tibet, China." Applied Geography 152 (2023), 6.
53 Cheng, et al., 10.
54 Cheng, et al., 1.

स्कूल से पहले की उम्र में छात्रावास में प्रीस्कूल बोर्डिंग

तिब्बत एक्शन इंस्टीट्यूट की पिछली रिपोर्ट प्राथमिक और माध्यमिक स्कूली बच्चों पर केंद्रित थी जिन्हें आवासीय विद्यालयों में जाने के लिए मजबूर किया गया है। हालांकि, अब अतिरिक्त सबूत हैं कि तिब्बत में छोटे बच्चों को भी आवासीय विद्यालयों में जाने के लिए मजबूर किया जा रहा है। एक तिब्बती ने बताया कि वर्तमान में, तीन या चार से छह वर्ष की आयु के तिब्बती बच्चों को चीनी भाषा के प्रीस्कूल में जाना पड़ता है।[55] शहरी क्षेत्रों में वे वर्तमान में दिन के स्कूल में जा सकते हैं, लेकिन कई ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चे चार साल की उम्र में घर छोड़कर चीनी सरकार द्वारा संचालित संस्थानों में रहने लगते हैं।

कई लोग... जो गांवों में रहते हैं, अपने बच्चों को टाउनशिप के आवासीय स्कूलों में भेजते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चे इन प्रीस्कूलों में रहते हैं। **- हाल ही में तिब्बत से निर्वासित होकर आए एक तिब्बती**

अधिकांश विद्यालय टाउनशिप, काउंटी या बड़े शहरों में उपलब्ध हैं। सरकार सभी बच्चों को प्रीस्कूल जाने का आदेश देती है और (बहुत) सारे लोग, जो गांवों में रहते हैं, अपने बच्चों को टाउनशिप (आवासीय) स्कूलों में भेजते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चे इन प्रीस्कूलों में रहते हैं। प्रीस्कूल में, तीन ग्रेड स्तर होते हैं। प्रीस्कूल पूरा करने के बाद ही बच्चे को ग्रेड एक में भेजा जाएगा।[56]

तिब्बत भर में तिब्बतियों की टिप्पणियों में बोर्डिंग प्रीस्कूल की स्थापना परिलक्षित होती है। विशेष रूप से, तिब्बत एक्शन इंस्टीट्यूट ने किंघई में उ-सांग (དབུས་གཙང་།), रेबकोंग (तिब्बती: རེབ་གོང་། चीनी: टोंगरेन), सोजांग (तिब्बती: མཚོ་བྱང་། चीनी: हैबेई), और गोलोक (མགོ་ལོག) प्रिफेक्चर, गांसु में कनल्हो (तिब्बती: ཀན་ལྷོ། चीनी: गन्नन) प्रिफेक्चर और सिचुआन में नगाबा (तिब्बती: རྔ་བ།) प्रिफेक्चर के ग्रामीण क्षेत्रों में प्रीस्कूल बोर्डिंग की रिपोर्ट दर्ज की है।

तिब्बत एक्शन इंस्टीट्यूट द्वारा प्राप्त अतिरिक्त जानकारी तिब्बत में व्यापक अनिवार्य प्रीस्कूल बोर्डिंग के अस्तित्व की पुष्टि करती है। सुरक्षा चिंताओं के कारण सूत्र के बारे में जानकारी सार्वजनिक नहीं की जा रही है। बोर्डिंग प्रीस्कूल का सार्वजनिक दस्तावेज़ीकरण लगभग न के बराबर है। सरकारी मीडिया में उनका शायद ही कभी उल्लेख किया जाता है और आधिकारिक बयानों में उनकी चर्चा नहीं की जाती है। शारीरिक और प्रशासनिक रूप से, वे अक्सर स्वतंत्र रूप से अकेले संस्थानों के रूप में संचालित होने के बजाय टाउनशिप-स्तर के प्राथमिक बोर्डिंग स्कूलों में रखे या उनसे जुड़े हुए दिखाई देते हैं। चाहे डिज़ाइन या संयोग से, इससे शोधकर्ताओं के लिए उनके बारे में जानकारी को दूर से सत्यापित करना बहुत मुश्किल हो जाता है।

बोर्डिंग स्कूल के छात्रावास में छोटा बच्चा। स्रोत: द न्यूयॉर्क टाइम्स द्वारा जारी वीडियो से ली गई तस्वीर।[57]

55 While preschool is not technically compulsory under Chinese law, local authorities in Tibet treat it as such. In Ngaba prefecture, local authorities codified this practice into law, but its legality has been questioned (for example, see https://karrpo.info/2018/05/03/legal-review-on-abas-education-regulation-in-tibet (accessed November 19, 2024)).
56 Interview 1.
57 *The New York Times*, "How China is Erasing Tibetan Culture, One Child at a Time."

उदाहरण के लिए एक सूत्र ने पुष्टि की कि मेड्रोगोंगकर (तिब्बती: སྨལ་གྲོ་གུང་དཀར། चीनी: मोझुगोंगका) में एक बोर्डिंग प्राथमिक विद्यालय है - थांगग्या (तिब्बती: ཐང་སྐྱ། चीनी: तांगजिया) टाउनशिप सेंट्रल प्राइमरी स्कूल - जिसमें एक बोर्डिंग प्रीस्कूल है।[58] हालांकि, गूगल मैप्स और चीनी खोज इंजन बाइदू दोनों पर प्रीस्कूल के लिए खोज करने पर केवल तांगजिया टाउनशिप सेंट्रल प्राइमरी स्कूल ही मिला। ‘बाल दिवस’ मनाने वाले छात्रों के बारे में 2019 के एक मीडिया लेख में स्कूल को बोर्डिंग के रूप में वर्णित किया गया है, लेकिन केवल प्राथमिक विद्यालय का उल्लेख किया गया है।[59]

आगे की खोज से चीनी स्वयंसेवकों के बारे में एक मीडिया लेख मिला, जिन्होंने स्कूल का दौरा किया था। हालांकि लेख में फिर से केवल प्राथमिक विद्यालय का उल्लेख किया गया है, लेकिन इसमें स्कूल के गेट के पास एक साइनबोर्ड दिखाने वाली एक तस्वीर शामिल है, जिस पर बाईं ओर लिखा है: ‘ल्हासा सिटी, मेड्रोगोंगकर काउंटी, थांगग्या टाउनशिप, सेंट्रल एलीमेंट्री स्कूल।’ दाईं ओर लिखा है: ‘मेड्रोगोंगकर काउंटी, थांगग्या टाउनशिप, सेंट्रल द्विभाषी किंडरगार्टन।’[60]

इसी तरह, कानल्हो (ཀན་ལྷོ།) में थांगकरनांग (तिब्बती: ཐང་དཀར་ནང་། चीनी: तांगगांग) बोर्डिंग प्रीस्कूल का विवरण प्रीस्कूल में शिक्षण इंटर्नशिप कर रहे एक विश्वविद्यालय के छात्र की ऑनलाइन डायरी में विस्तार से दिया गया है। प्रीस्कूल की पुष्टि ग्याल लो ने भी की, जो एक शैक्षिक समाजशास्त्री हैं और 2021 में तिब्बत से भागकर आए थे और अब तिब्बत एक्शन इंस्टीट्यूट के लिए काम करते हैं।[61] ग्याल लो की नातिनें प्रीस्कूल में पढ़ती थीं और उन्होंने तिब्बत एक्शन इंस्टीट्यूट को शिक्षक की ऑनलाइन डायरी के बारे में बताया। हालांकि, गूगल मैप्स और बाइदू पर प्रीस्कूल की खोज करने पर प्राथमिक विद्यालय का केवल गलत वर्तनी वाला नाम ही मिला: कांगगांग टाउनशिप सेंट्रल बोर्डिंग प्राइमरी स्कूल। प्रीस्कूल का कोई संकेत नहीं था।

8:30 बजे के बाद हमें (प्रीस्कूल) के छात्रावास में ले जाया गया और इसके साथ ही दिन भर का हमारा काम खत्म हो गया।
- चीनी छात्र

शिक्षक

छात्र शिक्षिका की ऑनलाइन डायरी में, वह एक तस्वीर का वर्णन करते हुए कहती है:

> यह बहुत बड़ा दिखता है, लेकिन यह वास्तव में एक प्राथमिक विद्यालय से जुड़ा एक किंडरगार्टन (प्रीस्कूल) है। किंडरगार्टन में सीनियर क्लास में 30 बच्चे और मिडिल क्लास में 10 बच्चे हैं। सीनियर क्लास के बच्चे मूल रूप से चीनी बोल सकते हैं, जबकि मिडिल क्लास के बच्चे केवल तिब्बती बोल सकते हैं।[62]

विश्वविद्यालय की छात्रा अपने सामान्य दिन की रूपरेखा बताती है। सुबह 8 बजे बच्चों को नाश्ते के लिए इकट्ठा करना और फिर पढ़ाना। दोपहर में दोपहर का भोजन, थोड़ी देर आराम, बच्चों को शौचालय ले जाना, खेल और रात का खाना। उसके बाद ‘शाम की गतिविधियां’ और फिर ‘8:30 (शाम) के बाद हम उन्हें वापस छात्रावास में ले जाते हैं। इसके साथ ही दिन भर का हमारा काम पूरा हो जाता है।’ शिक्षक कहते हैं कि ‘चूंकि यह एक बोर्डिंग स्कूल है, इसलिए ज़्यादातर बच्चे रविवार को स्कूल जाते हैं और शुक्रवार तक रुकते हैं और फिर वापस घर चले जाते हैं।’[63]

एक अन्य दुर्लभ विवरण में, एक चीनी अख़बार के लेख में कर्दज़े (तिब्बती:དཀར་མཛེས། चीनी: गंजी) में एक बोर्डिंग प्रीस्कूल का वर्णन किया गया है जो मई 2019 में खोला गया था। उस वर्ष तक, वहां 433 छात्र थे, ‘जिनमें से ज़्यादातर दूरदराज के देहाती इलाकों से आए थे, कुछ 100 किलोमीटर से भी ज़्यादा दूर से

58 Online Commenter 92

59 *Sohu.com*, “Tangjia Township, Mozhugongka County: Tibetan Children Celebrate Children’s Day in Advance,” May 28, 2019, available at: https://www.sohu.com/a/317086558_114988 (accessed October 19, 2024), Internet Archive: https://web.archive.org/web/20250516092234/https://www.sohu.com/a/317086558_114988.

60 *Yangtse Evening Post*, 一路向西，建行人为爱再出发 [“Heading West, CCB People Set Out Again for Love,”] September 27, 2020, available at https://www.yzwb.net/zncontent/869957.html (accessed May 10, 2024), Internet Archive: https://web.archive.org/web/20250516165020/https://www.yzwb.net/zncontent/869957.html.

61 Dr. Gyal Lo is an educational sociologist and leading expert on China’s assimilation and education policies in Tibet. He taught in the Tibetan Language and Culture Department at Northwestern University for Nationalities in Lanzhou, China, received his PhD in Educational Sociology from the University of Toronto, and later taught at Yunnan Normal University’s Institute for Studies in Education from 2017-2020. He conducted independent fieldwork on the impact and reach of China’s boarding preschools in Tibet and, facing persecution by authorities, eventually fled Tibet to come to Canada. Tibet Action Institute learned of Dr. Gyal Lo and his research just as we published our first report on China’s colonial boarding schools in December 2021. Since then we have collaborated with him to expose the boarding school system and its impacts. Dr. Gyal Lo has been employed by Tibet Action Institute since 2023.

62 “Chinese Volunteer Teacher in Gannan: It’s Not Easy to Say I Love You,” 2017, available at: https://zhuanlan.zhihu.com/p/33843383 (accessed February 20, 2024), Internet Archive: https://web.archive.org/web/20221202205909/https://zhuanlan.zhihu.com/p/33843383.

63 “Chinese Volunteer Teacher in Gannan: It’s Not Easy to Say I Love You.”

आए थे।’[64]

लेख में बताया गया है कि ‘किंडरगार्टन में विशेष रूप से तिब्बती रहन-सहन के अनुरूप दिन के आराम कक्ष और कक्षाओं को सजाया गया है’ ताकि घर की याद कम आए। (आराम कक्ष की साथ में दी गई तस्वीर में दीवारों पर चांद, तारे और पैराशूट दिखाई दिए, लेकिन तिब्बती पहचान योग्य कुछ भी नहीं था।)

चीनी सरकार बोर्डिंग प्रीस्कूल में नामांकित छात्रों की संख्या प्रकाशित नहीं करती है। हालांकि, तिब्बत एक्शन इंस्टीट्यूट ने बोर्डिंग प्रीस्कूल और दो पूर्वी तिब्बती प्रिफेक्चरों- कनल्हो (ཀན་ལྷོ།) और न्गाबा (རྔ་བ།) की सात काउंटियों में उनके नामांकन के ग्याल लो द्वारा सार्वजनिक किए गए आंकड़ों की समीक्षा की है। यह आंकड़ा दिखाता है कि दर्जनों प्रीस्कूलों में लगभग 9,000 प्रीस्कूल बच्चे आवासीय स्कूलों में रह रहे हैं। प्रत्येक प्रीस्कूल में नामांकन कुछ दर्जन से लेकर सैकड़ों बच्चों तक का होता है।[65] (डेटासेट यहां शामिल नहीं है क्योंकि इसे ग्याल लो को यह आश्वासन देकर सार्वजनिक किया गया था कि सूत्र की सुरक्षा चिंताओं के कारण इसे प्रकाशित नहीं किया जाएगा।) ग्याल लो ने अमदो (ཨ་མདོ།) और खाम (ཁམས།) में 50 से अधिक बोर्डिंग प्रीस्कूल का दौरा किया। अपने शोध के आधार पर, उनका अनुमान है कि आज तिब्बत भर में कम से कम 1,00,000 तिब्बती बच्चे प्रीस्कूल आवासीय संस्थानों में रह रहे हैं।[66]

अपने घरों और परिवारों को छोड़ना बच्चों और उनके परिवार के सदस्यों दोनों को आघात पहुंचाता है। तिब्बत से एक तिब्बती जो अब विदेश में रहती है, ने बीबीसी को तिब्बत में अपने रिश्तेदार की कहानी सुनाई, जिसने अपने पांच साल के बेटे को पहली बार बोर्डिंग प्रीस्कूल में छोड़ा।

मेरे रिश्तेदार ने मुझे बताया कि वह अपने बेटे को पागलों की तरह रोते हुए सुन रहे थे। (उसका बेटा) खिड़की से बाहर निकलने की कोशिश कर रहा था, लेकिन मेरे रिश्तेदार को उसे ऐसे ही वहीं छोड़ना पड़ा।
- निर्वासन में रह रहे तिब्बती

> एक करीबी रिश्तेदार ने मुझे बताया कि उनके लिए अपने बेटे को बोर्डिंग स्कूल में छोड़ना मुश्किल था, इसलिए उन्होंने एक योजना बनाई। उन्होंने शिक्षक से कहा: ‘जब मैं उसे छोड़ता हूं, तो मैं उससे थोड़ी बातचीत करता हूं और फिर चला जाता हूं। मैं अपने बेटे से कहूंगा कि मुझे कुछ देर के लिए बाहर जाना है। आपको उससे कहना होगा, ‘तुम्हारे पिता जल्द ही वापस आ जाएंगे।’ और फिर, चाहे वह कितना भी रोए, जब मैं चला जाऊं तो तुम दरवाज़ा बंद कर देना। जब तक मैं नज़रों से ओझल न हो जाऊं, तब तक दरवाज़ा मत खोलना, नहीं तो वह कक्षा से भागने की कोशिश करेगा और मेरे पीछे आएगा।’ मेरे रिश्तेदार ने मुझे बताया कि वह अपने बेटे को पागलों की तरह रोते हुए सुन सकते थे। उसने खिड़की से बाहर निकलने की कोशिश की, लेकिन मेरे रिश्तेदार को उसे ऐसे ही वहीं छोड़ना पड़ा।[67]

तिब्बत में रहने वाले एक तिब्बती ने अपने एक दोस्त के बारे में बताया, जिसने ऐसी ही स्थिति का सामना किया था। उसके छोटे बच्चे को एक कमरे में बंद करना पड़ा था ताकि माता-पिता बच्चे को बोर्डिंग स्कूल में छोड़ सकें। व्यक्ति ने कहा, ‘पांच से छह साल की उम्र के बच्चों को बोर्डिंग स्कूल में रखना अकल्पनीय है। यह पूरी तरह से गलत है।’[68]

बोर्डिंग प्रीस्कूल में स्थितियां बेहद खराब हो सकती हैं और स्टाफ की कमी हो सकती है। ऊपर बताई गई छात्र शिक्षिका की ऑनलाइन डायरी में दर्ज है कि बच्चे किस तरह से भेड़ की खाल से बने गद्दे पर सोते हैं और ‘एक बिस्तर पर आमतौर पर दो या तीन बच्चों को सुलाया जाता है।’ निचले बंक में बच्चों को बोर्ड से घेरकर गिरने से बचाया जाता है; ऊपरी बंक में बच्चों को एक पट्टा से बांधा जाता है। सोते समय बच्चों को अपने सिर को अपनी डेस्क पर रखकर सोना पड़ता है। डायरी में बच्चों की कई ऐसी तस्वीरें शामिल हैं, जिनमें सोते लेते समय उनके चेहरे पर होकर उनकी नाक से गंदा बह रहा है।[69]

---

64 *Dute News*, 高原学校拔地起 深山回荡读书声 深圳倾力推动甘孜州三县教育扶贫 [Plateau schools are built, the sound of reading echoes in the mountains, Shenzhen strives to promote education poverty alleviation in three counties of Ganzi Prefecture], December 12, 2019, available at: https://www.dutenews.com/n/ article/215034 (accessed January 22, 2025), Internet Archive: https://web.archive.org/ web/20241218034815/https://www.dutenews.com/n/article/215034.65

65 2019 dataset shared with Gyal Lo, reviewed by Tibet Action Institute March 2022.

66 Tibet Action Institute, “Eyewitness: China Operating Mandatory Boarding Preschools Across Tibet.”

67 *BBC*, “Educating Tibet,” March 7, 2024, available at: https://www.bbc.co.uk/sounds/play/w3ct4m8g (accessed October 2, 2024).

68 Online Commenter 15.

69 “Chinese Volunteer Teacher in Gannan: It’s Not Easy to Say I Love You.”

कनल्हो (ཀན་ལྷོ།) में थांगकरनांग (ཐང་དཀར་ནང་།) बोर्डिंग प्रीस्कूल में कई छात्रों के लिए एक ही बिस्तर। स्रोत: टीचिंग इंटर्न की ऑनलाइन डायरी।[70]

मेड्रोगोंगकर (མལ་གྲོ་གུང་དཀར།) काउंटी के थांगग्या (ཐང་སྐྱ།) टाउनशिप में एक बोर्डिंग प्रीस्कूल में एक छात्रावास। स्रोत: एक चीनी शिक्षक द्वारा पोस्ट किए गए डौयिन वीडियो से ली गई तस्वीर।[71]

ग्याल लो ने बताया कि उसी स्कूल में छोटे बच्चे अपनी बुनियादी ज़रूरतों, जैसे कि कपड़े पहनना, बाल ठीक करना, ब्रश करना और कपड़े धोना आदि का ध्यान नहीं रख पाते थे। बच्चे कभी-कभी अपनी पैंट गंदी कर लेते थे, आंशिक रूप से चीनी जानने के कारण वे चीनी बोलने वाले शिक्षकों को अपनी ज़रूरतों के बारे में नहीं बता पाते थे।2017[72] में फ़ील्डवर्क करते समय, पूर्वी तिब्बत के ज़ोरगे (तिब्बती: མཛོད་དགེ། चीनी: रुओर्गाई) के एक छोटे लड़के ने ग्याल लो से कहा, 'जब शाम को अंधेरा हो जाता है और मैं अपना ख्याल नहीं रख पाता, तो मुझे अपनी मां और दादा-दादी की याद आती है।'[73]

जब शाम को अंधेरा हो जाता है और मैं अपना ख्याल नहीं रख पाता, तो मुझे अपनी मां और दादा-दादी की याद आती है।
- तिब्बत में बच्चा

इस हृदय विदारक स्थिति में माता-पिता अपने प्रिय बच्चे को वह सब सुख देने की कोशिश करते हैं जो वे कर सकते हैं। एक स्थान पर, अपने बच्चों को बोर्डिंग प्रीस्कूल में छोड़ने के बाद, कुछ माता-पिता सप्ताह भर ऐसे विद्यालयों के आसपास ही अपनी कारों में रहते हैं। कभी-कभी एक समुदाय का एक परिवार गांव के सभी बच्चों की मदद करने के लिए स्कूल के पास रहता है, जबकि अन्य परिवार उस परिवार के काम का ध्यान रखते हैं।[74]

छात्रों का परिवार के साथ संपर्क बेहद सीमित हो सकता है। सबसे अच्छा, बच्चे सप्ताहांत पर घर लौटते हैं, लेकिन यह हमेशा संभव नहीं होता है। एक व्यक्ति ने बताया कि कैसे अधिकारियों को अपने काउंटी के बच्चों को अपने काउंटी के बजाय अन्य काउंटी के बोर्डिंग प्रीस्कूल में जाने की आवश्यकता होती है और केवल माता-पिता को सप्ताहांत पर बच्चों को घर लाने की अनुमति है, लेकिन क्योंकि यह बहुत दूर है, इसलिए कई बच्चे सप्ताहांत पर स्कूल में ही रहते हैं।

माता-पिता को हर तीन महीने में मिलने की अनुमति दी जाती है।[75] एक अन्य तिब्बती ने बताया कि

70 "Chinese Volunteer Teacher in Gannan: It's Not Easy to Say I Love You."
71 "True Feelings of Four Years of Teaching in Rural Areas," July 11, 2023, available at: https://www.douyin.com/user/MS4wLjABAAAAfp-giWmq-t5OoLqrOQgMMm4E2amXdGbgBWx1ScZTuivoBIROdQLapBxSBtse3SWyU?from_tab_name=main&modal_id=7254563242335391028.
72 Interview with Gyal Lo, April 10, 2022.
73 Gyal Lo, fieldwork notes, 2017.
74 Online Commenter 34.
75 Online Commenter 4.

प्रीस्कूल में जहां उसके दोस्त का बच्चा है, माता-पिता को सप्ताहांत पर बच्चों को घर लाने की अनुमति है, लेकिन क्योंकि यह बहुत दूर है, इसलिए कई बच्चे सप्ताहांत पर स्कूल में ही रहते हैं।[76]

अपने परिवारों से दूर चीनी वातावरण में रहने से ये छोटे बच्चे अपनी संस्कृति से दूर होते जाते हैं। एक तिब्बती ने उन प्रभावों का वर्णन किया जो उसने देखे:

इन प्रीस्कूलों में शिक्षक चीनी भाषा में बच्चों से संवाद करते हैं, वे बच्चों को माओ या सीसीपी (चीनी कम्युनिस्ट पार्टी) और न्यू चाइना जैसे कम्युनिस्ट नायकों की प्रशंसा में राजनीतिक गीत गाना सिखाते हैं। हालांकि एक तिब्बती (भाषा) की कक्षा है, लेकिन यह बहुत खराब है। इनमें से अधिकांश बच्चे केवल चीनी भाषा में बोलते हैं, बहुत कम बच्चे हैं जो तिब्बती भाषा बोलते हैं। घर पर, ये बच्चे अपने परिवार के सदस्यों के साथ चीनी भाषा में संवाद करते हैं और चीनी रीति-रिवाजों को अपना लेते हैं और अपने तिब्बती रीति-रिवाजों को भूल जाते हैं।[77]

माता-पिता को सप्ताहांत पर बच्चों को घर लाने की अनुमति है, लेकिन क्योंकि यह बहुत दूर है, इसलिए कई बच्चे सप्ताहांत पर स्कूल में ही रहते हैं।

समय के साथ, शारीरिक, भाषाई और सांस्कृतिक अलगाव भावनात्मक दूरी की ओर भी ले जाता है। शैक्षिक समाजशास्त्री ग्याल लो ने अपने अनुभवों को सार्वजनिक करते हुए बताया है कि बोर्डिंग प्रीस्कूल ने उनकी भतीजियों और उनके परिवार को कैसे प्रभावित किया। चार और पांच साल की उम्र में बोर्डिंग प्रीस्कूल में जाने पर वे लगभग तुरंत ही तिब्बती भाषा भूलना शुरू कर दिया और चीनी भाषा बोलना शुरू कर दिया - वह भाषा जिसमें वे दिन भर डूबे रहते थे। इससे भी अधिक दुखद बात यह है कि उन्होंने अपने परिवार से अपना संबंध खो दिया, जब उन्हें घर जाने की अनुमति दी गई तो वे शारीरिक रूप से अलग रहने लगे, सीमित तरीके से ही परिवार के सदस्यों से बात करने या उनसे जुड़ते हैं और भावनात्मक रूप से दूर रहे।[78]

बोर्डिंग प्रीस्कूल के भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक प्रभाव चीन में ही अच्छी तरह से जाने जाते हैं। तिब्बत के बाहर, चीन के धनी शहरों में, 1990 के दशक में बोर्डिंग प्रीस्कूल चीनी माता-पिता के बीच लोकप्रिय हो गया। लेकिन जैसे-जैसे बच्चों पर मनोवैज्ञानिक प्रभाव स्पष्ट होने लगा, प्रवृत्ति उलट गई और माता-पिता ने अपने बच्चों को दिन के प्रीस्कूल में भेजना शुरू किया। एक चीनी मनोवैज्ञानिक ने 2013 में बीबीसी को बताया कि कैसे उनके मरीज जो जीवन में पहले बोर्डिंग प्रीस्कूल में गए थे, 'परित्यक्त और अप्रासंगिक महसूस करते हैं। वे जीवन में अपना स्थान पाने के लिए संघर्ष करते हैं और वे नहीं जानते कि अपने परिवार में कैसे व्यवहार करना है... यह क्रूर है।'[79]

घर पर ये बच्चे अपने परिवार के सदस्यों से चीनी भाषा में बातचीत करते हैं और चीनी रीति-रिवाजों को अपना चुके हैं और अपने तिब्बती रीति-रिवाजों को भूल चुके हैं।
- हाल ही में तिब्बत से भागकर आया एक तिब्बती

बच्चों को उनके परिवारों से दूर करना और उन्हें बहुत कम उम्र में उनकी मातृभाषा के अलावा किसी अन्य भाषा में डुबो देना अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करता है और बचपन की शिक्षा पर विशेषज्ञ आम सहमति के भी खिलाफ है। फिर भी बोर्डिंग प्रीस्कूल के कई, अच्छी तरह से स्थापित नुकसानों के बावजूद, चीनी सरकार ने तिब्बत में बोर्डिंग प्रीस्कूल की एक प्रणाली स्थापित की है और उनके निरंतर संचालन को जारी रखा है।

76 Interview 1.
77 Interview 1.
78 Gyal Lo, "The One Million Tibetan Children in China's Boarding Schools," The New York Times, September 15, 2023, Op-ed, https://www.nytimes.com/2023/09/15/opinion/china-tibet-boarding-school.html (accessed September 30, 2024).
79 For example, see *BBC*, "Why Children as Young as Three Are Sent to Boarding School in China," November 5, 2013, available at: https://www.bbc.com/news/magazine-24624427 (accessed January 14, 2025).

बोर्डिंग स्कूलों में दुर्व्यवहार और लापरवाही

दिसंबर 2021 में तिब्बत में चीन के औपनिवेशिक आवासीय विद्यालयों को लेकर हमारी पहली रिपोर्ट प्रकाशित होने के बाद से दुर्व्यवहार और लापरवाही के कई मामले सामने आए हैं। जबकि चीन के प्रचार वीडियो आवासीय विद्यालय परिसरों में खुश बच्चों को दिखाते हैं, वहां छात्रों को प्रदान की जाने वाली सुरक्षा और देखभाल का बखान करते हैं, जबकि तिब्बत से स्वतंत्र रूप से प्राप्त विवरण बहुत ही अलग तस्वीर पेश करते हैं: जहां तिब्बती बच्चों को खराब पोषण से लेकर गंभीर दुरावस्था और लापरवाही तक दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ता है। उनके परिवारों के पास इससे बचने की कोई गुंजाइश नहीं है और कुछ मामलों में स्वास्थ्य और सुरक्षा कारणों से भी उन्हें अपने बच्चों से मिलने से रोका जाता है।

कई तिब्बती स्रोतों ने छात्रों को दिए जाने वाले भोजन की खराब गुणवत्ता के बारे में चिंता व्यक्त की, उन्होंने बताया कि इससे स्वास्थ्य को खतरा है और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं होती हैं।[80] एक अभिभावक ने बताया कि प्राथमिक विद्यालय के बोर्डर्स के लिए, 'भोजन इतना खराब है कि बच्चे स्कूल नहीं जाना चाहते।'[81] कई लोगों ने कहा कि भोजन पुराना या निम्न गुणवत्ता का था, लेकिन यह भी कि सभी को खिलाने के लिए पर्याप्त नहीं था।[82] तिब्बत एक्शन इंस्टीट्यूट के ध्यान में लाए गए एक मामले में आवासीय विद्यालयों में भोजन की गुणवत्ता के बारे में चिंता जताने के बाद एक स्कूल के वरिष्ठ कर्मचारी से अधिकारियों ने पूछताछ की।[83]

माता-पिता, शिक्षकों और छात्रों के बयानों से पता चलता है कि आवासीय विद्यालयों में मारपीट आम बात है।

भोजन की गुणवत्ता से संबंधित मुद्दों के अतिरिक्त अभिभावकों, शिक्षकों और छात्रों के बयानों से पता चलता है कि आवासीय विद्यालयों के जीवन में मारपीट एक नियमित हिस्सा है। निर्वासन में रह रहे एक भूतपूर्व छात्र ने बताया कि जब वे कक्षा में होते थे, तब उनके छात्रावास की जांच की जाती थी, और 'यदि (विद्यालय प्राधिकारियों) को पता चलता था कि हमने उसे साफ नहीं रखा है, तो हमें दंड के रूप में पीटा जाता था।'[84] साक्षात्कार में भाग लेने वाले एक व्यक्ति का मानना था कि शिक्षकों को पता है कि छात्रों को पीटना कानून के विरुद्ध है, लेकिन फिर भी वे ऐसा करते हैं।[85] एक अन्य तिब्बती ने कहा कि चूंकि सुरक्षा कैमरे विद्यालय के गलियारों और सामान्य क्षेत्रों में ही लगे हैं, इसलिए शिक्षक जान-बूझकर छात्रों को निजी कमरों में ले जाकर उन्हें बुरी तरह पीटते हैं।[86] ऐसे मामले भी हैं जब छात्र एक-दूसरे को धमकाते हैं या शारीरिक रूप से हमला करते हैं, जबकि विद्यालय प्राधिकारियों की ओर से कोई सुरक्षा या हस्तक्षेप नहीं किया जाता है।[87]

दो तिब्बतियों ने बताया कि कैसे उनके क्षेत्र के विद्यालय में- जिसमें आसपास के दिन के छात्र और अन्य क्षेत्रों के आवासीय छात्र दोनों हैं - धार्मिक प्रतीकों या अभ्यास के लिए शारीरिक दंड दिया जाता है:

छात्रों को अपने गले और कलाई के चारों ओर कोई भी सुंगडू (बौद्ध आशीर्वाद कलावा) बांधने और तिब्बती प्रार्थना करने से प्रतिबंधित किया जाता है। यदि छात्र प्रार्थना करते और आशीर्वाद कलावा बांधे पाए जाते हैं, तो शिक्षक उन्हें पीटते हैं।[88]

आवासीय विद्यालयों में शारीरिक शोषण चरम पर हो सकता है। हाल ही में निर्वासन में आए एक तिब्बती ने बताया कि कैसे पूर्वी तिब्बत के उनके इलाके में जब एक सम्मानित स्थानीय व्यक्ति ने इस ओर ध्यान दिलाया तो तिब्बती शिक्षकों ने बच्चों को पीटना बंद कर दिया। व्यक्ति ने आगे बताया: हालांकि, चीनी शिक्षक बच्चों को बुरी तरह पीटते हैं, वे कहीं भी लात-घूंसे मारते हैं। मैंने बच्चों को शरीर पर चोट के निशान और फ्रैक्चर देखा है, और कभी-कभी तो इतनी बुरी तरह से पीटा जाता था कि उन्हें बैठने में भी दिक्कत होती थी।[89]

एक अभिभावक ने बताया कि उनका मिडिल-स्कूल आयु वर्ग का बच्चा स्कूल की छुट्टी के समय घर लौटा

80 Online commenters 7, 8, and 47.
81 Interview 10.
82 Interview 9, Online Commenter 8.
83 Online Commenter 24.
84 Interview 12.
85 Interview 6.
86 Online Commenter 42.
87 Interview 6.Online Commenter 47.
88 Interview 2.
89 Interview 5.

तो उसके शरीर के एक हिस्से पर चोट के निशान थे, जिसे शिक्षक ने पीटा था।[90] बोर्डिंग स्कूल में काम करने वाले एक तिब्बती ने शारीरिक शोषण को आम बात बताया और कहा कि शिक्षक अपने काम में दबाव महसूस करते हैं और नियमित रूप से बच्चों पर इसका गुस्सा निकालते हैं। व्यक्ति ने छात्रों को 'पिंजरे में बंद पक्षियों' की तरह बताया, जिनके माता-पिता शिक्षकों के व्यवहार में हस्तक्षेप करने में असमर्थ हैं।[91]

मैंने ऐसे बच्चों को देखा है जिनके शरीर पर चोट के निशान हैं, फ्रैक्चर हुए हैं और कभी-कभी तो इतनी बुरी तरह से पिटाई की जाती है कि उन्हें बैठने में भी दिक्कत होती है।
- हाल ही में तिब्बत से भागकर आया तिब्बती

अन्य तिब्बतियों ने यह भी बताया कि कैसे माता-पिता शायद ही कभी अपने बच्चों की सुरक्षा कर पाते हैं। माता-पिता के रहने के स्थान और उनके बच्चों के स्कूल जाने के स्थान के बीच की दूरी का मतलब है कि वे हमेशा नहीं जानते कि क्या हो रहा है और उनके पास इसमें शामिल होने का कोई तरीका नहीं है।[92] अन्य मामलों में, जब माता-पिता ने चिंता व्यक्त करने की कोशिश की, तो उन्हें या उनके बच्चों को चुप रहने के लिए धमकाया गया।[93] उदाहरण के लिए, एक अभिभावक ने बताया कि कैसे एक शिक्षक ने पुलिस को बुलाया, जब अभिभावक ने अपने बच्चे की पिटाई की शिकायत उस शिक्षक से की। अभिभावक ने कहा कि स्कूल अक्सर अभिभावकों से निपटने के लिए पुलिस को बुलाते हैं और पुलिस हमेशा स्कूल का पक्ष लेती है। व्यक्ति ने कहा कि माता-पिता को डर है कि अगर वे शिकायत करेंगे तो उनके बच्चों को परिणाम भुगतने पड़ेंगे। व्यक्ति ने कहा, कुल मिलाकर 'यह एक प्रणालीगत समस्या है।'[94]

एक साक्षात्कारकर्ता ने खानाबदोश जनजातियों को विशेष रूप से कमजोर समूह के तौर पर चिह्नित किया। इस समुदाय के छात्रों को उनके परिजनों से अलग-थलग कर दिया जाता है और माता-पिता अक्सर अपने बच्चों के साथ होनेवाले भेदभाव और अत्याचारों से अनजान होते हैं:

आवासीय विद्यालयों में रहने वाले खानाबदोश बच्चे बहुत पीड़ित हैं। खाना बनाने और साफ-सफाई करने वाले चीनी या हुई मुसलमान हैं और वे खानाबदोश बच्चों को उनकी पृष्ठभूमि के कारण अपमानित और लांछित करते हैं। चीनी कर्मचारियों द्वारा कानों पर थप्पड़ मारे जाने के बाद बच्चों की सुनने की क्षमता खोने के कई मामले सामने आए हैं।

(मेरे काउंटी में) तिब्बती आवासीय विद्यालयों में शारीरिक दंड के मामले सामान्य हैं, क्योंकि खानाबदोश कोई औपचारिक शिकायत नहीं करते हैं क्योंकि या तो वे अनजान होते हैं या वे आवासीय विद्यालयों से बहुत दूर होते हैं।

एक शिक्षक ने बच्चे की पिटाई की, जिसके बाद में वह स्कूल की इमारत से कूद गया और उसकी मौत हो गई।
- औपनिवेशिक आवासीय विद्यालय का पूर्व छात्र

जब मैं ग्रेड 3 या 4 में था, तो ग्रेड 5 या 6 के एक छात्र ने स्कूल की इमारत की पांचवीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली थी। खानाबदोश बच्चे अधिक ईमानदार और सीधे-सादे होते हैं, लेकिन इन गुणों को अक्सर स्कूल में हीनभाव से देखा जाता है और अपमानित किया जाता है। एक शिक्षक ने बच्चे की पिटाई की और बाद में वह स्कूल की इमारत से कूद गया और उसकी मौत हो गई।

स्कूल के अधिकारी ऐसी कहानियों को बाहर आने से रोकते हैं और खानाबदोश परिवारों को अक्सर अपने बच्चों की चोटों या जान के लिए मुआवज़ा नहीं मिलता।[95]

हाल के महीनों में, तिब्बती बच्चों द्वारा दुर्व्यवहार का आरोप लगाने और यहां तक कि दुर्व्यवहार किए जाने के असाधारण दुर्लभ वीडियो साक्ष्य तिब्बत के बाहर तिब्बतियों को भेजे गए हैं या चीनी सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए हैं। नवंबर 2024 में कांग्त्सा काउंटी के सोखिल टाउनशिप एथनिक बोर्डिंग प्राइमरी स्कूल के खेल के मैदान पर स्कूल के चीनी प्रिंसिपल द्वारा एक तिब्बती लड़के की पिटाई का वीडियो सामने आया।

90 Online Commenter 38.
91 Online Commenter 14.
92 Online Commenter 16.
93 Online Commenters 8, 14, and 64.
94 Online Commenter 14.
95 Interview 7.

आवासीय विद्यालय के प्रिंसिपल एक तिब्बती बच्चे की पिटाई करने के बाद उसके साथ। स्रोत: नवंबर 2024 में डोउयिन पर पोस्ट किए गए वीडियो से ली गई तस्वीर।

तिब्बत के अमदो (ཨ་མདོ།) प्रांत (चीनी: हैबेई तिब्बती स्वायत्त प्रिफेक्चर, किंघई) के सो नगोन (མཚོ་སྔོན།) क्षेत्र में (तिब्बती: རྐང་ཚ་རྫོང་། चीनी: गंगचा काउंटी)।[96] प्रिंसिपल, जिसकी पहचान स्थानीय कम्युनिस्ट पार्टी सचिव के रूप में की गई, को बड़ी संख्या में सहपाठियों और शिक्षकों की मौजूदगी में फिल्माया गया। वीडियो को स्कूल के अभिभावकों के संघ में भेजा गया और यह ऑनलाइन वायरल हो गया, लेकिन बाद में तिब्बतियों को इसे सार्वजनिक करने से रोक दिया गया। जांच के दावों के बावजूद, प्रिंसिपल अपने पद पर बने रहे।[97]

द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, एक अन्य मामले में अक्तूबर 2021 में एक आवासीय प्राथमिक विद्यालय में सीसीटीवी फुटेज से रिकॉर्ड किए गए एक वीडियो में एक शिक्षक को अन्य छात्रों के सामने एक बच्चे को हिंसक तरीके से पीटते हुए दिखाया गया था, जिसमें कुर्सी से भी पिटाई की गई थी।[98] जिस स्कूल में यह घटना हुई, वह चामडो (तिब्बती: ཆབ་མདོ། चीनी: चांगडू) में चामडो नंबर 1 प्राथमिक विद्यालय है।

> वीडियो को हटाए जाने से पहले चीन में इंटरनेट पर 1,000 से ज़्यादा बार प्रसारित किया गया था। जिस स्कूल में पिटाई की घटना हुई, उसके बारे में सरकारी मीडिया की रिपोर्ट में बताया गया है कि वहां के छात्र कैंपस में ही रहते थे। वीडियो के कारण लोगों में आक्रोश फैल गया। जवाब में, स्थानीय सरकार ने जांच की और आधिकारिक बयान में कहा कि पिटाई से बच्चे के माथे पर तीन इंच लंबा घाव हो गया है और शिक्षक को निलंबित कर दिया गया है।[99]

ये विवरण लापरवाही, देखभाल की कमी और दुर्व्यवहार से भरे माहौल को दर्शाते हैं - जो नियमित और जान-बूझकर किए गए हैं। नीचे दिए गए दो केस स्टडी इस बात के गहन उदाहरण देते हैं कि यह कितना चरम हो सकता है और बच्चों और उनके परिवारों के जीवन पर इसका कितना क्रूर प्रभाव पड़ता है।

96 Video available at: https://s7712.pcdn.co/wp-content/uploads/2024/12/video1Principalbeatschild.mp4
97 Online Commenters 94, 95.
98 Video available at: https://tibetaction.net/wp-content/uploads/2025/01/Chamdo-Primary-School-CCTV-Beating-October-11.mp4.
99 *The New York Times*, "How China is Erasing Tibetan Culture, One Child at a Time."

केस स्टडी 1:

मठ के स्कूल से जबरन निकाले गए बच्चों के साथ जान-बूझकर दुर्व्यवहार

(स्कूल में) अन्य छात्रों की तरह हमें नियमित पाठ्यक्रम नहीं पढ़ाया जाता है और हमें पीटा जाता है, परेशान किया जाता है और पीने के लिए पानी भी नहीं दिया जाता है।
- औपनिवेशिक आवासीय विद्यालय में जाने पर मजबूर किए गए युवा भिक्षु

युवा भिक्षुओं और भिक्षुणियों के साथ उनकी धार्मिक पृष्ठभूमि के कारण विशेष रूप से गंभीर दुर्व्यवहार किया जाता है। पूर्वी तिब्बत के नगाबा (རྔ་བ།) के एक क्षेत्र में पांच युवा भिक्षुओं के एक समूह ने कथित तौर पर सितंबर 2024 में उस समय अपनी जीवनलीला समाप्त करने की कोशिश की, जब उन्हें जबरन उनके मठ के स्कूल से निकाल कर एक सरकारी आवासीय विद्यालय में स्थानांतरित कर दिया गया। पांच बच्चों को नदी में कूदने से रोकने के बाद बनाए गए एक भावनात्मक वीडियो में, एक बच्चा रोते हुए कहता है, 'स्कूल में रहना असहनीय है, यह एक जेल की तरह है!' एक और बच्चा उससे सहमत होते हुए कहता है, 'वे हमें अच्छा खाना नहीं देते और (वे) हमें मारते हैं।' बाद में एक कहता है, 'हमारे साथ भेदभाव किया जाता है। (स्कूल में) अन्य छात्रों की तरह हमें नियमित पाठ्यक्रम नहीं पढ़ाया जाता है और हमें पीटा जाता है और परेशान किया जाता है और यहां तक कि पीने के लिए पानी भी नहीं दिया जाता है।' एक अन्य ने कहा, 'यह सच है, जब हम बीमार होते हैं तो हमें जान-बूझकर दवा के साथ पीने के लिए पानी भी नहीं दिया जाता है।'[100]

ये पांच भिक्षु उन 140 से अधिक युवा भिक्षुओं और भिक्षुणियों के समूह में शामिल थे, जिन्हें जून 2024 के अंत में मुगे मठ के एक स्कूल से निकलने के लिए मजबूर किया गया था। कथित तौर पर बच्चों को गहन 'देशभक्तिपूर्ण पुन: शिक्षा' के लिए पास के एक प्राथमिक विद्यालय में ले जाया गया था। माता-पिता को बहुत ज्यादा मिलने की अनुमति नहीं थी। फिर बच्चों को माता-पिता की अनुमति के बिना, जाहिर तौर पर चीन में 'पुनः शिक्षा' दौरे पर ले जाया गया और कथित तौर पर उनके साथ दुर्व्यवहार किया गया। एक अभिभावक ने संक्षेप में बताया कि क्या हुआ:

> ... (जून में अधिकारियों ने) भिक्षुओं को मठ से उठा लिया और उन्हें (पास के एक स्कूल में) रखा। उन्होंने गेट को पूरी तरह से सील कर दिया और (युवा भिक्षुओं) को किसी से मिलने की अनुमति नहीं थी। कई माता-पिता गेट पर गिड़गिड़ाए और रोए, इसलिए उनमें से कुछ को (आखिरकार) मिलने की अनुमति दी गई... (युवा भिक्षुओं) को सैन्य प्रशिक्षण, पार्टी के लिए प्रशंसा गीत, व्यायाम, पार्टी विचार आदि सिखाया गया। उन्हें एक भी दिन की छुट्टी नहीं दी गई। उनके साथ सामान्य छात्रों की तुलना में कैदियों जैसा व्यवहार किया जाता रहा। ... माता-पिता यह देखकर रो रहे थे कि हमारे बच्चों के साथ कैसा व्यवहार किया जा रहा है।
>
> चीन के दौरे पर ले जाए जाने के बाद, बच्चे स्कूल वापस नहीं लौटना चाहते थे। लेकिन अधिकारी उनके माता-पिता को कैद करने की धमकी देते रहे। उन्होंने उन्हें फिर से जबरदस्ती बस में बिठाया और उन्हें वापस उसी स्कूल में ले गए, और उन्होंने उन्हें खाना और दवा देना बंद कर दिया। भिक्षुओं ने जेल जैसे स्कूल से भागने की कोशिश की और भाग गए। उनमें से कुछ ने नदी में कूदने की कोशिश की, लेकिन ग्रामीणों ने उन्हें रोक दिया। वे सभी कूदते तो मर जाते क्योंकि यह एक बड़ी नदी थी। उनमें से कुछ ने आत्महत्या करने की कोशिश की क्योंकि यह असहनीय हो रहा था।[101]

उन्होंने कई वादे किए थे। अब, जब बच्चे भाग रहे हैं, तो माता-पिता के पास शिकायत दर्ज कराने या अपनी चिंताएं व्यक्त करने के लिए कोई जगह नहीं है।
- औपनिवेशिक आवासीय विद्यालय में जाने के लिए मजबूर किए गए छात्र के माता-पिता

एक अन्य अभिभावक ने इस बात पर जोर दिया कि जब अभिभावकों को बताया गया कि उनके बच्चों को सरकारी आवासीय विद्यालय में जाना है, उस समय अधिकारियों ने बच्चों के कल्याण के बारे में कई वादे किए:

> जब अधिकारी हमसे हमारे बच्चों को स्कूल ले जाने के लिए कहने आए, तो उन्होंने कभी यह नहीं कहा कि वे उन्हें सुरक्षित नहीं रख पाएंगे। उन्होंने बच्चों की देखभाल के बारे में कई वादे किए- अगर वे बीमार पड़ जाएंगे तो वे दवा देंगे, वे यह सुनिश्चित करेंगे कि वे डॉक्टर को दिखाएं और अगर बच्चे गरीब परिवारों से हैं, तो वे वित्तीय सहायता देंगे। अब, जब बच्चे भाग रहे हैं तो अभिभावकों के पास शिकायत दर्ज करने या अपनी चिंताएं व्यक्त करने के लिए कोई जगह नहीं है।

अभिभावक ने आगे कहा,

> माता-पिता के रूप में यह हमारा कर्तव्य है कि हम अपने बच्चों की रक्षा करें, लेकिन अपने घर के मुखिया के रूप में मैं अपने को शक्तिहीन महसूस करता हूं।[102]

100 *Radio Free Asia*, "Exclusive: Five Teenage Tibetan Monks Attempt to Take Own Lives."
101 Online Commenter 86.
102 Online Commenter 67. Online Commenter 67.

केस स्टडी 2:

स्कूल की लापरवाही और परिवार से संपर्क न होने के कारण छात्रा की मौत

हम जब दवा लेकर वापस आए तो हमें उस दवा को एक गार्ड के पास छोड़ना पड़ा, क्योंकि हमें अपनी बेटी से सीधे मिलने की अनुमति नहीं थी।

2022 में एक 13 वर्षीय तिब्बती लड़की, जो पहले से ही किसी बीमारी से पीड़ित थी, की मृत्यु हो गई। जब उसके परिवार ने लगातार उसके आवासीय विद्यालय में डॉक्टर द्वारा दी गई दवा के साथ उससे मिलने की कोशिश की तो स्कूल ने पहले तो दवा देने में लापरवाही बरती और फिर जब उसे गंभीर लक्षण महसूस हुए, तो उसने डॉक्टर से सलाह नहीं ली।

> सरकार के कई स्तरों से प्रतिशोध के जोखिम के कारण तिब्बतियों द्वारा स्कूल अधिकारियों की खुली आलोचना दुर्लभ है। हालांकि, उसके परिवार द्वारा व्यापक रूप से पोस्ट किए गए एक ऑनलाइन विवरण में, बच्ची की मौत के लिए स्कूल को ज़िम्मेदार ठहराया गया था। इस लेख में अभिभावकों, छात्रों, शिक्षकों और स्कूल प्रमुखों से छात्रों की सुरक्षा में सुधार करने की अपील की गई है।[103] निम्नलिखित अंश स्पष्टता के लिए संपादित किए गए हैं और कुछ मामलों में नए पैरा जोड़े गए हैं।
>
> (नाम रोका गया) 13 वर्ष की थी। वह (स्थान रोका गया), किंगहाई प्रांत गई थी। उसका 2019 और 2020 में हृदय रोग का लंबा उपचार किया गया था और वह ठीक हो गई थी। स्कूल की छुट्टी के अंत में, उसे सर्दी लग गई, इसके बाद स्थानीय अस्पताल में उसे एक नुस्खा दिया गया था। हालांकि, 01 मार्च, 2022 को स्कूल लौटते समय, वह नुस्खा लाना भूल गई। हमने उससे कहा कि हम इसे उसके होमरूम शिक्षक के पास छोड़ देंगे।
>
> जब हम दवा लेकर पहुंचे, तो हमें इसे एक गार्ड के पास छोड़ना पड़ा क्योंकि हमें उससे सीधे मिलने की अनुमति नहीं थी। हमने उसके होमरूम शिक्षक को फोन किया, जिन्होंने हमें आश्वासन दिया कि वे सुनिश्चित करेंगे कि उसके पास दवा के साथ-साथ सभी आवश्यक सामान पहुंच जाए। बाद में होमरूम शिक्षक को उसकी जांच करने के लिए कॉल किया गया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला और जब हम अगले दिन शिक्षक के पास पहुंचे, तो उन्होंने कहा कि वे उसकी जांच नहीं कर सकते। तीन दिन बीत जाने के बाद, उन्होंने हमें बताया कि वह ठीक है। हमने... उसे दोबारा जांच करने के लिए कहा, उसका स्कूल पहचान नंबर और अन्य विवरण दिया। अगले दो दिनों में कई कॉल का जवाब न मिलने के बाद, शिक्षक ने आखिरकार फोन उठाया और हमें बताया कि वह ठीक है और चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। इसलिए, हमने सोचा कि वह ठीक हो गई है।

जब मेरी बच्ची को स्कूल से ले जाया गया, तो वह मुश्किल से चल पर रही थी और बहुत कमज़ोर थी। हमने जो दवा उसके लिए भेजी थी, वह उसे नहीं मिली, न ही किसी ने उसकी सेहत की खोज खबर ली थी।

> दो सप्ताह बाद, स्कूल से चार दिन की छुट्टी थी। जब उसे स्कूल से ले जाया गया, तो वह मुश्किल से चल पा रही थी और बहुत कमजोर थी। उसे वह दवा नहीं मिली थी जो हमने भेजी थी, न ही किसी ने उसकी हालत के बारे में पूछा था। उसने कहा कि होमरूम शिक्षक मार्च से स्कूल में नहीं आया था और उसकी जगह आया शिक्षक इतना सख्त था कि छात्र उससे कुछ भी पूछने की हिम्मत नहीं करते थे। मार्च से उसे तेज बुखार और उल्टी होने लगी थी, जिससे उसकी हालत बदतर होती जा रही थी। एक बार शारीरिक शिक्षा कक्षा के दौरान जब उसे दौड़ना पड़ा तो वह लगभग बेहोश हो गई थी। शिक्षक ने उसे बैठने की अनुमति दी, लेकिन चिकित्सा सलाह नहीं ली...
>
> (अस्पताल में) उन्होंने बताया कि उसे चिकित्सा मिलने में देरी के कारण, बीमारी ने उसके दिल के साथ-साथ उसके दिमाग को भी प्रभावित किया था। आगे के परीक्षणों के बाद, उसे हृदय संक्रमण के अलावा ल्यूकेमिया का भी पता चला। 19 मार्च तक, वह चलने में असमर्थ हो गई थी और पूरी तरह से बिस्तर पर पड़ी हुई थी। दुख की बात है कि (लगभग छह सप्ताह बाद) उसकी मृत्यु हो गई।

बच्ची की मृत्यु के बाद, स्कूल ने उसकी पहले से मौजूद स्थिति का हवाला देते हुए कोई भी जिम्मेदारी लेने से इनकार कर दिया। उन्होंने उसके परिवार को सूचित करने या चिकित्सा सुनिश्चित करने में अपनी भूमिका को स्वीकार नहीं किया, जिससे पहले हस्तक्षेप संभव हो सकता था। परिवार को लगा कि इससे उसकी मृत्यु को रोका जा सकता था या कम से कम उसके दर्द और पीड़ा को कम किया जा सकता था।

---

103 Online Commenter 22

उपरोक्त मामले के अलावा, हमने कई अन्य मामलों की समीक्षा की, जिनमें परिवारों को संदेह था कि छात्र की मौत आवासीय विद्यालय में दुर्व्यवहार या उपेक्षा के कारण हुई थी। अक्तूबर 2024 में, कई स्वतंत्र रिपोर्टों ने संकेत दिया कि ग्रेड 4 में एक बच्चा - जिसकी उम्र लगभग 10 या 11 वर्ष थी - माबा बोर्डिंग प्राइमरी स्कूल (चीनी: टोंगरेन सिटी बाओआन टाउन माबा बोर्डिंग प्राइमरी स्कूल) में एक ऊपरी बंक बेड की खिड़की से गिरने के बाद मर गया। सूत्रों ने बताया कि अधिकारियों ने क्षेत्र के आवासीय विद्यालयों में आपातकालीन बैठकें आयोजित करके प्रतिक्रिया व्यक्त की, लेकिन यह संकेत नहीं दिया कि बच्चे के साथ क्या हुआ? इसकी कोई जांच हुई या नहीं या स्कूल के अधिकारियों की जांच की गई या उन्हें बच्चे की मौत के लिए जिम्मेदार ठहराया गया।[104]

ऐसा प्रतीत होता है कि एक बार जब बच्चे स्कूल के अंदर पहुंच जाते हैं, तो माता-पिता के लिए उन तक पहुंचना आसान नहीं होता।

ऐसा प्रतीत होता है कि एक बार जब बच्चे स्कूल की चारदीवारी के पीछे पहुंच जाते हैं, तो माता-पिता के लिए उन तक पहुंचना आसान नहीं होता। अस्पताल में मरने वाले बच्चे का मामला उन कई रिपोर्टों में से एक है जो हमें स्कूलों द्वारा माता-पिता या अभिभावकों को अपने बच्चों से मिलने से रोकने और चिकित्सा देखभाल में बाधा डालने के बारे में मिली हैं।[105] एक अन्य उदाहरण में, एक अभिभावक ने बताया कि कैसे उनके बच्चों को अस्पताल जाने की ज़रूरत थी, लेकिन जब अभिभावक स्कूल पहुंचे, तो उन्हें अंदर आने की अनुमति नहीं दी गई। अभिभावक ने द्वारपाल बच्चों के शिक्षक को बुलाने के लिए कहा, लेकिन उस व्यक्ति ने कोई जवाब नहीं दिया और अभिभावक को बताया गया कि उनके बच्चों को देखने का कोई और तरीका नहीं है।

माता-पिता के पास कोई और चारा नहीं

ऐसे तिब्बती लोगों के साथ साक्षात्कार और बातचीत में, जो अभी भी तिब्बत में हैं या हाल ही में निर्वासन में आए हैं, उन्होंने बार-बार बताया कि माता-पिता के पास 'कोई चारा नहीं है'। उन्हें अपने बच्चों को आवासीय विद्यालय में भेजने के लिए 'मजबूर' किया जाता है और अगर वे आदेश को नहीं मानते हैं या मना करते हैं, तो उन्हें 'उत्पीड़ित' किया जाता है, धमकी दी जाती है और दंडित किया जाता है।[106] सरकारी अधिकारियों को चेतावनी दी गई है कि अगर वे अपने बच्चों को आवासीय विद्यालयों में दाखिला नहीं दिलाते हैं, तो उनकी नौकरी चली जाएगी,[107] और, जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, माता-पिता को मारपीट की धमकी दी गई है।[108] एक व्यक्ति ने बताया कि बुजुर्ग माता-पिता हों तो, 'पुलिस अक्सर (परिवार के अन्य सदस्यों) को पकड़ कर ले जाती है और उन्हें सजा के तौर पर काम करवाती है।'[109] एक अन्य तिब्बती व्यक्ति ने बताया कि खानाबदोशों को अपने बच्चों को लगभग 18 मील दूर बोर्डिंग प्रीस्कूल में भेजने के लिए कहा जाता है और अगर वे ऐसा नहीं करते हैं, तो अधिकारियों के हाथों उन्हें उत्पीड़न झेलना पड़ता है।[110] सरकार से मिलने वाले विभिन्न वित्तीय लाभ भी रोके जा सकते हैं, जैसे कि कर्दज़े प्रिफेक्चर के इस क्षेत्र में (དཀར་མཛེས།):

ग्रेड 1 के बाद, बच्चों को आवासीय विद्यालय में रहना पड़ता है, जो लगभग 70-60 मील दूर है। बच्चों को सप्ताह में एक बार या हर दो सप्ताह में घर आने की अनुमति है...यदि खानाबदोश अपने बच्चों को स्कूल नहीं भेजते हैं, तो सरकार उन्हें (आमतौर पर मिलने वाली सब्सिडी) नहीं देती है।[111]

एक अभिभावक ने बताया कि कैसे मुगे मठ के युवा भिक्षुओं और भिक्षुणियों के परिवारों से अधिकारी बार-बार मिलने आते थे। वे 'दिन में कई बार आते थे, हमारे दरवाज़े खटखटाते थे और ज़ोर देते थे कि हम अपने बच्चों को सरकारी स्कूल में भेजें।' सभी परिवार के सदस्यों को शिक्षा के महत्व के बारे में संदेश मिले, और उन्हें चेतावनी दी गई कि बच्चों को आवासीय विद्यालय में न भेजा तो यह गैरकानूनी माना जाएगा। उन्हें आश्वासन दिया गया कि उनके बच्चों की बेहतरीन देखभाल की जाएगी।

माता-पिता जब भी चाहें, उन्हें चिकित्सा सुविधा और छुट्टी दी जाएगी। उन्हें यह भी बताया गया कि माता-

104 Online Commenter 87
105 Online Commenters 8, 22, 49, 64, and 67, Interview 2.
106 Online Commenter 77, Online Commenter 45, Interview 5, Online Commenter 39, Online Commenter 2, Online Commenter 34, Interview 12, Interview 2, and Online Commenter 63..
107 Online Commenter 25
108 Online Commenter 45, Interview 5, Online Commenter 34.
109 Interview 5.
110 Online Commenter 34.
111 Interview 10.

पिता अपने बच्चे के लिए स्कूल चुन सकते हैं। बाद में ये सभी वादे टूट गए। माता-पिता ने कहा, 'जब वे हमारे बच्चों को लेने आए, तो ऐसा लगा जैसे वे हमारे द्वारा छिपाए हुए कैदियों की तलाश कर रहे हों। उन्होंने हमारे बच्चों को हमसे छीनने के लिए हरसंभव कोशिश की[112]

विचार कार्य की रणनीति - एक चीनी राजनीतिक शब्द है, जिसका मतलब होता है- विभिन्न तरह के दबावों और धमकियों के माध्यम से लोगों को तब तक थकाया जाए, जब तक कि वे आज्ञा का अनुपालन नहीं करने लगें। इस तरकीब का उपयोग अन्य मामलों में भी किया जाता है, जिसमें बच्चों को उनके घरों से औपनिवेशिक आवासीय विद्यालय में जबरदस्ती स्थानांतरित करना शामिल है। द चाइना क्वार्टरली के एक हालिया लेख में, योंटेन न्यिमा और एमिली येह ने बताया है कि कैसे सरकार तिब्बती खानाबदोश बच्चों को दूर के आवासीय विद्यालय में भेजती है, ताकि उनके माता-पिता को घास के मैदानों का अपना जीवन छोड़कर शहरी केंद्रों में फिर से बसने के लिए मनाया जा सके। वे एक तिब्बती परिवार के मामले का विवरण देते हैं, जो पुनर्वास के लिए अनिच्छुक है, जिनके बच्चों को सरकार परिवार से लगभग 25 मील दूर एक आवासीय विद्यालय की जगह घर से लगभग 370 मील दूर स्थित एक आवासीय स्कूल में भेजती है। अपने बच्चों से इस भयंकर दूरी और अधिकारियों के विचार-विमर्श के परिणामस्वरूप, परिवार अंततः नए स्कूल के नज़दीक पुनर्वास क्षेत्र में जाने के लिए सहमत हो जाता है।[113]

जब वे हमारे बच्चों को लेने आए, तो ऐसा लगा जैसे वे उन कैदियों को खोज रहे हैं जिन्हें हम छिपा रहे थे। उन्होंने हमारे बच्चों को हमसे छीनने के लिए हर तरीका आजमाया
- औपनिवेशिक आवासीय विद्यालय में जाने के लिए मजबूर किए गए छात्र के माता-पिता

दो स्रोतों ने ऐसी ही स्थितियों का वर्णन किया है जहां परिवार ग्रामीण क्षेत्रों से आवासीय विद्यालय में अपने बच्चों के नज़दीक रहने के लिए चले गए।2020[114] के एक सरकारी मीडिया लेख में बताया गया है कि कैसे कार्द्ज़े (དཀར་མཛེས།) में एक बड़े बोर्डिंग स्कूल परिसर में, 'काउंटी के लगभग 1,000 लोग जो कार्द्ज़े काउंटी में घर किराए पर लेने की स्थिति में हैं, अपने बच्चों के पास आ गए हैं।' [115] इस तरह, चीनी सरकार न केवल बच्चों को उनके परिवारों और संस्कृति से हटाकर सरकार की देख-रेख में देने के अपने उद्देश्य को पूरा करती है, बल्कि तिब्बतियों की पारंपरिक आजीविका, जीवन शैली और सामाजिक संरचनाओं को खत्म करने पर भी उतारू है। दोनों परियोजनाएं तिब्बतियों की भावी पीढ़ियों को एक नई चीनी संस्कृति में ढालने का काम करती हैं।

112 Online Commenter 67
113 Nyima, Yonten, and Yeh, Emily T. "The Construction of Consent for High-Altitude Resettlement in Tibet." The China Quarterly 254 (2023): 430, available at: https://www.cambridge.org/core/journals/china-quarterly/article/abs/construction-of-consent-for-highaltitude-resettlement-in-tibet/4690C1EAD2E1B3E798E205AC6DB14304 (accessed January 13, 2025).
114 Online Commenter 26, Interview 11.
115 China Tibet Net, 四川甘孜县让边远牧区孩子享受公平优质教育 ["Ganzi County, Sichuan, enables children in remote pastoral areas to enjoy fair and high-quality education,"] April 27, 2020, available at https://m.tibet.cn/cn/news/yc/202004/t20200427_6769741.html, Internet Archive https://web.archive.org/web/20250515031634/ https://m.tibet.cn/cn/news/yc/202004/t20200427_6769741.html.

बीजिंग का जबरन आत्मसात अभियान

तिब्बत में चीन की शिक्षा नीतियां तिब्बती बच्चों को उनकी संस्कृति, भाषा और पहचान से दूर करने का प्रयास करती हैं। औपनिवेशिक आवासीय विद्यालय प्रणाली में बच्चों को पहले उनके परिवारों से अलग कर दिया जाता है और फिर चीनी भाषा में सावधानीपूर्वक तैयार की गई तस्वीरों, पाठों और गीतों के माध्यम से चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) की विचारधारा से भर दिया जाता है। हाल ही में तिब्बत से भागे एक तिब्बती ने बताया:

आवासीय विद्यालयों में, बहुत कम उम्र से ही शिक्षा देने की प्रक्रिया शुरू हो जाती है। बच्चों को उनके माता-पिता से दूर कर दिया जाता है, उनकी मातृभाषा- तिब्बती- बोलने पर प्रतिबंध लगा दिया जाता है। उन्हें चीनी भाषा में पढ़ाया जाता है, चीनी भाषा सीखने और बोलने के लिए मजबूर किया जाता है और केवल सरकार द्वारा अनुमोदित इतिहास पढ़ाया जाता है।[116]

छात्रों को स्कूल में चीनी पहचान, इतिहास और संस्कृति की प्रमुखता बताई जाती है और सीसीपी के महत्व के बारे में लगातार संदेश दिए जाते हैं। आवासीय विद्यालय के एक पूर्व छात्र ने बताया कि कैसे इस राजनीतिक शिक्षा को उनकी कक्षा में लागू किया गया:

...हमारी कक्षा की दीवारों पर लगी सभी सामग्री चीनी भाषा में थी। मेरे सभी कक्षा शिक्षक चीनी थे... सभी कक्षाओं में, हमारे पास शी जिनपिंग, माओ त्से तुंग, देंग शियाओपिंग, जियांग जेमिन और हू जिंताओ की तस्वीरें थीं। कक्षाओं में शी जिनपिंग के विचार[117] पढ़ाए जाते थे; यह हमारे स्कूल के पाठ्यक्रम का हिस्सा था। अगर हम शी जिनपिंग, उनके नेतृत्व और चीन की प्रशंसा में लिखते तो हमें बेहतर अंक मिलते। निबंध और चित्रों का मूल्यांकन इस आधार पर किया जाता था कि हम पार्टी, सरकार और सेना की कितनी प्रशंसा कर पाए।[118]

अगर हमने शी जिनपिंग, उनके नेतृत्व और चीन की प्रशंसा में लिखा तो हमें बेहतर अंक मिले। निबंधों और चित्रों का मूल्यांकन इस आधार पर किया गया कि हम पार्टी, सरकार और सेना की कितनी प्रशंसा कर पाए।
- औपनिवेशिक आवासीय विद्यालय का पूर्व छात्र

बच्चों को सीसीपी के प्रति कृतज्ञता और वफ़ादारी की भावना पैदा करने के लिए सेना का महिमामंडन करना सिखाया जाता है। गांव के किंडरगार्टन (दिन का विद्यालय) के ये प्रीस्कूलर बच्चे बाल दिवस की गतिविधियों में भाग ले रहे थे। स्रोत: 01 जून, 2023 को अबा काउंटी मीडिया सेंटर द्वारा डॉयिन पर पोस्ट किए गए वीडियो से ली गई तस्वीर।

116 Interview 2.
117 Xi Jinping Thought, so named seemingly in an effort to promote Xi Jinping to the same level of importance in Chinese leadership as Mao Zedong, is a set of governance principles officially incorporated into the Chinese school curriculum in 2021.
118 Interview 12.

30 मई, 2023 को लैब्रांग तिब्बती किंडरगार्टन में 'लिटिल चाइनीज हार्ट, डीप पैट्रियटिक फीलिंग्स'» थीम पर बाल दिवस प्रदर्शन। प्रीस्कूल में डे स्टूडेंट और बोर्डिंग स्टूडेंट दोनों हैं। स्रोत: डॉयिन.[119]

चीन में सभी छात्रों को एक ही राजनीतिक पाठ्यक्रम पढ़ाया जाता है, जिसका उद्देश्य शी जिनपिंग और कम्युनिस्ट पार्टी के प्रति वफादारी पैदा करना है। हालांकि, तिब्बत में शिक्षा से तिब्बतीपन की भावना को व्यवस्थित रूप से दूर करने और छात्रों की प्राथमिक पहचान को तिब्बती के बजाय चीनी बनाने के लिए की जा रही एक बड़ी साजिश का हिस्सा है। सबसे अच्छा तिब्बती वही है जो अपने को चीनी होने की एक उप-श्रेणी का मान लेता है, जिसमें चीनी राष्ट्र के समुदाय की भावना सर्वोपरि होती है।[120]

तिब्बती शैक्षणिक समाजशास्त्री ग्याल लो बताते हैं कि आवासीय विद्यालय प्रणाली तिब्बतियों की शिक्षा के पारंपरिक दर्शन का कैसे खंडन करती है और इसके क्या दुष्प्रभाव पड़ते हैं:

> औपनिवेशिक आवासीय विद्यालय प्रणाली तिब्बती पठार में तिब्बतियों की पहचान, मूल्य प्रणाली और अद्वितीय सांस्कृतिक परंपरा से तिब्बती बच्चों की पूरी पीढ़ी को अलग कर रही है। जबकि तिब्बती सांस्कृतिक दृष्टिकोण करुणा और ज्ञान के सचेत विकास पर आधारित है। इसके बजाय आवासीय विद्यालयों के पाठ्यक्रम स्वयं और दूसरों दोनों के संबंध में जीवन में अवमूल्यन को बढ़ावा देता है। संक्षेप में, तिब्बत में औपनिवेशिक आवासीय विद्यालय प्रणाली तिब्बती जीवन- मूल्य को मौलिक रूप से नया रूप दे रही है।[121]

तिब्बती बच्चों को राजनीतिक विचारधारा से भर देने के साथ-साथ आवासीय विद्यालय आक्रामक भाषाई और सांस्कृतिक संहार में भी संलग्न हैं। जिन बच्चों की मातृभाषा तिब्बती है, उन्हें लगभग पूरी तरह से चीनी भाषा में स्कूली शिक्षा दी जाती है, जिसमें प्रीस्कूलर भी शामिल हैं। कई विवरणों में तिब्बती तस्वीरों और सामग्रियों को कक्षा के अंदर या बाहर प्रतिबंधित किए जाने का वर्णन किया गया है। इसके अलावा, तिब्बती इतिहास और संस्कृति को पाठ्यक्रम से हटा दिया गया है, ताकि बच्चे केवल चीनी पहचान और संस्कृति से ही रू-ब-रू हो सकें। उदाहरण के लिए, एक मामले में जहां एक शिक्षक ने छात्रों को चीनी संस्करण के साथ-साथ एक दस्तावेज का तिब्बती भाषा संस्करण देने की कोशिश की, उन्हें फटकार लगाई गई।[122] एक अन्य मामले में, एक व्यक्ति ने बताया कि कैसे सभी प्रीस्कूल गतिविधियों को चीनी भाषा में आयोजित किया जाना था, और बच्चों को तिब्बती खेल खेलने की भी अनुमति नहीं थी।[123] हाल ही में तिब्बत से भाग कर भारत आए एक तिब्बती ने कहा:

> मुझे लगता है कि चीनी सरकार हमारी भाषा, परंपरा और साहित्य को मिटाना चाहती है... जब हम स्कूल में थे, तो तिब्बती भाषा और तिब्बती इतिहास पढ़ाया जाता था। लेकिन अब सभी पाठ्यपुस्तकें बदल गई हैं, यह पूरी तरह से

119 Available at https://www.douyin.com/?vid=7239167202669153548 (accessed May 10, 2025).
120 This phrase is frequently invoked by Xi Jinping, for example, see Xinhua, “Xi Stresses Ecological Conservation on Qinghai-Xizang Plateau, High-quality Development,” June 21, 2024, https://english.news.cn/20240621/6861339a5cea4ea58e104862058af8a6/c.html (accessed February 25, 2025), Internet Archive: https://web.archive.org/web/20250506143908/https://english.news.cn/20240621/6861339a5cea4ea58e104862058af8a6/c.html.
121 Interview with Gyal Lo, April 25, 2025.
122 Online Commenter 4
123 Online Commenter 72.

अलग है। बच्चे तिब्बती और तिब्बती इतिहास नहीं पढ़ सकते। उन्हें चीनी भाषा और चीनी लेखकों द्वारा लिखा गया चीन का इतिहास पढ़ाया जाता है।[124]

चीनी सरकार व्यापक प्रचार अभियान चला रही है। इसमें कहा जा रहा है कि तिब्बती छात्रों को आवासीय विद्यालयों में द्विभाषी शिक्षा मिलती है और विद्यालय तिब्बती बच्चों को उनकी तिब्बती संस्कृति और विरासत का महत्व सिखाते हैं। हालांकि, चीनी सरकार के लिए द्विभाषी का अर्थ है चीनी का वृहद उपयोग और कम से कम तिब्बती की पढ़ाई।[125] तिब्बत में आवासीय विद्यालयों के बारे में सरकारी मीडिया के लेखों में अक्सर मुस्कुराते हुए माता-पिता और दादा-दादी दिखाई देते हैं और कभी-कभी तिब्बती शिक्षक या शिक्षाविद इस प्रणाली का बचाव करते हैं।[126] लेकिन ऑफलाइन में तिब्बती अपनी चिंता- यहां तक कि निराशा व्यक्त करते हैं कि एक के बाद एक स्कूल चीनी-माध्यम पाठ्यक्रम में बदल रहे हैं और आगे इस बात का गंभीर खतरा है कि तिब्बती बच्चे एक पीढ़ी के बाद अपनी भाषा नहीं बोल पाएंगे।

मुझे लगता है कि चीनी सरकार हमारी भाषा, परंपरा और साहित्य को मिटाना चाहती है।
- हाल ही में तिब्बत से भागा एक तिब्बती

एक तिब्बती ने बच्चों की तिब्बती बोलने की क्षमता में देखे गए भारी बदलावों का वर्णन किया:

> बच्चे विदेशों में पले-बढ़े बच्चों की तरह हैं। वे केवल मंदारिन में बोलते हैं, हालांकि कुछ अभी भी अपने माता-पिता के तिब्बती संवाद को समझते हैं, लेकिन वे केवल मंदारिन में जवाब देते हैं। बच्चों की प्राथमिक भाषा मंदारिन बन रही है और अपनी दैनिक बातचीत में वे विशेष रूप से मंदारिन का उपयोग करते हैं। उन्हें सोमवार से शुक्रवार तक स्कूल में रहना पड़ता है... तिब्बती भाषा की स्थिति चिंताजनक है।[127]

विदेश में रहने वाले औपनिवेशिक आवासीय विद्यालय के छात्र गहन चीनी शिक्षा का वर्णन करते हैं, जिसमें, सबसे अच्छी स्थिति में, उनकी मातृभाषा में छोटी भाषा की कक्षाएं होती हैं। ल्हासा (ལྷ་ས།) के एक पूर्व छात्र ने अपने अनुभव का वर्णन किया:

> प्रतिदिन 45 मिनट के लिए तिब्बती कक्षा होती है... यहां तक कि तिब्बती शिक्षक भी तिब्बती कक्षा के दौरान मंदारिन शब्दों का उपयोग करते हैं। तिब्बती भाषा की कक्षा के अलावा दिन का हर मिनट मंदारिन बोलने में व्यतीत होता है।[128]

तिब्बती भाषा की कक्षा के अलावा दिन का हर मिनट मंदारिन भाषा बोलने में व्यतीत होता है।
- औपनिवेशिक आवासीय विद्यालय का पूर्व छात्र

एक अन्य पूर्व छात्र ने यह भी बताया कि उनकी सभी कक्षाएं - चीनी, गणित, तिब्बती, विज्ञान, कला, शारीरिक शिक्षा, नृत्य और संगीत - तिब्बती कक्षा को छोड़कर चीनी में पढ़ाई जाती थीं। इसके अलावा, दैनिक अवकाश के दौरान, छात्रों को चीनी राष्ट्रगान गाने के साथ-साथ 'चीनी कम्युनिस्ट पार्टी, राज्य और पीएलए (पीपुल्स लिबरेशन आर्मी) की प्रशंसा करने वाले गीत - जैसे पार्टी से प्यार करो, देश से प्यार करो और सेना से प्यार करो' गाने की आवश्यकता होती थी और स्कूल के अधिकारी 'हमें चीनी भाषा में बोलने के लिए प्रोत्साहित करते थे।'[129]

एक अन्य छात्र ने बताया:

> मेरे स्कूल में अधिकांश शिक्षक चीनी हैं। तिब्बती शिक्षक बहुत कम हैं और वे केवल तिब्बती पढ़ाते हैं। तिब्बती कक्षा को छोड़कर, सब कुछ चीनी में पढ़ाया जाता है।[130]

सरकार के चीन तिब्बती विज्ञान अनुसंधान केंद्र के एक चीनी विद्वान ने सरकारी मीडिया आउटलेट 'ग्लोबल टाइम्स' के लिए एक विचार लेख में चीनी भाषा पर जोर देने और तिब्बती को कमतर आंकने की प्रेरणा को स्पष्ट किया:

> ... राष्ट्रीय आम भाषा का उपयोग ही जिजांग स्वायत्त क्षेत्र (तिब्बत) में राष्ट्रीय एकता और समृद्धि प्राप्त करने का एकमात्र तरीका है। राष्ट्रीय एकता बनाए रखने और राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा के लिए राष्ट्रीय आम भाषा सीखना और उसका उपयोग करना आवश्यक है। जिजांग क्षेत्र चीन में एक

124 Interview 1.
125 Human Rights Watch, "China's 'Bilingual Education' Policy in Tibet," 1.
126 For example, see CGTN, "Life at a Boarding School in China's Xizang Autonomous Region," available at: https://www.youtube.com/watch?v=oauiAGiWjRc (accessed March 14, 2024).
127 Online Commenter 93.
128 Interview 11.
129 Interview 12.
130 Interview 6.

> महत्वपूर्ण वैचारिक संघर्ष का मैदान है, क्योंकि यह एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है जहां शत्रुतापूर्ण विदेशी ताकतें अलगाववादी और घुसपैठ करने वाली गतिविधियों को अंजाम देने का प्रयास करती हैं।[131]

शैक्षणिक शोध का एक बड़ा हिस्सा दिखाता है कि मातृभाषा आधारित शिक्षा, विशेष रूप से प्रारंभिक शिक्षा और प्राथमिक विद्यालय में, बच्चों के लिए अपने पूरे स्कूली वर्षों में सफल होने का सबसे अच्छा तरीका है।

तिब्बती बच्चों को छोटी उम्र से ही चीनी भाषा के माहौल में डुबो देना उनकी सफलता और खुशहाली को खतरे में डालता है। अकादमिक शोध के एक बड़े समूह से पता चलता है कि मातृभाषा आधारित शिक्षा, विशेष रूप से प्रारंभिक शिक्षा और प्राथमिक विद्यालय में शिक्षा, बच्चों के लिए अपने स्कूली वर्षों में सफल होने का सबसे अच्छा तरीका है।[132] शोधकर्ताओं का कहना है कि सच्ची द्विभाषी शिक्षा प्राप्त करने के लिए छह से आठ साल की मातृभाषा आधारित शिक्षा देनी चाहिए। इसके बाद धीरे-धीरे दूसरी भाषा में बदलाव किया जाना चाहिए। साथ ही प्राथमिक भाषा में निरंतर अवसर दिए जाने चाहिए।[133] वास्तव में, 'सबसे मजबूत रूप से स्थापित निष्कर्षों में से एक' यह है कि मजबूत द्विभाषी कार्यक्रम छात्रों की दूसरी, बहुसंख्यक भाषा सीखने की क्षमता को कम किए बिना, पहली अल्पसंख्यक भाषा में शिक्षा को महत्वपूर्ण बना सकते हैं।[134]

शोधकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि अगर बच्चों को बहुत जल्दी या बहुत तेजी से दूसरी भाषा सीखने के लिए मजबूर किया जाता है, तो उनकी मातृभाषा की याददाश्त तेजी से खत्म हो जाती है। लेकिन यह केवल भाषा का नुकसान नहीं है: इसका स्कूल में उनकी सफलता और उनके परिवार और समुदाय से जुड़ाव की दीर्घकालिक भावना दोनों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। स्कूल में वे कम प्रेरित हो सकते हैं, सीखने में कठिनाई महसूस कर सकते हैं या जल्दी ही पढ़ाई छोड़ सकते हैं।[135] किशोरावस्था तक, 'माता-पिता और बच्चों के बीच भाषाई अंतर एक भावनात्मक खाई बन गया है। छात्र अक्सर घर और स्कूल दोनों की संस्कृतियों से अलग-थलग पड़ जाते हैं, जिसके परिणाम पहले से ही तय होते हैं।'[136] बच्चों को 'अपने परिवारों और समुदायों की भाषा बोलने में विफल होने और अपनी सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने की क्षमता खोने' का जोखिम होता है।[137]

ये चेतावनियां लगभग तिब्बतियों के अनुभवों और आशंकाओं को प्रतिध्वनित करती हैं, जो देखते हैं कि उनके बच्चे न केवल अपनी भाषा खो रहे हैं, बल्कि अपने परिवार, अपनी संस्कृति और अपने समाज में अपनी रुचि और उनके साथ अपना जुड़ाव भी खो रहे हैं।

---

131 Liang Junyan, "Debunking the Lie that People in Xizang Are Forced to Use Common National Language," Global Times, April 27, 2023, Op-ed, available at https://www.globaltimes.cn/page/202304/1289913.shtml (accessed August 15, 2024), Internet Archive: https://web.archive.org/web/20250515181411/https://www.globaltimes.cn/page/202304/1289913.shtml.
132 Jessica Ball, Global Partnership for Education, "Children Learn Better in Their Mother Tongue," February 21, 2014, available at: https://www.globalpartnership.org/blog/children-learn-better-their-mother-tongue (accessed February 22, 2025).
133 Jessica Ball, "Educational Equity for Children From Diverse Language Backgrounds: Mother Tongue-based Bilingual or Multilingual Education in the Early Years," UNESCO, 2011, available at: https://unesdoc.unesco.org/ark:/48223/pf0000212270 (accessed October 19, 2024), 6.
134 Cummins, Jim. "Bilingual Children's Mother Tongue: Why Is It Important for Education?" Sprogforum 7, no. 19 (2001), 18.
135 Ball, "Educational Equity for Children From Diverse Language Backgrounds," 6.
136 Cummins, 19.
137 Ball, "Children Learn Better in Their Mother Tongue."

मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक क्षति

बच्चों को चार साल की उम्र से ही उनके परिवारों और समुदायों से दूर करने, उन्हें अपनी मातृभाषा बोलने से रोकने और उन्हें खुद को चीनी के रूप में देखने के लिए प्रेरित करने की नीतियां तिब्बती बच्चों को मनोवैज्ञानिक नुकसान पहुंचा रही हैं।

कुछ छोटे बच्चे तो आधी रात को अक्सर रोते हुए जाग जाते हैं और स्कूल के गेट की ओर भागते हैं।
- औपनिवेशिक आवासीय विद्यालय का पूर्व छात्र

औपनिवेशिक आवासीय विद्यालयों या प्रीस्कूल में जाने पर बच्चे अपने परिवारों से अलग होने और अचानक एक नई भाषा और संस्कृति वाले माहौल में डाल दिए जाने के आघात से पीड़ित होते हैं। निर्वासन में रह रहे आवासीय विद्यालय के एक पूर्व छात्र ने याद करते हुए बताया:

> मुझे याद है कि पहले कुछ दिन मुश्किल के थे। मुझे अपने परिवार की याद आती थी और मैं आघात के कारण रो नहीं सकता था। मैं अन्य छात्रों और शिक्षकों से संवाद नहीं कर सकता था क्योंकि मैं तब चीनी नहीं जानता था। ऐसे कई अन्य बच्चे थे जिन्हें अपने परिवार की याद आती थी और वे रोते थे। कुछ छोटे बच्चे, आधी रात को अक्सर रोते हुए जाग जाते थे और स्कूल के गेट की ओर भागते थे।[138]

छात्र ने आगे बताया:

> हमें गर्मियों और सर्दियों में स्कूल की छुट्टियां मिलती थीं और हमें पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ़ चाइना के राष्ट्रीय दिवस, 01 अक्तूबर से भी पांच दिन की छुट्टी मिलती थी। लेकिन मैं पांच दिन की छुट्टी के लिए घर नहीं गया। विद्यालय से मेरा गांव कार से पूरे एक दिन की दूरी पर है। चूंकि मैं अपने परिवार को बहुत बार नहीं देखता था, इसलिए सबसे कठिन या चुनौतीपूर्ण हिस्सा परिवार से दूर रहना और उन्हें याद करना था... स्कूल में, मैं लगभग 20 छात्रों के समूह में था। हम छात्रों का एक समूह था, जो अक्सर घर नहीं जाते थे और परिवार से ज़्यादा संपर्क नहीं रखते थे।

छात्र ने बाद में बताया कि इससे उन्हें मनोवैज्ञानिक रूप से क्या दुष्प्रभाव पड़ा:

कभी-कभी, मुझे स्कूल में कैदी जैसा महसूस होता था।
- औपनिवेशिक आवासीय विद्यालय का पूर्व छात्र

> तिब्बत में आवासीय विद्यालय चीनी सरकार की एक बड़ी परियोजना है। चूंकि मैं बहुत छोटा था और चीनी नहीं समझता था, इसलिए मुझे शिक्षकों और छात्रों से बात करने में डर लगता था। मुझे हर दिन अपने माता-पिता की याद आती थी। बाद में मैंने किसी से बात करने या ऐसी जगह जाने की हिम्मत भी खो दी जहां लोग हों। आवासीय विद्यालय में बिताए दिनों में मैंने वास्तव में कुछ खास नहीं सीखा। मैं दुखी और खोया हुआ रहता था।[139]

अन्य पूर्व छात्रों ने सहमति जताते हुए कहा कि परिवार से अलग रहना और घर न जा पाना औपनिवेशिक आवासीय विद्यालय का सबसे कठिन पहलू था।[140] एक ने कहा, 'कभी-कभी, मुझे स्कूल में कैदी जैसा महसूस होता था।'[141]

सबसे बुरी बात यह है कि औपनिवेशिक आवासीय विद्यालय में जबरन उपस्थिति के कारण बच्चों ने आत्महत्या तक कर ली हैं। 2024 में आरएफए ने बताया कि औपनिवेशिक आवासीय विद्यालय में जाने के लिए मजबूर किए गए 17 वर्षीय भिक्षु ने आत्महत्या कर ली थी। उनके सूत्रों ने बताया कि कैसे लड़के को 14 साल की उम्र में उसके मठ से निकाल दिया गया था। स्कूल की छुट्टियों के दौरान भी उसे मठ में वापस जाने की अनुमति नहीं थी। लड़का समय-समय पर उदास हो जाता था, खाना बंद कर देता था, बीमार हो जाता था और उसे उसके परिवार के पास घर भेज दिया जाता था।

हालांकि शुरू में अधिकारियों ने उसे और अन्य युवा भिक्षुओं को कुछ अवसरों पर स्कूल में भिक्षुओं के कषाय वस्त्र पहनने और कभी-कभी स्कूल छोड़ने की अनुमति दी थी

लेकिन 2024 की शुरुआत में प्रतिबंध कड़े कर दिए गए। इस समय युवा भिक्षुओं से कहा गया कि उन्हें चीवर उतारकर स्कूल में

138 Interview 12
139 Interview 12.
140 Interview 14.
141 Interview 13.

स्थायी रूप से रहना होगा।

एक सूत्र ने कहा, 'उसने कहा था कि अगर उसे हमेशा के लिए अपने चीवर उतार दिए जाएं और सादे कपड़ों में स्कूल जाने के लिए कहा जाए, तो वह आत्महत्या कर लेगा।' नए प्रतिबंधों के लागू होने के साथ, लड़का फिर से उदास हो गया और उसने आत्महत्या कर ली।[142]

मेरी भतीजी, जो आवासीय विद्यालय में है, जब छुट्टियों में घर आती है तो घर पर अकेली रहना पसंद करती है। उसे परिवार के अन्य सदस्यों से संवाद करना पसंद नहीं है। **- हाल ही में तिब्बत से भागे तिब्बती**

बच्चों को उनके परिवारों, संस्कृति और परंपराओं से अलग करते हुए उन्हें जबरन सीसीपी विचारधारा की घुट्टी पिलाकर सरकारी आवासीय विद्यालय 'भाषा और तिब्बती जीवन शैली, संस्कृति और परंपरा सीखने के लिए माता-पिता और बच्चों के बीच एक विभेद पैदा करते हैं।'[143] तिब्बती भाषा की क्षमता और तिब्बती संस्कृति में जड़ों का विनाश बच्चों को उनकी विरासत से अलग कर देता है, जो विभिन्न तरीकों से प्रकट होता है। कई युवा तिब्बती 'स्थानीय जगहों, पौधों, पक्षियों और जानवरों के नाम तक नहीं जानते।'[144] शी जिनपिंग द्वारा चीनी शिक्षण और शिक्षा के चरम उपायों को लागू करने से पहले ही आवासीय विद्यालयों में जाने वाले एक व्यक्ति ने याद किया कि उसे ऐसा महसूस हो रहा था कि वह घोड़े की काठी बांधने या रसोई में आग जलाने जैसे रोज़मर्रा के घरेलू कामों से 'दूर हो गया है'। वह याक जैसे जानवरों से भी डरता था, उसे लगता था कि वे उस पर हमला करेंगे।[145]

बच्चों का अपने परिवार और समुदाय से सामाजिक-भावनात्मक जुड़ाव भी खत्म हो जाता है। हाल ही में पलायन कर भारत आए एक तिब्बती ने बताया कि वह औपनिवेशिक आवासीय विद्यालय को अपने परिवार पर दुष्प्रभाव डालते देखता है:

> मेरी भतीजी, जो आवासीय विद्यालय में है, जब छुट्टियों में घर आती है तो घर पर अकेली रहना पसंद करती है। उसे परिवार के अन्य सदस्यों से संवाद करना पसंद नहीं है। चीनी आवासीय विद्यालयों में पढ़ने वाले तिब्बती बच्चों में अपने दादा-दादी और माता-पिता के साथ सांस्कृतिक और व्यवहार संबंधी अंतर विकसित होते हैं।[146]

एक दूसरे तिब्बती ने बताया:

> मेरे भतीजे और भतीजियां...केवल चीनी भाषा में बात करते हैं। जब वे स्कूल से घर आते हैं, तो वे वास्तव में कोई घरेलू काम नहीं कर पाते हैं। बच्चे कृतघ्न हो गए हैं- एक तरह से अभिमानी- और माता-पिता सोचते हैं कि अगर बच्चे केवल स्कूल में यही सीख रहे हैं तो उन्हें न भेजना ही बेहतर है।[147]

तिब्बती और अन्य गैर-चीनी बच्चों पर आवासीय विद्यालय जीवन के हानिकारक सामाजिक, भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक दुष्प्रभावों को चंद तिब्बती और चीनी अकादमिक पत्रों में स्थान दिया गया है। चीन के 'नस्लीय क्षेत्रों' में आवासीय प्राथमिक विद्यालयों पर चीनी शिक्षाविदों द्वारा 2020 में किए गए एक अध्ययन में कहा गया है कि स्कूल अक्सर छात्रों, खासकर युवा छात्रों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य की पर्याप्त सुरक्षा करने में विफल रहे। शोधकर्ताओं ने पाया कि माता-पिता की देखभाल के अभाव के कारण, आवासीय विद्यालयों के छात्र अक्सर असहाय और बेहद अकेला महसूस करते हैं। शिक्षकों और छात्रावास प्रशासकों ने बताया कि छोटे छात्र अक्सर रात में अपने माता-पिता के लिए रोते हैं और कैसे हर साल नए छात्र शुरू में कई-कई दिनों तक रोते रहते हैं। इसके अतिरिक्त, कई छात्रों को अक्सर बदमाश लोगों को झेलना पड़ा, जिससे उन्हें काफी मनोवैज्ञानिक परेशानी और डर का सामना करना पड़ा।[148]

यू-सांग (དབུས་གཙང་།) के दो क्षेत्रों में आवासीय विद्यालयों में रहने वाले 3,500 तिब्बती मिडिल स्कूल के छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों को लेकर 2021 के किए गए एक अध्ययन ने निष्कर्ष निकाला कि «तिब्बती मिडिल स्कूल के छात्रों में मनोवैज्ञानिक समस्याएं अपेक्षाकृत अधिक हैं।

142 , "Exclusive: Teen Tibetan Monk Takes Own Life After Being Forced to Leave Monastery," May 28, 2024, available at: https://www.rfa.org/english/news/tibet/ monk-robe-death-05282024152017.html (accessed January 24, 2025).
143 Interview 3.
144 Interview 3.
145 Interview 3.
146 Interview 6.
147 Interview 4.
148 Luo, Zhengpeng & Yuan, Ziqian. 民族地区小学寄宿制教育:功效、挑战与发展 [Primary Boarding Education in Ethnic Areas: Efficacy, Challenges and Development]. Contemporary Education and Culture, 12, no. 6 (2020), 106.

उनमें पुरानी यादें, अध्ययन का दबाव, मनोवैज्ञानिक चिड़चिड़ापन, अकेलापन, पारस्परिक तनाव और हीनता सबसे प्रमुख हैं।' इसी अध्ययन में घर से दूर यौवन से गुज़र रही तिब्बती लड़कियों के सामने आने वाली अनूठी चुनौतियों पर भी प्रकाश डाला गया, जिसमें उनके मानसिक स्वास्थ्य को 'बेहद अस्थिर' बताया गया।[149]

कुछ छात्रों में निराशा की भावनाएं विकसित होती हैं, यहां तक कि कुछ में आत्महत्या के विचार भी आते हैं।
- चीनी अकादमिक शोधकर्ता

तिब्बती बच्चों की सेहत पर आवासीय विद्यालयों के नकारात्मक प्रभावों को कम से कम एक दशक से जाना जाता है। इसे तिब्बत एक्शन इंस्टीट्यूट की पहली रिपोर्ट में उद्धृत किया गया है। 2016 के एक अकादमिक शोध-पत्र में पाया गया था कि पूर्वी तिब्बत के दो स्कूलों में कक्षा 7-12 के तीन में से एक तिब्बती छात्र उच्च स्तर के अलगाव का अनुभव कर रहे थे- जिसे पीड़ा या नुकसान की गहरी भावना के साथ-साथ दूसरों के साथ सार्थक रूप से जुड़ने में असमर्थता के रूप में वर्णित किया गया था। शोध-पत्र में अकादमिक शोध का हवाला दिया गया, जिसमें दिखाया गया है कि व्यवहार संबंधी मुद्दे, मादक द्रव्यों के सेवन और आत्महत्या उच्च स्तर के अलगाव से जुड़े हैं।[150] इसके अतिरिक्त, 2014 के एक अध्ययन में तिब्बती आवासीय विद्यालयों के छात्रों में उदासीनता, चिंता और बातचीत संबंधी विकारों सहित मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं की अलग-अलग अवस्थिति पाई गई।2016[151] के एक अन्य शोध-पत्र में चेतावनी दी गई थी कि भावनात्मक आउटलेट के बिना, छात्रों को 'चिंता, चिड़चिड़ापन, मनोदशा में बदलाव और गंभीर मामलों में अवसाद' का सामना करना पड़ेगा। इसमें आगे कहा गया, 'इससे भी ज़्यादा चिंता की बात यह है कि कुछ छात्रों में निराशा की भावनाएं विकसित हो जाती हैं, यहां तक कि कुछ में आत्महत्या के विचार भी आते हैं।'[152]

ये अध्ययन उस भारी मनोवैज्ञानिक, भावनात्मक और सामाजिक नुकसान की पुष्टि करते हैं, जिसे तिब्बती औपनिवेशिक आवासीय विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों के बीच देखा जाता है। अपने आप में खो जाने और घर की याद आने की भावनाएं, पहचान को जान-बूझकर फिर से आकार देने के साथ मिलकर बच्चों को धीरे-धीरे उनके परिवारों और समुदायों से अलग कर देती हैं, जबकि उनकी खुद की पहचान को बदल देती हैं। समय के साथ, यह बच्चों और उनके अपने परिवारों के बीच स्थायी दूरी और अपरिवर्तनीय अलगाव पैदा करता है। यह बच्चों के अपने बड़े समुदाय और तिब्बतियों के साथ संबंधों को भी बदलता है, सामाजिक सामंजस्य को तोड़ता है और उन मानदंडों और संस्थानों को खत्म करता है, जिन्होंने सदियों से तिब्बतियों को एक साथ रखा है।

149 Zhao, Hengshan, Jiang, Yongzhong & Ye, Fujun. 异地办学和寄宿制下藏族中学生心理健康实证研究: 以西藏那曲、阿里两地中学为例 [An Empirical Study on the Mental Health of Tibetan Middle School Students Under Off-Site Education and Boarding System: Using Middle Schools in Nagchu and Ngari Regions of Tibet as Examples]. Journal of Guangxi Institute of Education, no. 4 (2021), 182.
150 Cao, Gazang. "Alienation of Tibetan Adolescents in Rural Boarding Schools." Frontiers of Education in China, 11, no. 4 (2016), 503-504.
151 Xiaoping, Wang & Tashi Dondrob. 藏区寄宿制学校有效植入家庭教育策略探析 [An Analysis of Strategies for Effectively Implanting Family Education into Boarding Schools in Tibetan Areas]. Industry and Information Technology Education, (2014), 89.
152 Li, Chengxiang. 关于少数民族地区寄宿生心理存在的问题研究: 以天祝藏族自治县为例 [Research on Psychological Issues Among Boarding Students in Ethnic Minority Areas: A Case Study of Pari (Chinese: Tianzhu) Tibetan Autonomous County]. Educational and Teaching Research, Gansu Provincial Institute of Education and Science,(2016), 13.

औपनिवेशिक विचारधारा से लेकर नस्लवादी नीतियों तक

यह महत्वाकांक्षी परियोजना, जिसका उद्देश्य तिब्बती पहचान की नींव को एक-नस्लीय और एकभाषी चीनी सांस्कृतिक पहचान में बदलना है, हान वर्चस्व की औपनिवेशिक विचारधारा से प्रेरित है, जिस पर हमारी 2021 की रिपोर्ट में चर्चा की गई है।[153] सरकार के बयान, नीति निर्देश और कई चीनी शिक्षाविदों के लेखन[154] एक नस्लवादी विश्वदृष्टि को दर्शाते हैं जो तिब्बतियों को इतना कृतघ्न और असभ्य लकीर का फकीर बताती है, जो चीन के सभ्य मिशन द्वारा उन्हें दिए गए आधुनिकीकरण के वरदान का लाभ उठाने और उसकी सराहना करने के भी अयोग्य हैं।

चीनी श्रेष्ठता और तिब्बती हीनता की धारणा तिब्बत में चीनी सरकार की औपनिवेशिक शिक्षा प्रणाली के हर पहलू का आधार है।[155] सबसे स्पष्ट है चीनी भाषा और सांस्कृतिक मानदंडों को सीधे तौर पर बढ़ावा देना और साथ ही साथ स्कूली प्रणाली के हर पहलू में तिब्बती भाषा, संस्कृति और धार्मिक रीति-रिवाजों को नीचा दिखाना। इसके साथ ही उनका पूर्वाग्रह अन्य तरीकों से भी प्रकट होता है। उदाहरण के लिए, एक चीनी सरकारी प्रतिनिधि ने आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र समिति (सीईएससीआर) के समक्ष सवालों का जवाब देते समय समझाया कि तिब्बती बच्चों को चीनी में शिक्षा दी जाती है, क्योंकि तिब्बती भाषा विज्ञान, तकनीकी, प्रौद्योगिकी और गणित (एसटीईएम) विषयों में शब्दावली की कमी से ग्रस्त है।[156] यह दावा इस वास्तविकता को नजरअंदाज करता है कि खाम (ཁམས།) और अमदो (ཨ་མདོ།) (चीनी: किंगहाई और सिचुआन के क्षेत्र) में तिब्बती लोग लगभग 2020 तक तिब्बती भाषा में गणित, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान और भूगोल पढ़ाते थे यह इस बात को भी नज़रअंदाज़ करता है कि तकनीकी शब्दावली की कमी नए विषयों में सभी भाषाओं के लिए एक आम चुनौती है। यह बहुत पहले की बात नहीं है जब चीन ने समाजशास्त्र और प्राकृतिक विज्ञान जैसे नए विषयों को अपने पाठ्यक्रम में शामिल किया था, तब मंदारिन ने जापानी और अंग्रेजी से हज़ारों शब्द उधार लिए थे।[157] आधुनिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में सभी भाषाओं में शब्दावली का विस्तार हुआ है, और तिब्बती भाषा भी इससे अलग नहीं है। यह दावा कि एसटीईएम विषयों को तिब्बती में नहीं पढ़ाया जा सकता है, इस तथ्य के मद्देनजर विशेष रूप से निंदनीय है कि चीनी सरकार ने खुद एक बड़ा 'चीनी-तिब्बती-अंग्रेजी विज्ञान और प्रौद्योगिकी शब्दकोश' को प्रकाशित किया है।[158]

चीनी श्रेष्ठता और तिब्बती हीनता की धारणा तिब्बत में चीनी सरकार की औपनिवेशिक शिक्षा प्रणाली के हर पहलू में उद्भासित होती है।

तिब्बत में आवासीय विद्यालय प्रणाली के लिए आधिकारिक औचित्य क्लासिक उपनिवेशवाद से परिचित चीन के उद्धारकर्ता की भावना को प्रदर्शित करता है। संयुक्त राष्ट्र में बोलते हुए उसी चीनी सरकारी प्रतिनिधि ने इस प्रणाली को तर्कसंगत बनाने के लिए कहा। उसने यह समझाया कि 'तिब्बती पठार की स्थिति के कारण ऑक्सीजन की मात्रा तुलनात्मक रूप से कम है। मैं शोध करने के लिए उस क्षेत्र में गया था और मैंने पाया कि स्थानीय छात्रों की ऊंचाई आम तौर पर अन्य क्षेत्रों के छात्रों की तुलना में कम है। और लोग अलग-अलग क्षेत्रों में बिखरे हुए हैं। इसलिए इन छात्रों के लिए स्कूल जाना मुश्किल है और शिक्षा की गुणवत्ता की गारंटी देना मुश्किल है।'[159] ले मोंडे के एक हालिया लेख ने चीन के सरकारी मीडिया में दिए गए इसी तरह के तर्कों को उजागर किया, जिसमें दावा किया गया था कि 'तिब्बती पठार पर 4,200 मीटर की औसत ऊंचाई, अलगाव और कठोर जलवायु परिस्थितियां वहां खराब गुणवत्ता वाली शिक्षा का मुख्य कारण हैं'और जब बच्चे चीनी शहरों में आवासीय विद्यालयों में जाते हैं, तो उनके परीक्षा

153 Tibet Action Institute, "Separated from Their Families, Hidden from the Word," 11.
154 For recent examples of academic bias, see controversy around an article published in Cultural Diversity & Ethnic Minority Psychology, available at: https://psycnet.apa.org/fulltext/2025-31211-001.html (accessed January 29, 2025).
155 For example, see Huatse Gyal. "Our Indigenous Land is Not a Wasteland." American Ethnologist, February 6, 2021, available at: https://americanethnologist.org/features/reflections/our-indigenous-land-is-not-a-wasteland (accessed January 24, 2025).
156 United Nations – UN Web TV, "7th Meeting, 73rd Session, Committee on Economic, Social and Cultural Rights (CESCR)," beginning at 1:42:17, available at: https://webtv.un.org/en/asset/k1v/k1vrez9w0u (accessed January 24, 2025).
157 Leibold, James and Dorjee, Tenzin. "Learning to Be Chinese: Colonial-Style Boarding Schools on the Tibetan Plateau." Comparative Education, 60, no. 1, (2023).
158 China Tibet Online, "The Chinese-Tibetan-English Dictionary of Science and Technology Officially Published by Minzu Publishing House," March 30, 2023, available at: http://m.tibet.cn/eng/news/tibetan/202303/t20230330_7389179.html (accessed November 26, 2024), Internet Archive: https://web.archive.org/web/20250506144824/https://m.tibet.cn/eng/news/tibetan/202303/t20230330_7389179.html.
159 United Nations – UN Web TV, "7th Meeting, 73rd Session, Committee on Economic, Social and Cultural Rights (CESCR)," beginning at 144:36.

स्कोर बेहतर हो जाते हैं।[160]

यह प्रवृत्ति तिब्बतियों को एक नस्लवादी ढांचे में बांधते हैं। तिब्बतियों के नेतृत्व में उच्च गुणवत्ता वाली स्कूली शिक्षा के विस्तार का समर्थन करने के बजाय, शी जिनपिंग के नेतृत्व में बीजिंग ने तिब्बतियों के नेतृत्व वाली शिक्षा पहलों को कम करने और उन्हें जबरन चीनी शिक्षा में विलय करने का हरसंभव प्रयास किया है। तिब्बती शिक्षाविदों, शिक्षकों और अभिभावकों द्वारा सांस्कृतिक रूप से सम्मानजनक और स्थानीय रूप से प्रासंगिक शैक्षिक समाधान विकसित करने के लिए पिछले दो दशकों में किए गए महत्वपूर्ण काम को उलट दिया गया है, जिसमें तिब्बती द्वारा संचालित निजी स्कूलों को बंद करना, स्कूलों में तिब्बती शिक्षकों को दरकिनार करना और तिब्बतियों के लिए शिक्षक प्रशिक्षण संसाधनों को हटाना शामिल है। तिब्बती शैक्षिक समाजशास्त्री ग्याल लो बताते हैं कि कैसे कई तिब्बती काउंटियों में शिक्षक प्रशिक्षण स्कूल हुआ करते थे, लेकिन चीनी अधिकारियों ने उन्हें एक दशक से भी पहले बंद कर दिया। अब, 'वे जान-बूझकर तिब्बती शिक्षक नहीं दे रहे हैं, जिससे शिक्षण की गुणवत्ता कम हो रही है। (चीनी अधिकारी) बाद में शिक्षकों की गुणवत्ता को दोष देते हैं और कहते हैं कि हमें चीनी शिक्षकों की आवश्यकता है।'[161]

तिब्बतियों के नेतृत्व में उच्च गुणवत्ता वाली स्कूली शिक्षा के विस्तार का समर्थन करने के बजाय, शी जिनपिंग के नेतृत्व में बीजिंग ने तिब्बती नेतृत्व वाली शिक्षा पहलों को कमजोर करने और उन्हें जबरन चीनी शिक्षा में विलय करने का हरसंभव प्रयास किया है।

अपने मूल में, चीनी सरकार की औपनिवेशिक आवासीय विद्यालय प्रणाली 21वीं सदी में उपनिवेशवाद के भयावह उदाहरण का प्रतिनिधित्व करती है। ये संस्थाएं 19वीं और 20वीं शताब्दियों में उत्तरी अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया में स्वदेशी समुदायों को तबाह करने वाले जघन्य आवासीय विद्यालयों और बच्चों को अलग करने के अन्य रूपों की याद दिलाती हैं, उन्हें बड़े पैमाने पर सांस्कृतिक संहार, जबरन आत्मसात करने और उनके वंशजों को विरासत में पीढ़ी-दर- पीढ़ी आघात पर आघात देनेवाली हैं। ऐसे समय में जब पश्चिमी देशों ने अपने नरसंहार की विरासतों का आकलन करना शुरू कर दिया है- नवंबर 2024 में अमेरिकी राष्ट्रपति बिडेन ने आधिकारिक तौर पर अमेरिकी सरकार की भूमिका के लिए माफ़ी मांगी, जिसे उन्होंने 'अमेरिकी इतिहास पर एक धब्बा' कहा।[162] लेकिन कनाडा और ऑस्ट्रेलिया द्वारा अपने औपनिवेशिक अपराधों के लिए पश्चाताप दिखाने के उदाहरणों का अनुसरण करते हुए- चीनी सरकार ने ऐसी कोई माफी नहीं मांगी और उदारता नहीं दिखाई है। इसके विपरीत, बीजिंग ने दिखाया है कि वह केवल कनाडा और अमेरिकी सरकारों का फायदा उठाकर तिब्बती लोगों के खिलाफ चीनी अत्याचारों को सही ठहराने में संलग्न है।[163]

अंततः, चीन की औपनिवेशिक आवासीय विद्यालय प्रणाली तिब्बती बच्चों को उनके परिवारों, उनकी भाषा और उनकी विरासत से अलग करना चाहती है और सुनियोजित रूप से यह सुनिश्चित करती है कि तिब्बतियों की अगली पीढ़ी अपनी संस्कृति से अलग होकर बड़ी हो। यह केवल ऐतिहासिक दोहराव नहीं है- यह लोगों पर एक सुनियोजित, आधुनिक हमला है, जिसे एक क्रूर सरकार की सटीकता के साथ तैयार किया गया है जो अपनी औपनिवेशिक महत्वाकांक्षाओं और दमनकारी नीतियों को प्रगति और विकास की भाषा में छिपाता है।

160 Le Monde, "The Tibetan Children Taken to Boarding Schools to Sever Their Roots," April 8, 2025, available at: https://www.lemonde.fr/en/international/article/2025/04/08/the-tibetan-children-taken-to-boarding-schools-to-sever-their-roots_6739949_4.html# (accessed May 12, 2025).
161 Interview with Gyal Lo, April 25, 2025.
162 BBC, "Biden Apologises for Indian Boarding Schools 'Blot on History,'" October 25, 2024, available at: https://www.bbc.com/news/articles/c704z4qxzeno (accessed February22, 2025).
163 For example, see Global Times, "China Strongly Opposes US' Illegal Visa Sanctions on Officials Over So-Called Forcible Assimilation in Xizang," August 23, 2023, available at: https://www.globaltimes.cn/page/202308/1296824.shtml (accessed May 12, 2025), Internet Archive: https://web.archive.org/web/20250515195921/https://www.globaltimes.cn/page/202308/1296824.shtml.

निष्कर्ष: विकल्प और प्रतिरोध

चीनी सरकार सांस्कृतिक मतभेदों को दूर करके अपने शासन के लिए संभावित चुनौतियों को रोकने के प्रयास में तिब्बतियों और सीसीपी शासन के तहत रहने वाले अन्य गैर-चीनी लोगों को जबरन एक राष्ट्रीय पहचान में मिला देने की कोशिश कर रही है। तिब्बत में, बच्चों को इस उद्देश्य के लिए प्राथमिक साधन के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। दमनकारी शैक्षणिक नीतियों के माध्यम से विलय किया जा रहा है जो स्कूल के अंदर और बाहर बच्चों के जीवन के हर पहलू में व्याप्त हैं। इनमें से सबसे विनाशकारी औपनिवेशिक आवासीय विद्यालय और प्रीस्कूल की प्रणाली है, जो बच्चों को दुर्व्यवहार और उपेक्षा को उजागर करती है। यह प्रणाली चार साल की उम्र के बच्चों को अपने परिवारों से दूर रखती है, बच्चों को सीसीपी विचारधारा में ढालती है और उन्हें उनकी भाषा और संस्कृति से अलग करती है। स्थानीय गांव के स्कूल बंद होने, तिब्बतियों द्वारा संचालित निजी स्कूल बंद होने और बच्चों को मठों या भिक्षुणी विहारों में जाने से रोकने के कारण अब स्कूली शिक्षा का कोई अन्य साधन या विकल्प मौजूद नहीं हैं। ऐसे उपायों से माता-पिता के पास अपने बच्चों को दूर भेजने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचता। औपनिवेशिक आवासीय विद्यालय के प्रभाव अतिरिक्त सप्ताहांत और छुट्टियों में चीनी अधिकारियों द्वारा तिब्बती भाषा की कक्षाओं पर प्रतिबंध लगाने से और भी बढ़ गए हैं। साथ ही बच्चों को धार्मिक गतिविधियों में भाग लेने से भी मना किया गया है, भले ही वे घर पर हों।

आवासीय विद्यालय में जाने का अनुभव न केवल व्यक्तियों के लिए बल्कि तिब्बती भाषा और संस्कृति के अस्तित्व के लिए और एक अलग राष्ट्र के रूप में तिब्बतियों के अस्तित्व के लिए भी भी खतरा है।

आवासीय प्रणाली और उससे संबंधित नीतियों के कारण, तिब्बती बच्चे अपनी भाषा, धर्म, संस्कृति, परिवार और पहचान से अलग हो जाते हैं। अपने समुदाय से संबंध खो देते हैं और बच्चों को मानसिक और भावनात्मक नुकसान होता है। आवासीय विद्यालयों में जाने का अनुभव न केवल उन छात्रों की निजी भलाई को खतरे में डालता है, बल्कि तिब्बती भाषा और संस्कृति के अस्तित्व को भी खतरे में डालता है और इस तरह यह, अलग देश के नागरिकों के रूप में तिब्बतियों के अस्तित्व को भी खतरे में डालता है। चीनी सरकार का दृष्टिकोण तिब्बतियों के बारे में औपनिवेशिक दृष्टिकोण से प्रेरित है, जो चीनी लोगों से कमतर हैं और उन्हें सभ्य बनाने की आवश्यकता है।

एक वैकल्पिक रास्ता है। तिब्बती शिक्षा समाजशास्त्री ग्याल लो कहते हैं कि तिब्बती शिक्षा क्या हो सकती है, 'सांस्कृतिक रूप से प्रासंगिक शिक्षा, जहां युवा पीढ़ी अपनी संस्कृति को विरासत में प्राप्त कर सकती है और अपनी भाषा सीख सकती है। साथ ही दूसरी और तीसरी भाषा भी सीख सकती है। इसे उन्हें अपनी परंपराओं, संस्कृति और भाषा में सक्षम बनाने की आवश्यकता है और आधुनिक संदर्भ में भी।' ग्याल लो कहते हैं कि चीनी सरकार द्वारा वर्तमान में किए जा रहे विशाल आवासीय परिसरों के निर्माण में निवेश करने के बजाय संसाधनों को एक ऐसी शिक्षा प्रणाली के निर्माण में लगाया जाना चाहिए जो तिब्बतियों को रोजगार दे और उनकी सेवा करे। तिब्बती शिक्षकों को पाठ्यक्रम डिजाइन करने और तिब्बती संस्कृति के आधार पर पाठ्य-पुस्तकें तैयार करने का अधिकार दिया जाना चाहिए। इसके अलावा, शिक्षक-प्रशिक्षण कार्यक्रमों को फिर से शुरु करने की आवश्यकता है और गांव के स्कूलों को फिर से खोलना चाहिए। तिब्बती भाषा में प्रारंभिक शिक्षा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, लेकिन स्कूल जाने से पहले की उम्र के बच्चों को अपने माता-पिता की देखभाल में रहने की अनुमति दी जानी चाहिए ताकि उनकी भावनात्मक ज़रूरतें पूरी हों और वे अपने घर में रहते हुए सीख सकें।[164]

सही मायनों में तिब्बती शिक्षा प्रणाली को आगे बढ़ाने के लिए संसाधन अभी भी मौजूद हैं। एक दशक से भी कम समय पहले 300 तिब्बती शिक्षाविदों, अभिभावकों और शिक्षकों का एक सम्मेलन हुआ था, जिसमें इस बात पर चर्चा की गई थी कि तिब्बतियों की प्रारंभिक बचपन की शिक्षा कैसी होगी। मुख्य भाषण में सांस्कृतिक रूप से प्रासंगिक, मातृभाषा शिक्षा की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित किया गया, जो कि स्कूल जाने से पहले की उम्र के बच्चों में बौद्धिक विकास के लिए आधार है और शैक्षिक नीतियां जो तिब्बतियों की अनूठी संस्कृति, भाषा, पहचान, जीवन शैली और लोगों के रूप में सोचने के तरीके पर आधारित और उत्तरदायी हैं।[165] उसी समय, तिब्बती प्रोफेसर और शिक्षक तिब्बती भाषा की शिक्षा के लिए समृद्ध नए

संसाधनों को विकसित करने के लिए अपने सीमित स्थान का उपयोग कर रहे थे, जो तिब्बत के भीतर बोलियों और स्थानीय परंपराओं की विविधता के प्रति संवेदनशील हैं और बच्चों की प्राथमिक

164 Interview with Gyal Lo, April 25, 2025.
165 Throwo Gyantsen. 鉴泽教育研究中心第四届藏区教育论坛藏区学前教育学术讨论会主题演讲论文 [The Principles of Physical and Mental Development of Infants and Young Children and Preschool Education in Tibetan Areas]. Keynote paper of the 4th Tibetan Education Forum: Tibetan Preschool Education Symposium of Gyantsen Education Research Center, November 11-19, 2016.

मनोवैज्ञानिक और विकासात्मक आवश्यकताओं को पूरा करने वाले हैं। इन तिब्बती शिक्षकों ने संस्कृति-आधारित बाल साक्षरता को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास किए, जो न केवल प्रारंभिक भाषा अधिग्रहण को सुविधाजनक बनाने में बल्कि वयस्कता में प्राप्त की जाने वाली वक्तृत्व क्षमता के स्तर को बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। दुर्भाग्य से, 2022 से चीनी सरकार ने ऐसे सभी प्रयासों पर प्रतिबंध लगा दिया है, तिब्बती बच्चों की साक्षरता को बढ़ावा देने वाले प्रकाशनों पर रोक लगा दी है, किताबों की दुकानों को ऐसी सामग्री रखने से मना किया है और स्कूलों में उनके प्रसार को अपराध घोषित कर दिया है। आज, हालांकि इन पहलों को दबा दिया गया है - तिब्बतियों द्वारा संचालित स्कूलों के साथ-साथ, तिब्बती-नेतृत्व वाली शिक्षा की अव्यक्त क्षमता अभी भी मौजूद है।

गंभीर खतरों के बावजूद, तिब्बती अभी भी अपनी भाषा, संस्कृति और पहचान को संरक्षित करने के तरीके खोज रहे हैं और यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि तिब्बती बच्चे खुद को तिब्बती के रूप में देखते हुए, तिब्बती बोलते हुए और तिब्बती इतिहास को जानते हुए बड़े हों।

जहां असहमति की एक झलक दिखलाना भी कठोर दंड की ओर ले जाती है,[166] ऐसी जगह पर चीनी सरकार की नीतियों का खुला विरोध करना बहुत मुश्किल है। तिब्बत ने फ्रीडम हाउस की सबसे हालिया 'विश्व स्वतंत्रता रैंकिंग' में शून्य अंक प्राप्त किया, जिससे यह यूक्रेन के रूसी-कब्जे वाले हिस्सों को छोड़कर दुनिया में सबसे कम स्वतंत्र क्षेत्र बन गया।[167] फिर भी गंभीर जोखिमों के बावजूद, तिब्बती अभी भी अपनी भाषा, संस्कृति और पहचान को संरक्षित करने और यह सुनिश्चित करने के तरीके खोज रहे हैं कि तिब्बती बच्चों की वर्तमान पीढ़ी खुद को तिब्बती के रूप में देखकर बड़ी हो, तिब्बती बोलें और तिब्बती इतिहास को जानें। वे ऑनलाइन भाषा और शिक्षा नीतियों पर चर्चा करने के लिए सावधानी से शब्दों का उपयोग करते हैं, चिंता व्यक्त करते हैं और उनके परिवार क्या कर सकते हैं, इस बारे में विचार व्यक्त करते हैं। कुछ माता-पिता ने अधिकारियों की नज़र से बचने के लिए अपने बच्चों को सरकारी आवासीय विद्यालयों से दूर रखने के लिए अनधिकृत तरीके खोजे हैं।[168] शिक्षकों ने अपनी कक्षाओं में अधिक तिब्बती शामिल करने की कोशिश की है।[169] और कई बार, छात्रों, अभिभावकों, बुद्धिजीवियों और अन्य लोगों ने बहादुरी से अपनी बात रखी है।[170] लेकिन औपनिवेशिक आवासीय विद्यालयों का असर बहुत ज़्यादा है और तिब्बती बच्चे दिन-ब-दिन अपनी भाषा और पहचान खोते जा रहे हैं। कनाडा, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया में, आवासीय विद्यालयों और जबरन अलगाव के अन्य तरीकों के माध्यम से वहां के मूल लोगों को खत्म करने के औपनिवेशिक प्रयास विफल हो गए, लेकिन मूल निवासी बच्चों और परिवारों के साथ-साथ स्वदेशी राष्ट्रों के समाजों, संस्कृतियों और भाषाओं को भी भयानक नुकसान हुआ। यह नुकसान पीढ़ियों तक जारी है।

तिब्बती लोगों के लिए इस हादसे को टालने में अभी भी बहुत देर नहीं हुई है। आज चीनी सरकार द्वारा अपनाई जा रही हानिकारक नीतियों से दूर जाने और तिब्बती लोगों की संस्कृति और परंपराओं को बनाए रखने वाली तिब्बती नेतृत्व वाली शिक्षा प्रणाली की ओर जाने के लिए संसाधन और क्षमता मौजूद है, जो आधुनिक, उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करते हुए तिब्बती लोगों की संस्कृति और परंपराओं को बनाए रखती है। इस रिपोर्ट को प्राप्त करने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय को तिब्बतियों का समर्थन करने के लिए बहुत कुछ करना चाहिए। इस बारे में संबंधित सरकारों, संयुक्त राष्ट्र निकायों, विशेषज्ञों और नेताओं के साथ-साथ चीनी सरकार के लिए हमारी निम्नलिखित सिफारिशें हैं।

---

166 For example, see *Radio Free Asia*, "Tibetan Language Rights Advocate Under Surveillance After Release from Detention," November 13, 2024, available at: https://www.rfa.org/english/tibet/2024/11/13/tibet-language-rights-activist-detained/ (accessed January 15, 2025) and *Radio Free Asia*, "Tibetan Champion of Language Preservation Diesafter Release," December 23, 2024, available at: https://www.rfa.org/english/tibet/2024/12/23/champion-language-preservation-dies/ (accessed January 16, 2025).

167 Freedom House, "Freedom in the World 2025," February 2025, 7, available at: https://freedomhouse.org/sites/default/files/2025-02/FITW_World_2025_Feb.2025.pdf (accessed March 16, 2025).

168 Interview with Gyal Lo, October 10, 2024, Interview 16

169 For example, see *Radio Free Asia*, "China Expels Teacher for Pushing for Students to Use Tibetan Language," April 17, 2024, available at: https://www.rfa.org/english/news/tibet/teacher-expelled-04172024160617.html (accessed October 11, 2024).

170 For example, see *Radio Free Asia*, "Netizens Demand China Reinstate Tibetan Language Use in Schools," April 4, 2025, available at: https://www.rfa.org/english/tibet/2025/04/04/tibet-language-white-paper/?int_cid=story_card:rc_v1_2025-04-04-tibet-language-white-paper:story_page:1of3:18of19 (accessed April 22, 2025), Radio Free Asia, "Four Tibetan Teens Detained for Resisting Going to Chinese Schools," October 8, 2024, available at: https://www.rfa.org/english/news/tibet/tibet-teens-detainedbuddhist-schools-china-10082024170151.html (accessed October 25, 2024).

सिफ़ारिशें

चीन सरकार से

1. मठों और घरों से बच्चों को जबरन उठाकर सरकारी आवासीय विद्यालयों में भेजने पर तुरंत रोक लगाई जाए।

2. आवासीय विद्यालयों और प्रीस्कूलों के निर्माण पर रोक लगाई जाए।

3. तिब्बती आवासीय विद्यालयों में कथित दुर्व्यवहार, उपेक्षा, मौतों और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं की सार्वजनिक जांच कराई जाए।

4. आवासीय विद्यालय प्रणाली को समाप्त किया जाए, गांव और मठों के स्कूलों को बंद करने पर रोक लगाई जाए, निजी तिब्बती स्कूलों को फिर से खोलने की अनुमति दी जाए और बच्चों को धार्मिक क्रियाकलापों में स्वतंत्र रूप से शामिल होने की अनुमति दी जाए।

5. स्कूलों में तिब्बती भाषा के उपयोग और संरक्षण का पक्ष लेने के कारण जेल में बंद सभी तिब्बतियों के खिलाफ़ आरोप वापस लिए जाएं और उन्हें रिहा किया जाए।

6. भ्रामक रूप से नामित 'द्विभाषी शिक्षा' नीति को उलट दिया जाए, जो तिब्बती भाषा की जगह चीनी भाषा को शिक्षण माध्यम के रूप में इस्तेमाल करती है और तिब्बती शिक्षकों द्वारा विकसित तिब्बती-भाषा पाठ्यक्रम की अनुमति दी जाए, जो चीनी पहचान, इतिहास और संस्कृति पर केंद्रित होने के बजाय तिब्बतियों की ज़रूरतों को पूरा करता हो।

7. तिब्बती शिक्षकों को नौकरी से निकालना बंद करें और इसके बजाय तिब्बती क्षेत्रों में, विशेष रूप से ग्रामीण समुदायों में, अधिक तिब्बती शिक्षकों को नियुक्त करें और प्रशिक्षित करें, तथा चीनी शिक्षकों द्वारा उनके विस्थापन को रोकें। इससे यह सुनिश्चित हो सकेगा कि तिब्बती छात्रों को तिब्बती भाषा में उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्राप्त हो रही है और वे अपने परिवारों से अलग हुए बिना अपने घरेलू समुदायों में रहने को सक्षम हैं।

तिब्बती अधिकारों की समर्थक सरकारों से

1. चीनी नेताओं की यात्राओं, पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की यात्राओं और अंतर-सरकारी मंचों की उच्च-स्तरीय बैठकों सहित चीनी सरकार के प्रतिनिधियों के साथ सभी बैठकों में औपनिवेशिक आवासीय प्रणाली को तत्काल समाप्त करने का आह्वान करें, जैसा कि संयुक्त राष्ट्र की विशेष प्रक्रियाओं, आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र समिति और महिलाओं के खिलाफ भेदभाव के उन्मूलन पर संयुक्त राष्ट्र समिति द्वारा अनुशंसित किया गया है।

2. ऐसे विद्यालयों के अधिकारियों पर आर्थिक प्रतिबंध और वीजा प्रतिबंध लागू करें, जहां शारीरिक दुर्व्यवहार या लापरवाही हो रही है। साथ ही तिब्बत में तिब्बतियों के मानवाधिकारों का उल्लंघन कर रहे और शैक्षणिक नीतियों को विकसित करने और लागू करने वाले जिम्मेदार बुद्धिजीवियों और अधिकारियों पर भी प्रतिबंध लगाएं। इन नीतियों में तिब्बत में औपनिवेशिक आवासीय प्रणाली और बोर्डिंग प्रीस्कूल प्रणाली, तिब्बती-माध्यम शिक्षण का उन्मूलन, तिब्बती-संचालित निजी स्कूलों और अवकाश कक्षाओं का बंदीकरण और मठवासी स्कूलों से बच्चों को सरकार संचालित आवासीय विद्यालयों में जबरन स्थानांतरित करना शामिल है।

3. संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के सदस्य देशों को तिब्बत में आवासीय विद्यालयों से संबंधित उल्लंघनों के दायरे और गंभीरता को स्वीकार करते हुए, विशेष रूप से बच्चों के लिए उनके द्वारा उत्पन्न होने वाले तत्काल जोखिमों के मद्देनजर, 2025 में चीन पर एक विशेष सत्र का आयोजन करना चाहिए।

4. तिब्बती भाषा और संस्कृति के प्रचार और संरक्षण का समर्थन करने वाले शैक्षणिक कार्यक्रमों को वित्तपोषित करें, जिसमें तिब्बती-संचालित सप्ताहांत स्कूल, भाषा और संस्कृति अवकाश शिविर और गहन तिब्बती भाषा विसर्जन कार्यक्रम शामिल हैं। तिब्बती-माध्यम पाठ्यक्रम और तिब्बती-भाषा डिजिटल सामग्री का विकास, जिसमें बच्चों की कॉमिक्स और वीडियो शामिल हैं और तिब्बती छात्रों, शिक्षकों और विद्वानों, विशेष रूप से तिब्बत के लोगों के लिए उच्च शिक्षा के अवसर का सृजन करें।

5. सार्वजनिक संस्थानों और राजनयिकों के माध्यम से तिब्बती भाषा प्रशिक्षण का समर्थन करने के लिए वित्तीय संसाधन प्रदान करें।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव से

1. महासचिव को उन नीतियों की निंदा करनी चाहिए जो तिब्बती बच्चों को उनके परिवारों से अलग कर देती हैं और उन्हें चार साल की उम्र से ही सरकारी आवासीय विद्यालय में भेज देती हैं।

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त और संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद से

1. अपने कार्यकाल के आधे समय में मानवाधिकार उच्चायुक्त ने इस रिपोर्ट में चर्चा किए गए व्यापक और सुनियोजित दुर्व्यवहारों को पर्याप्त रूप से सुलझाया नहीं है जो सभी तिब्बती बच्चों के लिए खतरा हैं। उन्हें चीनी सरकार की आवासीय विद्यालयों की प्रणाली और उसके तिब्बती विरोधी पाठ्यक्रम की स्पष्ट रूप से निंदा करनी चाहिए और चीनी अधिकारियों से आवासीय विद्यालय प्रणाली को समाप्त करने, तिब्बती गांव और मठवासी स्कूलों को बंद करने पर रोक लगाने और सभी तिब्बती क्षेत्रों में निजी तिब्बती स्कूलों को फिर से खोलने की अनुमति देने का आह्वान करना चाहिए।

2. मानवाधिकार उच्चायुक्त को विशेष प्रक्रियाओं और सीआरसी, सीईडीएडब्ल्यू और सीईआरडी विशेषज्ञों के साथ मिलकर सभी औपनिवेशिक बोर्डिंग स्कूलों की जांच करने के लिए एक पहल की घोषणा करनी चाहिए और विशेष प्रक्रियाओं को तिब्बत, जिसमें टीएआर और उसके बाहर के क्षेत्र शामिल हैं, का दौरा करने के लिए स्थायी निमंत्रण देने पर जोर देना चाहिए। उच्चायुक्त ने तिब्बत में औपनिवेशिक आवासीय विद्यालयों के बारे में पहले ही चिंता व्यक्त की है।

3. मानवाधिकार परिषद को तिब्बत में आवासीय विद्यालयों से संबंधित उल्लंघनों के दायरे और गंभीरता को स्वीकार करते हुए, विशेष रूप से बच्चों के लिए चीन द्वारा उत्पन्न तत्काल जोखिमों के मद्देनजर, 2025 में चीन पर एक विशेष सत्र बुलाना चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र संधि निकायों और विशेष प्रक्रियाओं से

1. अल्पसंख्यक मुद्दों पर संयुक्त राष्ट्र के विशेष प्रतिवेदक, सांस्कृतिक अधिकारों के क्षेत्र में विशेष प्रतिवेदक, शिक्षा के अधिकार पर विशेष प्रतिवेदक और धर्म या विश्वास की स्वतंत्रता पर विशेष प्रतिवेदकों को औपनिवेशिक आवासीय विद्यालय प्रणाली और संबंधित नीतियों और तिब्बती परिवारों और बच्चों पर उनके प्रभावों पर गंभीर चिंता व्यक्त करना जारी रखना चाहिए। इन्हीं प्रतिवेदकों ने पहले तिब्बत में आत्मसात करने वाली शिक्षा नीतियों के बारे में बीजिंग से सीधे संदेश भेजा था।

2. इन पदों के धारकों को इस रिपोर्ट में मौजूद साक्ष्यों का उपयोग करते हुए इसके आधार पर चीनी अधिकारियों को एक और संचार संदेश भेजना चाहिए। इसमें आवासीय विद्यालयों और प्रीस्कूल प्रणाली में व्याप्त दुर्व्यवहार और लापरवाही के साथ-साथ गंभीर मनोवैज्ञानिक और सांस्कृतिक नुकसान के बारे में गंभीर चिंता व्यक्त की जानी चाहिए।

3. इस रिपोर्ट के निष्कर्षों से बाल अधिकार समिति को चीनी सरकार की आगामी समीक्षा के बारे में जानकारी मिलनी चाहिए।

आभार प्रदर्शन

इस रिपोर्ट का शोध और लेखन तिब्बत एक्शन इंस्टीट्यूट के कर्मचारियों द्वारा कई अन्य शोधकर्ताओं, कार्यकर्ताओं और विद्वानों की सहायता से किया गया। हम उन सभी लोगों के आभारी हैं जिन्होंने अपनी विशेषज्ञता प्रदान की और उन कई तिब्बतियों के भी जिन्होंने अपने व्यक्तिगत अनुभवों के बारे में बात की, जिससे यह कहानी बताई जा सकी।

“जब वे हमारे बच्चों को उठाने आए”

चीन के औपनिवेशिक आवासीय विद्यालय और तिब्बत का भविष्य

चीन सरकार तिब्बती लोगों को जबरन आत्मसात करने के साधन के रूप में तिब्बती बच्चों का इस्तेमाल कर रहा है। छात्रों को मुख्य रूप से औपनिवेशिक आवासीय विद्यालयों और प्रीस्कूलों की व्यवस्था के माध्यम से निशाना बनाया जाता है, जो उनके दुर्व्यवहार और उपेक्षा को उजागर करते हैं। चार साल की उम्र के कुछ बच्चों को अपने परिवारों से दूर रहने के लिए मजबूर किया जाता है। उन्हें चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के प्रति वफादार होने के लिए प्रेरित किया जाता है और उन्हें उनकी भाषा और संस्कृति से अलग कर दिया जाता है।

इस बीच चीनी अधिकारियों ने अन्य वैकल्पिक साधनों को हटा दिया है। गांव के स्कूल और वैकल्पिक तिब्बती लोगों द्वारा संचालित स्कूल बंद कर दिए गए हैं और युवा भिक्षुओं और भिक्षुणियों को सरकारी आवासीय विद्यालयों में जाने के लिए अपने मठ कें अंदर के संस्थानों को छोड़ने के लिए मजबूर किया गया है। स्कूल की छुट्टियों के दौरान भी छात्रों को तिब्बती भाषा की कक्षाओं में दाखिला लेने या अपने परिवारों के साथ धार्मिक गतिविधियों में भाग लेने से रोक दिया गया है।

तिब्बत एक्शन इंस्टीट्यूट संयुक्त राष्ट्र और संबंधित सरकारों से आग्रह करता है कि वे चीन सरकार से तिब्बती आवासीय विद्यालयों में कथित दुर्व्यवहारों, मौतों और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं की तुरंत सार्वजनिक जांच करने, आवासीय विद्यालयों और प्रीस्कूलों की जबरन प्रणाली को समाप्त करने और तिब्बती बच्चों को घर पर रहते हुए उच्च गुणवत्ता वाली मातृभाषा शिक्षा प्राप्त करने में सक्षम बनाने का आग्रह करें।

तिब्बत में चीन के औपनिवेशिक आवासीय विद्यालयों पर अधिक जानकारी:

TibetAction.net

Tibet Action Institute
བོད་དོན་ལས་འགུལ་བསྡི་གནས་ཁང་།